नित्य सुर्य वंदना 2020

कवि श्री जोगीदान चडीया

अहनीश रेजो ऊर मां,मारे, नारायण नुं नाम
जगत छडुं तद जोगडा, धर्णीं रखीजो धाम

संकलन

भावेश सोलंकी

[8:24 AM, 1/1/2020] Jogidan Gadhvi:

अण कारण बस आपनुं, नारायण लौं नाम
जांणे सघळुं जोगडा, एने, कांउं भळावुं काम

हे नारायण हुं आप नो नाम जप कोई कारण वगरज करुं छुं,कोई ईच्छा माटे के कोई मोहवश नई के हुं नाम लईश तो आम थशे,आप ने कोई काम पण नथी भळावतो,कारण के जे सघळुं जांणेज छे,समस्त जीव नो कर्ता पण छे,अने कोनी पासे कियुं कर्म कराववुं एनो नियंता पण छे,एने शुं काम केहवुं? कदाच अमारे मुखे सतत नाम रटातुं रहे ई पण तमेज नक्की कर्युं हशे.हे नारायण आप ने मारां वंदन छे.

[7:43 AM, 1/2/2020] Jogidan Gadhvi:

आव्या नाथ उडाडियो, गगने लाल गुलाल
जपत वेद सूर जोगडा, प्रणव नाथ प्रतिपाल

हे भगवान सुरज नारायण आप पधार्या नी खुशहाली मां गगन लाल गुलाल उडाडी जश्न मनावे छे, हे नाथ आप ने ऋग्वेद बिजा मंडळ मां मैत्रावरुण कही वंदन करे छे तथा शास्त्रो आपने शिव सुर्य छे अने सुर्य शिव छे कही वंदना करे छे आम हे शिव(कल्यांण) स्वरुप पृथ्वी अने प्रांण ना प्रतिपाल एवा हे प्रणव आप ने मारां नित्य वंदन छे.--------------

[8:11 AM, 1/4/2020] Jogidan Gadhvi:

तारी आ तपस्या तणां, भाग लख्यां कुण भांण
मेर आखु मंडाय, एम, जाय न जाण्युं जोगडा

हे भगवान सुरज नारायण आ पृथ्वी आपनाज छुटा पडेल अंग मांथी रचाई छे,तथा तेना पर मनुस्य जेवा जिवो उदभव्या अने जेणे ग्रंथो रच्या,नियती भाग्य लखे एे वातुं अमे तेमां वांचि पण खरी परंतु हे नाथ आप ने भाग्य मां आ तपस्या कोंणे लखी हशे,एवा अनेक सवालो भर्या छे,हे नाथ आ आखुं महा मंडाण कोईथी एम सीधुं समजाय तेवुं नथी पण ए बधा रहस्यो ना जांणतल एवा नारायण आपने मारां नित्य वंदन छे.---

[9:24 AM, 1/5/2020] Jogidan Gadhvi:

अणुं अणुं मां आपछो, रजरज मां पण रांण
जिव मातरमां जोगडा, भाळुंय सुरज भांण

हे भगवान सुरज नारायण आ पृथ्वी आप मांथी छुटी पडेल छे एटले एना अणुंये अणुं मां आप सामील छो,रजे रज मां आपनो वास छे,तेमज जिव मात्र नी काया आ माटी थीज बंधायेल छे एटले दरेक देह मां पण आप नो वास छे तेमज हे नाथ वेद पण आपने आत्मा ना कारक अने आत्मा ना देव कहे छे, दरेक जिव आप थकी होई सर्व जिव मात्र मां हुं आपने वंदन करी सकुं ए क्षमता ना आशीस आपो ए आशा सह हे विराट मां व्यापेल नारायण आपने मारां नित्य वंदन छे.

[8:00 AM, 1/6/2020] Jogidan Gadhvi:

केवु वधावे कोडथी, गोमे छांट गलाल
जुवो पितापर जोगडा, वसुधा ढोळे वाल

हे भगवान सुरज नारायण हे नाथ सवार सां आपनो उदय थाय त्यारे आप नी दिकरी आ धरती खुब राजी थई गगन पर गुलाल उडाडे छे,अने वधायुं ना गीत पंखीडा गावा मांडे छे,प्रकृती उत्सव मां झुमि उठे छे,दिकरी धरती एना बाप पर केवुं व्हालप वरहावे छे,के एना आगमन टांणे आखुं आभ गुलाल थी रंगे छे,कारण बाप जगत नुं हित करवा निकळे छे,एनुं गौरव दिकरी थी वधुं कोने होई सके..एवा हे नारायण मारां आपने नित्य वंदन छे.

[8:17 AM, 1/7/2020] Jogidan Gadhvi:

सूरज साधक सूरना,नित लियां तूज नाम
जंतर आभे जोगडा,जेनुं, युगथी वागे आम

हे भगवान सुरज नारायण संगीत नो वेद एटले शामवेद जे आपना मुखे थी निकळ्यो छे,एथी आप संगीत ना केटला महाविद्व हशो ई केहवानी जरुरज नथी रेहती..आपनी उदय मध्य अस्त अने रात्री ना निचेनी तरण ना गमन द्वारा प्रकृती ना वातावरण पर जे फर्क पडे छे ते अनुभूति करतां तेमां रहेल सुरो नुं सातत्य समजाय छे जांणे आप विंणा जंतर पर सवारे भैरव रामकली ने जोगीया थी सरु करी बपोर सुधी जोनपुरी सारंग ने भिमपलासी वगाडताक ने सांजे पुरीया यमन ने हमीर बजावी पछी रात ना जयजयवंती मालकैस परज वगाडताने ललीत सुधी वगाडता जाव छो ई विणां युगो थी सतत वागी रही छे,जे ध्यान नो कान दई ने देव गणो सदैव रसपान करी धन्यता अनुभवे छे एवा हे महा संगीत सर्जक मारां आपने नित्य वंदन छे.---
[7:49 AM, 1/8/2020] Jogidan Gadhvi:

चीज चतांभुज ना चहे,आ, भांण चहे बस भाव
जिंणसु आ जग जोगडा,एने, चडिया कांव चडाव

हे भगवान सुरज नारायण आप थकी तो आ समग्र जीव सृस्टी छे,जळ वायु प्रकृति वगेरे आपेज आपेल छे हवे एमांथीज कंईक लईने आप ने शुं धराववुं? पण हे चतुर्भुज नारायण आप कोई चीज नथी चाहता,आप तो मात्र भाव ने जुवो छो,आप ने मारां नित्य वंदन छे.

[7:15 AM, 1/9/2020] Jogidan Gadhvi:

तगडे टोळां तमसना,सांगो पांग सुजाण
जुद्ध अडीखम जोगडा, रंगत खेले रांण

खग्ग धिंगाणुं खेलता,उड्या सोंणीत आभ
लोकन देवा लाभ, जुद्धे चडिया जोगडा

हे भगवान सुरज नारायण तमे तिमिर ना टोळां ने सांगो पांग उतरी तगडी रह्या छो,आपनुं अंधकार सामे नुं युद्ध जुगो थी चाली रह्युं छे,अने आप अडीखम योद्घा रुप लडी रह्या छो,ए जुद्ध मां केटलाक घावो पण लागता हशे जेना कारणे सवारे अने सांजे जेवी अंधकार सामे सामी सेना आथडे त्यारे ई युद्ध मां घावो लागे अने ए रक्त आभे उडतुं हशे जेना कारणे कदाच आखो आभ रातो थई जाय छे,छतां पोताना स्वार्थ माटे नई पण जगत कल्यांण माटे जंग खेली रहेल महाजोद्धा नारायण ने मारां नित्य वंदन छे.

[8:36 AM, 1/10/2020] Jogidan Gadhvi:

चित मोगल शंकर चरण, रदय बस्यो सुर रांण
जपत पधारत जोगडा,सब, देव धरी दिवयांण

हे भगवान सुरज नारायण अमारा चित्त मां सतत चिंतन मां अमारी मां जगदंबा मोगल छे, रसण पर सतत महादेव नुं रटण छे अने रदय मां सतत आप धबकी रह्या छो,आम त्रणेय देवो पर मने अनन्य नेह छे,आपना जाप तो सतत हैये हालताज होय छे,अने समयांतरे एम लाग्या करे के जांणे आप साव निकट उभा रही श्रवण करो छो,प्रभात ने प्रहरे देवयांन (देव ना यान एटले वाहन ..देवियांण एटले देवियोनुं वाहन पण कही सकाय के जेमां सर्व देवियो बिराजीत होय) मां बिराजी ने नित्य दर्शन देता हे नारायण मारां आपने नित्य वंदन छे.

[8:21 AM, 1/11/2020] Jogidan Gadhvi:

सुरज तणा संभारणां, नरणां करिये नीत
गायें तमणां गीत, जागी पेलां जोगडा

हे भगवान सुरज नारायण अमो नित्य आप ने नरणे टांणे यादी करीये छीये,आप ना नाम जपीये छीये,जागता वेंत अमो आप नां गीत गाईये छीये हे नाथ अजामील तो एकवार नारायण कही उगरी गयेल एवा आप ने अमांरा नित्य वंदन छे.

[8:40 AM, 1/12/2020] Jogidan Gadhvi:

कासप तारा क्रोड छे, आप समो नइ एक
वांणी धिरज विवेक,जोग सिधी सह जोगडा

हे भगवान सुरज नारायण विज्ञान एम कहे के सुर्य एक तारो छे,पण हे नाथ आप जेवो कोय तारो जगत मां न होई सके,जेने हैये कांय मारु मारुं नु ममत नथी बस तारुं तारुं नी भावना छे,एटले कदाच तारो (आपनो)केहवातु हशे..पण हे नाथ आप समुं कोय नथी,जे सुरज शाम वेद जगत ने आपे तेवि विद्वता भरी वांणी छतां कोई नमे न नमे तोय तेज देवानी उदारता वाळी धिरज अने विवेक साथे जोग सिद्धी होय तेवा महा देव नारायण ने मारां नित्य वंदन छे.

[8:33 AM, 1/13/2020] Jogidan Gadhvi:

आदित झाली आंगळी,भरवे पगली भांण
राखल यादुं रांण,ते, जीवन आखुं जोगडा

हे भगवान सुरज नारायण ज्यारे आप पृथ्वी नी पेहला पण विध्यमान हता अने माता अदितीये विनवी पोताना बाळ बनाव्या अने मां नुं वात्सल्य पामवा आप अंशावतारे धरती पर पधार्या पछी ज्यारे आपने ई जनेताये आंगळी पकडी पापा पगली भरावी हशे,ई याद आप हजी नथी भुल्या अने हजी आप आभ मां झपाटा बंध नई पण पापा पगलीज भरता होय एवुं लागे छे,जांणे के आपे पेली यादो ने जिवनभर माटे पोतामां उतारी लीधी होय,एवा मातृ वात्सल्य ने कदी न विसरनार नारायण ने मारां नित्य वंदन छे.

[9:25 AM, 1/14/2020] Jogidan Gadhvi:

मेर पधारे मकर मां,ई,वड कुरु नेय वाट
अमे
जोयां नजरे जोगडा, नभ ई सूरज नाट

हे भगवान सुरज नारायण आप काले मकर राशी मां प्रवेस करशो (लोको आजे मकर शंक्रान्ती मनावे छे पण हजी आजे तो सुर्य धनु राषी मां छे,मकर मां तो काले प्रवेश करशे,साची मकर संक्राती काले)ई कौरव पक्ष ना भिष्म पण राह जोतो हाता,आजथी 3067 ईसा वर्ष पुर्वे 6 डीसेम्बर भिष्म घायल थयेल,अने 3067 वर्ष ईसा पुप्व 14 जान्युआरी सुर्य मकर राशी मां प्रवेसे ए वखते प्रांण त्यजवा भीष्म 48 दिवस बांण सैया पर रहेल)जे राशी ना सुरज नारायण ना दर्शन करवा भिष्म जेवा बांण सैया मां परांणे पोतानो प्रांण टकावी जे नारायण ना दर्शन ईच्छी रहेल ए नारायण आजे वगर वेदनाये अमने आभ मां नाटारंभ करता दर्शन आपी रह्या छे,ए नाथ ने मारां नित्य वंदन छे.

[9:37 AM, 1/15/2020] Jogidan Gadhvi:

उपर घी ना आलीये,तने,लाडुं कस्यप लाल
जीव जगत री जोगडा,ध्रम्म रखा तुं ढाल

हे भगवान सुरज नारायण उतरायण ना तेहवारो मां केळां ने खजुर ना उपर घी लाडु बनावी आप ना प्रसाद रुप आरोगी अमो आप ने रीजववा ईच्छता होईये छीये, हे धर्म ना रक्षक नारायण आप समग्र जिव सृस्टी नी रक्षा हेतु ढाल बनीने उभा रहेल छो,जो थोडा दिवसज आपनो उदय वादळ ने कारणे लोको जोई न सके त्यातो रोगचाळो धरती ने घेरी लेतो होय छे,आप उदय पामी निरोगी वातावरण पुरु पाडी जिवो ने जिवन आपो छो,आप ने मारां नित्य वंदन छे.

[5:04 AM, 1/16/2020] Jogidan Gadhvi:

अंतर बांध्यो आपसुं, नातो सूरज नेह
दुनिया छंडे देह,तेदी,जोडे लेजो जोगडा

हे भगवान सुरज नारायण अमे रोज जागी ने सौ प्रथम आपनेज याद करीये छीये अने आपनो दोहो रचीये छीये, हे नाथ आप थी अमारा अंतरे नेह नो नातो बांधेल छे,हवे जेदी अमे दुनीयाये आपेल आ देह अमे दुनिया पासे पाछो छोडीये तेदी हे नारायण अमने आप पासे राखी लई अने आ नातो जरुर निभावज्यो मारां आपने नित्य वंदन छे.

[7:55 AM, 1/17/2020] Jogidan Gadhvi:

सुरज छेड्यां साज,पंखी सुर पुरावीया
मोतीडां महराज,जाकळ वेरे जोगडा

हे भगवान सुरज नारायण ज्यां आपे प्रभात ना साज छेड्यां त्यांतो पृथ्वी नव पल्लवित थई आखा पट पर जांणे दिव्य अने नराकाने न सांभळी सकाय मात्र स्थिर चिते अनुभूति करी सकाय एवुं संगीत रेलायुं,जेमां पंखीडा पोतानो सुर पुरावा मांड्या छे,अने खुब खुशी थई जाकळ पोते बुंद बनी ने पांदडा पर पडी ने चमकवा लागी जांणे मोतीडां वरहाव्यां होय,हे अगम संगीत ना छेडतल नारायण मारां आपने नित्य वंदन छे.

[5:48 AM, 1/18/2020] Jogidan Gadhvi:

महाप्रलय पहले मधुर,बजत रहे लख बार
जुडे फेर घट जोगडा,तत्व सत्व ध्रम तार

हे भगवान सुरज नारायण महाप्रलय नी पेहला पण जे मळी ने मधुर वागी रहेल हता ए तार कोई अकळ कारणो सर प्रागवडे पोढेल परमेहर ना परम पदक नई पाम्या होय अने पुनरागमन पाम्या हशे,ई तार पाछा फरी जोडाया छे, हे नाथ सत्व नो धर्म पाळनार ने जाती पोतानी पाछळ त्व नुं जोडाण करे छे,जेमां चार वर्ण मां रहेल प्रथम बे मा ब्राह्मण ने ब्रह्मत्व,क्षत्रिय ने क्षात्रत्व,लागे छे,तथा पृथुराजाये तप करी धरती पर उतारेल शिव ना गण चारण के जे आ चार वर्ण बन्या पछी धरती पर आव्यो होई चार वरण मां नथी पण एना दैवत्व ना दावे ई चारणत्व नो उपासक होई चारण ने पण त्व लागी चारणत्व शोभे छे,एम हे सुरज नारायण आप क्षात्रधर्म ना रक्षक होई क्षात्रत्व, ब्रह्मा ना मानसपुत्र मरिची ना पौत्र तरीके गणुं तोय ब्रह्मत्व नो त्व आपने लागे अने मारे चारणत्व नो त्व लागे एम बेउ तत्व अने सत्व ना तार कदाच महाप्रलय पेहलानी कोई मधुर विंणा ना ध्वनी कण तरीके फरी जोडाया छे, हे नाथ आ वखते हवे ई संगीत सदैव लीन थई जाय,बेउ तार नो ध्वनी एक रणका मां परिणमे एवा आशीस आपज्यो मारां आपने नित्य वंदन छे.

[9:23 AM, 1/19/2020] Jogidan Gadhvi:

क्रम गणीं सूत कस्यपो,मसती मांज मगन्न
जग्ग जिवाडे जोगडा,तोय, गरजे नहीं गगन्न

हे भगवान सुरज नारायण आ समग्र जीव सृस्टी आप ने आधीन छे,आपज एने जिवाडो छो, छतां हे कस्यप नंदन आप ए कार्य ने पोतानुं कर्म गणीं ने कर्या करो छो,क्यारेय आभमांथी अहंकार भरी गर्जनाओ नथी करी के हे लोको जुवो हुं तमने जिवाडी रह्यो छुं..एम पोते करेला काम ने कोयदी आपे गणीं नथी बताव्युं के नथी उपकार जताव्यो के न तो कोयदी वाहवाही नी ईच्छा करी छे,आप जेवुं सामर्थ्यवान कोंण होई सके..आप ने मारां नित्य वंदन छे.

[8:04 AM, 1/20/2020] Jogidan Gadhvi:

आभा मंडळ ओरडे, मोभी तुं महराज
लाख वरह थी लाज, जोइन बेठो जोगडा

हे भगवान सुरज नारायण तमे आ आकास मंडळ ना ओरडा ना मोभी छो,अने लाखो वरह थी ए पद नी गरीमा जाळवी क्यारेय कस्यप कुळ नी लाज जोखमाय एवुं काम नथी कर्युं,एम करोडो वरह नुं आयुस्य होवा छतां उजळुं जिवन जीवी समाज ना दरेक मोभी अने घरना मोभीयो ने आप संदेश पाठवो छो के एवुं एकेय काम न करवुं के न थावा देवुं जेथी समाज नुं के कुळनुं नाम नीचु थाय के तेनी गरीमा हणांय,बांध्या भारमां आप बधी सिख दई रह्या छो एवा हे नारायण मारां आपने नित्य वंदन छे.

[5:56 AM, 1/21/2020] Jogidan Gadhvi:

आदीय पेला उगतो,यांज अडीखम आज
जात मुके नइ जोगडा, मारग ने महराज

हे भगवान सुरज नारायण आदीकाळ पेहला पण आप जेम उगमणी दस्य थी उदय थता हता आजे पण एज रीते उदय पामो छो, जमानो भले बदलातो रहे, संस्कृतीयो भले फरती रहे पण जे जातवान छे ई जमाना प्रमांणे पोताना मारग बदलता नथी,पोतानी पथ ने न चुकनार नभोमणिं नारायण मारां आपने नित्य वंदन छे.

[7:38 AM, 1/22/2020] Jogidan Gadhvi:

मित्तर गम्युं न मावडी, आद ईति ने ऊर
जुद्ध विचारी जोगडा, समर्युं नामज सूर

हे भगवान सुरज नारायण आपडा जुना धर्म ग्रंथ ऋग्वेद मां बिजा मंडळे आप नी यादी कराई छे जेमां मित्रावरुण कह्युं छे, पण हे नाथ आप नी माता तरीके जे वंदनिय छे ए अदीति(अद्वितिय अ दिती जे द्वितिय नथी पेहले स्थानेज छे,बिजी रीते कहुं तो आदीति आद एटले सरुथी ईति एटले अंत सुधी ऐ)मातायें आपने मात्र मैत्री ना गुण वाळा नई पण जोद्धा ना रुपे चिंतवी आपनुं नाम सौर्य नुं प्रतिक रहे तेवुं नाम सूर अने मात्र सूरज राख्युं केवि विरता भरी विचारधारा हशे ए माता नी के जे विरता अनेक वर्षो वित्या पछी आपना वंशज केहवाता क्षात्रो मां पण जोवा ~~मळे छे, वंदन छे ई क्षात्रत्व विचार वाळी माता अदीती ने तथा हे नारायण आप ने पण मारां नित्य वंदन~~ छे.
[5:18 AM, 1/23/2020] Jogidan Gadhvi:

काजळ आंजी काळका, रण हक बोले रात
एमां जडधर सूरज जोगडा, पाड्युं तें परभात

हे भगवान सुरज नारायण काळका ना क्रोध नी ज्वाळुं थी प्रकृती बळवा मांडी एनो घुमाडो अने शेली मळी काळां घन आंखे घेर्यां जे काजळ जेवां बनी आंखे अंजाणा होय तेवुं रुपक बन्युं एज रीते रात पण आखी प्रकृती ने काळा रंग ना पोताना ओढणा मां आटोपी बेठी जांणे काळका नी रण हाक वागती होय..पण जेम ए टांणे जडधर शिव आवेल जेने काळकानी थपाट लागी ने लाल चोळ थई धरती पर पड्यो,एम आप आव्या ने जांणे ई हाथ नी थपाट लागी होय एम लाल चोळ थई क्षितिजे धरती ने अडेला लागो छो ई जांणे लालचोळ थई धरती पर पड्या होय तेवुं देखाय पण जेम कालीका सहज सरमाई जिभ काढी ग्यां अने क्रोध सामी अजवाळां थीया तेम आप ने क्षितिजे पडेल जोई काळका ना क्रोध नी जेम रात ना काळा अंधारा पण अनिल मां ओगळी ग्यां होय तेवुं चित्र देखायुं आम हे जडधर स्वरुपा नारायण मारां आपने नित्य वंदन छे.

[5:52 AM, 1/24/2020] Jogidan Gadhvi:

जे नर लेशे जोगडा, नित नारायण नाम
रुडी रिते राखशे,एने,धणीं खूद ने धाम

हे भगवान सुरज नारायण अजामिले तो एकज वार नारायण कह्युं ने उद्धार थयो,पण जे नर नित्य नारायण नुं नाम जपे छे एने आप जेदी आ जग नी अवधी पुरी थाय पछी पोताना धाम मां बहु रुडी रीते राखो छो,आप ने मारां नित्य वंदन छे.

[6:53 AM, 1/25/2020] Jogidan Gadhvi:

ओरा ढांके आभने,एवुं,आतम तेज अजोड
ज्यां डग मांडे जोगडा,पडतुं जाय परोड

हे भगवान सुरज नारायण आप नी दिव्यता अने तप नी ओरा आखुं आभ भरी दे एवी होय छे,जेना तेज धरती ना खुंणा खुणा मां फेलाय छे,वळी आप ने जळ चडावे एनो पण आत्मा मजबुत थाय तेवुं अजोड आत्मबळ आपमां छे,आप डगलु मांडो त्यां परोडीयुं आपो आप थवा लागे छे अने अंधकार आपोआप भागवा मांडे छे,आपे एटली शक्ति अर्जित करी छे के एनो उपयोगज न करवो पडे आपोआप बधुं थवा लागे एवा हे सामर्थ्यवान सकळ जग पोषक नारायण मारां आपने नित्य वंदन छे.

[8:27 AM, 1/26/2020] Jogidan Gadhvi:

सूरज कोटी सभ्यता,लहर चडी धर लोट
अनहद भरती ओट,जोयल आपे जोगडा

हे भगवान सुरज नारायण आपे करोडो सभ्यताओ नी प्रगती नी लेहरो ने आसमान सुधी उठती अने फरी पाछी धरती मा समाई जवाना भरती ओट ना आप मुक साक्षी छो,अने दरेक सभ्यताये आपने नोखा नोखा नामे पण वंदनो कर्या छे,एवा हे नारायण मारां आपने नित्य वंदन छे.

[6:07 AM, 1/27/2020] Jogidan Gadhvi:

गगन धरा दो गोटियां, धमक्यां गुंगळ धूप
जांण प्रगट्या जोगडा,आ, रांण अनेरे रूप

उजळा आशिस आपता, नभ थडे थीय नाथ
जुग ना जोगी जोगडा, सत व्रत रेज्यो साथ

हे भगवान सुरज नारायण आ क्षीतिज पर वादळो देखाय छे अने ओरडामां सांजे करेल गुगळ ना धुप नी सुगंध हजी सोडी रही छे,ए जोतां एम लागे के आप धरती ने अजवाळवा आवी रहया छो त्यारे जगदंबाये जांणे के गुगळ नुं धुप कर्यु छे जेना गोटा थी आभ अने धरती गोटांणी छे,जेमां वच्चे थी आवतुं आप नुं दिव्य तेज आ नभ थडा ना अनेरा दर्शन करावे छे,सत्य व्रत अने सदाय साथे रेहवाना उजळा आशिस देनार नारायण आप ने प्रागट्य प्रणांम सह मारां नित्य वंदन छे,

---

[7:13 AM, 1/28/2020] Jogidan Gadhvi:

निकळ्यो मारा नाथ तुं, आभ तुरी असवार
सूरज रूप सवार, जगपर करवा जोगडा

हे भगवान नारायण मारा नाथ तुं आवडा मोटा विशाळ एवा आभ ना घोडलीया माथे सवार थई ने जग पर सवार पाडवा माटे सुरज ना रुपे पधारो छो तेवा हे सुरज नारायण मारां आप ने नित्य वंदन छे.

[8:36 AM, 1/29/2020] Jogidan Gadhvi:

सेढे भाळी सुरज ने, हैये छलक्यां हेत
खग तुं आभां खेत, जुत्योय खेडुं जोगडा

आदित मइने आठ तुं, मोती पकवे मेह
दुनिया भरनाे देह, ई, जे थी हाले जोगडा

हे भगवान सुरज नारायण आ आभ रुपी खेतर ने खेडवा माटे क्षीतिज ना सेढा पर आवेल महा मेहनतु एवा खंतिला खेडु रुपे आप ने जोई ने अमारा हैये हेत छलके छे,कारण के आप सियाळो अने उनाळो ना आठ महीना आभ नुं खेतर खेडी ने वादळ रुपी कणहलामां मेहुला रुपे मोतीडां वरहावो छो जेनाथी आ आखी दुनिसाभर ना देह टके छे एवा जगत तात रुप महाखेडु सुरज नारायण ने मारां नित्य वंदन छे.

[8:52 AM, 1/30/2020] Jogidan Gadhvi:

कमल रुप ब्रहमांद कर, सरसत तेजा सूर
जळ झारी नभ जोगडा, नमन करी ग्रह नूर

हे भगवान सुरज नारायण आ ब्रहमांड रुपी विराट कर आपना उदय समये केसरीयुं रक्त वर्ण मिश्रीत स्वेत कमळ जेवुं लागे छे जेमां आप नी आभा जगदंबा सरस्वती ए कमळ मां बिराज्यां होय तेवुं प्रतित थाय छे,हे नाथ हुं आप ने नभ मां जळ झारी ने नमन करी आप ना तेजोमय नुर ने थोडुं ग्रहण करवानी अभिलाष सेवुं छुं, आपने मारा नित्य वंदन छे.

[9:15 AM, 1/31/2020] Jogidan Gadhvi:

कृपा सूरज केवडी, इ, कही न जाये काव
नाम लियें तउ नाव, जाय तरी भव जोगडा

हे भगवान सुरज नारायण आपनी केवडी कृपायुं छे ए कोई एक काव्य मा समाई सके एम छे नई, मात्र नारायण नाम लेतां वेंत अजामील जेवा असुरोय सदगती पामी भग सागर मांथी मात्र नाम ने आधारे पोतनुं नावडुं तारी दीये छे, हे नाथ मारां आपने नित्य वंदन छे.

[10:01 AM, 2/1/2020] Jogidan Gadhvi:

गाय रवायो गोळिये, घमर घमंके घोम
वालो सूरज व्योम, जीतिन आवे जोगडा

हे भगवान सुरज नारायण गोळी मां रवायो वलोवाती स्थिति मां नारायण ने याद करी ने खमकारा जेवा घमकारा करी ने जांणे आगम वेत्ता चारण नी वांणी नो छंद केहतो होय एम कहे छे के मारो नारायण आंधारा नी सामे युद्ध जीती रहयो छे अने हमणां आखा आभ नो आधीपति बनी ने आखी क्षितिज ने गुलाले रंगी नारायण निकळशे, ई पाछली परोडे काळा अंधकार मां काळी अंधारी गोळी ना पेटाळ मां रवैया ने पण जेना आगमन ना चेता पोगी जाय छे अने ई जेना गीत गावा मांडे छे एवा नारायण ने मारां नित्य वंदन छे.

[11:33 AM, 2/2/2020] Jogidan Gadhvi:

आवड के उगतो नही, त्यां, रोकइ जातो रांण
जूग जुगांतर जोगडा, ई, भुले न चारण भांण

हे भगवान सुरज नारायण आई आवडे वंदना करी कहयुं के हे नारायण उगता नई. अने आप रोकाई गया,हे नाथ चारणो नुं आटलुं मोटुं मान जगमां वधार्युं ई वात ने चारणो जुग जुगांतर सुधी भुली न सके एवडो मोटो उपकार छे आपनो,आपने मारां नित्य वंदन छे.

[10:28 AM, 2/3/2020] Jogidan Gadhvi:

नातो घर सुं नेहनो, तुं, भजवी जांणे भांण
जातो सांजे जोगडा, थइ, रातो मातो रांण

हे भगवान सुरज नारायण मांणसे घरे केम रेहवुं ए आप खुब सुंदर रीते सिखवो छो,सवारे आवता टांणे आप घरथी नजीक होव त्यारे पण रंग कसुंबल होव छो,भले पछी बीजीज क्षण थी जेम आगळ वघता जाव तेम पिळास पकडी घगता होवा नो देखाव करी गरमी फेंको छो, पण फरी पाछा सांजे घरे जतां वेळाये फरी राता माता थई ने बार नी बळतरायुं बार मुकी ने उल्लासीत माहोल लई ने घरे परत फरो छो,एवी अमुलख सिख ना देनार नारायण ने मारां नित्य वंदन छे.

[8:21 AM, 2/4/2020] Jogidan Gadhvi:

विपदा सकळ विडारणा, अधम उधारक आप
जाग जपो नित जोगडा, जय नारायण जाप

हे भगवान सुरज नारायण आप तमाम विपत्तीयो ने दुर करनार अने अधर्मी पण जो आपनो जाप जपे तो तेनो उद्धार करनार छो, हुं आप नो जय नारायण नो जाप नित्य जागी ने जपु छुं आप ने मारा नित्य वंदन छे

[7:47 AM, 2/5/2020] Jogidan Gadhvi:

सूर कहुंबो छांटियो, अणनांमी थी आभ
जोई नमूं हुं जोगडा, लाल कसुंबल लाभ

हे भगवान सुरज नारायण घरे थी निकळतां पेहला आपने कावा कहुंबा अने डुंघा नी कदाच टेव हशे आपे अंजळीमां कहुंबो भरी ने नियम प्रमांणे अनामीका आंगळी ई चाबखा मां बोळी ने जे छांटणा नाख्या हशे ई छांटणां थी आभ नी उगमणी दीशा आखी राती चोळ केफ मां घेघुर थई गई छे जे लाभ दाई लाल रंग ने जोई ने हवे आप पधारी रह्या छो ऐ जांणी आपने नमन करुं छुं,हे कसुंबल केफ ना बंधांणी नारायण मारां आपने नित्य वंदन छे.

[8:54 AM, 2/6/2020] Jogidan Gadhvi:

सो सो दिवडे सामटी, करीयें लाख कतार
आपा वण अंधार, जाय न छेटो जोगडा

हे आपा सुरज नारायण सो सो दिवडाओ नी लाखो करोडो हारमाळा करीयें तोय अंधकार छेटो न भागे ईतो मात्र ने मात्र आप नो उदय थाय त्यांतो हजारो कोस छेटो भागी जाय छे, एवा हे तेजना दातार अजवाळा ना करनार नारायण मारां आपने नित्य वंदन छे.

[5:41 AM, 2/7/2020] Jogidan Gadhvi:

आदित लागे ऐहने, पुजे नई तो पाप
जेह जिवाडण जोगडा, बाळे देयुं बाप

हे भगवान सुरज नारायण ए लोको पाप ना अधीकारी छे जे लोको ने जिवाडवा माटे तमे तमारी काया बाळी ने अजवाळां पाथरो छो छतां जे तमने पुजता नथी नमता नथी के जागीने तमारुं नाम लेता नथी,
हे नारायण मारां आपने नित्य वंदन छे.

[9:07 AM, 2/8/2020] Jogidan Gadhvi:

सुग्रीव राख्यो साथमां, विभिषण माथे वाल
आ' करणे ईज कमाल, जुद्ध बतावी जोगडा

हे भगवान सुरज नारायण राम तो आप ना वंश ना छे,एण भ्रातृ द्रोह करनार अरे भाई ने मरावी नाखवानी मनसा वाळा सुग्रीव ने साथ मां राख्यो,वळी भाई थी रीह करी अने भाई केम मरे ई भेद खोलनार विभिषण माथे वालप ढोळ्युं, त्यांथी आगळ महाभारत काळमां आपनो पुत्र कर्ण पण पोते जांणतो होवा छतां पोताना भाईयो सामे तिर खेंची ने उभो रह्यो..ज्यारे आप नी वात करुं तो पांगळो बनेल पोतानो भाई अरुण एने तमे पोतानो सारथी करी स्नेह प्रदान करी भाई नुं भरण पोषण कर्युं आम भाई पर अनहद भाव राखनार ना वंश मां भ्रातृद्रोही पर भाव राखनार संतानो केम जनम्या?
क्यांक आप एमतो नथी सिखवी रह्या के बाप जेवा बेटा न पण होय...अफसोस न करवो एम पीडीत मनखा ने सांत्वना आपता हशो?
कदाच एम हशे...अनहद सांत्वना ना दाता नारायण ने मारां नित्य वंदन छे.

[5:04 AM, 2/9/2020] Jogidan Gadhvi:

आडां लख आवी चडे, भले, वादळ काळा व्योम
ज्योत चुके ना जोगडा, एने, भजती सूरज भोम

हे भगवान सुरज नारायण लाखो काळां वादळा आपने पंथे आवी ने क्यारेक तो आखुं आभ ढांकी दई घोर अंधारु करी दीये छे,पण ई अंधार ना ओळामां क्यारेय आप आपनो ज्योति धर्म नथी चुक्या,अजवाळुं भले निचे पोगे के न पोगे वच्चे भले लाख आवरण लई ने वादळ आपनो पंथ रोके पण सतत अजवाळुं वेरी आप पोतानो धर्म नथी मुकता जांणे एम केहता हो के जिवन मां सारो नरसो समय नो उतार चडाव आवे एथी पोतानो पंथ न चुकवो आम सत्य नी राह ने वळगी रेहवा नुं सिक्षण देनार नारायण ने मारां नित्य वंदन छे.

[8:22 AM, 2/10/2020] Jogidan Gadhvi:

उगेन पाछो आथमे, वाय नोखां दन वांण
जनम मरण ना जोगडा, भेद बतावे भांण

हे भगवान सुरज नारायण आप नीत्य उदय पामी ने फरी सांजे अस्त पामो छो,वळी बिजे दिवसे नोखी तीथी नोखो वार ने नोखी वर्ष तारीख ना नोखा दिवसे उदय पामो छो,दिवस बदलायेल होय छे पण आप एना ए होव छो, जांणे आप एम केहता हो के मनुस्य जन्मे छे पछी मरे छे अने फरी पाछो जन्मे छे,बाह्य देखाती काया बदलाती होय छे पण आतमो एनो ए होय छे,एम आत्माने निर्भय रेहवानुं सिखवता हे आत्मा ने देव नारायण मारां आपने नित्य वंदन छे.

[5:44 AM, 2/11/2020] Jogidan Gadhvi:

आदित आघा आडजे, सुरा वाळा ने सुर
दैवत जेथी दूर, जातुय भाळ्युं जोगडा

हे भगवान सुरज नारायण जे लोको ने सोनल ना चिंधेल मार्ग नथी गम्या अने मात्र मदिरा गम्यो छे एवा दैवत्व हिंणा लोको ने अमथी आघा राखज्यो नाथ, आप ने मारां नित्य वंदन छे.

विदेशी आक्रमण मात्र लोको पर नई,धर्मग्रंथो पर पण थयां छे जेमां एवा शब्दो उमेरी जगदंबाओ ने के देवोने पण मधपान करता बताव्या जेथी तेमने मानवावाळो समाज आगळ जतां ए रस्ते वळे ने पोतानुं दैवत्व गुमावी नाश पामे,अने जे लोको ई सुधारा करायेल ग्रंथो नी आड लई मधुपान नो पक्ष लेता जोवा मां आवे एने जोई समजी लेवुं के आ सेतानी सडयंत्र ना सिकार थीया छे, एमना पर क्रोध नई पण दया आवे छे...ए दयाथीज सोनल आवी ने साचो राह चिंध्यो ..जे जोई सक्या ई सोनल ने मार्गे हालशे,पण जेनी आंख घुवड नी हशे ई सुरज समी सोनल ने नई जोई सके...हे नाथ सौ ने सदबुदधी आपजे मारां आपने नित्य वंदन छे.

[5:07 AM, 2/12/2020] Jogidan Gadhvi:

रंग भलायुं रांणने, जेने, नइ बदल्या नुं नेम
जे उदियाचळ जोगडा, असथा चळ मे ऐम

हे भगवान सुरज नारयण उदय थवो ई मांगल्य टांणुं छे, अने अस्त थवो ए दुख नो समय कही सकाय पण आपतो बंन्ने टांणे राता कुमकुम जेवा सुकनीयाळ शुभः रंगे रंगायेल होव छो
अने आखुं आभ पण सुहाग ना सिंदुर जेवुं बेय टांणे लाल चटक होय छे, कदाच आप सुख अने दुख बंन्ने टांणे समता राखी निस्फळता ने पण एक प्रसंगमात्र गणवानी प्रेरणा आपी रह्या हो तेवुं भासे छे, ऐम जिवननी अवनवी प्रेरणा देनार प्रेरणास्त्रोत परमेश्वर मारां आपने नित्य वंदन छे.

[9:43 AM, 2/13/2020] Jogidan Gadhvi:

आप थकी आ आभलुं, भरचक लागे भांण
ज्यां लख तारे जोगडा, रात खालीपो रांण

हे भगवान सुरज नारायण आपना उदय थी आ आखुं आभ भरचक लागे छे, बाकी रात्रे लाखो करोडो तारा होवा छतां एक अजीब सन्नाटा भर्यो खालीपो साल्या करतो होय छे, आम एके हजारा एवा आपने मारां नित्य वंदन छे.

[8:30 AM, 2/14/2020] Jogidan Gadhvi:

डारोय सुरज ना दिये, बस, प्रेम पसारे पांख
तोय
आप सामु को आंख, जाय न मांडी जोगडा

हे भगवान सुरज नारायण आप कोई ने डारो पण नथी देता के खोटो क्रोध वगेरे नथी दर्सावता मात्र जगत ने प्रेम पुर्वक जिवन प्रदान करो छो पण तेम छतां आपनुं तेज एवुं छे के कोई आप सामुं बे घडी आंख न मांडी सके, एम अनंत तेज स्वामी एवा हे नारायण मारां आपने नित्य वंदन छे.

[8:24 AM, 2/15/2020] Jogidan Gadhvi:

आदित अजवाळा तणों, दाता तुं दरसाय
पांणी नी पडछाय, जाय न ठाली जोगडा

हे भगवान सुरज नारायण आपतो अनंत अजवाळा ना दातार छोज, अरे आपनो पडछायो जो पांणी पर पडे तो ईय चांदरडुं थई घरमां जळहळाट करतुं मोभारे प्रतिबंध पाडी अजवाळुं देवा कोसीस करे छे, आम जेना पडछाय पण कंईक आपी छुटवानी खेवना धरावता होय तेवा तेज ना दाता नारायण ने मारां नित्य वंदन छे.

[10:02 AM, 2/16/2020] Jogidan Gadhvi:

ध्रुव अनिल अरु सोम धर, प्रत्युष अनल प्रभास
जपत विष्णु सुर जोगडा, आठ वसू कर आस

हे भगवान सुरज नारायण ध्रुव, अनिल,अनल,सोम,धर,प्रत्युस,प्रभास अने विष्णु पोते पण वसु नाम एम आठेय वसु आज आठमे जांणे आपने अष्ठांग वंदन करे छे..जोके भाग्वत मां वसुओना नाम थोडां अलग पडे छे पण ई संसोधनीय छे,भाग्वद मां अर्क,अग्नी,दोष,वास्तु,विभावसु,ध्रुव,प्रांण,द्रोंण..एम कहे छे पण महाभारत मां गंगाये पुत्र रत्न रुपे जन्म आपी गंगामां तरता मुकी जे वसुओ ने श्राप मुक्त कर्या ए उपरोक्त दोहा प्रमांणे छे,एम हे नारायण ई वसुओ नी जेम मारां पण आपने नित्य वंदन छे.

[8:27 AM, 2/17/2020] Jogidan Gadhvi:

अम काजे तुं आवतो, वण बोलाये व्योम
रांण इ रोमे रोम, जीव लगी ऋण जोगडा

हे भगवान सुरज नारायण माग्या वगर मां पण न पिरहे एवी केहवत छे,पण तुं तो बाप छे,अने रोज वगर माग्ये,वगर बोलाव्ये पोतानी फरज गणीं ने आभ मां आवी अजवाळा वाटे प्रकाससंस्लेण द्वारा वनस्पति अने ई वनस्पति द्वारा बिजा जिवो ने जमण पिरही जिवन आपे छे,माग्या वगर मां कदाच न पिरहे पण तमे वण माग्ये पिरहो छो एथी आपनी कृपाथी बंधायेल आ काया नुं रोमेरोम तो आपनुं ऋणीज छे अने ई काया द्वारा जिव पोतानो उद्धार करवा प्रयत्नसील छे एथी ए पण आपनो ऋणी छे,एम जिव सुद्धा जेनो ऋणी छे एवा नारायण ने मारां नित्य वंदन छे.
[8:05 AM, 2/18/2020] Jogidan Gadhvi:

बाप नभांगढ बेहणां, क्रोड जुगोनी क्रित
जोर निभावो जोगडा, रांण तमुं कुळ रीत

हे भगवान सुरज नारायण सत्ता अने मत्ता नो तो आप ने पार नथी सर्व व्यापी तेजस्वीता सह उंचे आभ जेवा उंचा गढ मां आपना बेहणा छे,करोडो युगो नी किर्ति छे,तोय नित्य पुर्व थी निकळवुं ने पस्चिम तरफ जवुं ए चिलो कोय दी चुक्या नई..आप ने कोय रोकनार नथी गमेते दिशाथी उदय थई गमेते दिशाये अस्त थाव के ईच्छा पडे तो उदय न थाव तोय केनार कोंण?
पण आपे क्यारेय पोतानी रीत बदली नथी एवा सत्ता अने संपदा ने पचावी जांणनार समदर पेटा नारायण आप ने मारां नित्य वंदन छे.

[6:40 AM, 2/19/2020] Jogidan Gadhvi:

करुंणा सागर कश्यपा, कदी, भांण न राखे भेद
जळळ प्रकासे जोगडा, भले, खुब भर्यो घट खेद

हे करुंणा ना सागर भगवान सुरज नारायण, आपे पोताना हैये क्यारेय पारका के पोताना नो भेद नथी नथी राख्यो, पोतानो दिकरो कर्ण ने आगले दी चेतवी गयेल. तोय बिजेदी युद्ध मां दिकरो कर्ण दगाथी मरातो आप जोई रहेल पण तेम छतां आप पोतानी नीती न चुक्या नीचे न आवी सुर्य धर्म ने साचव्यो अने अत्यंत खेद होवा छतां ई दिकरा ना मारतलो ने पण ऐटलुंज अजवाळुं आप्युं जेटलुं अन्य ने आप आपो छो,कोई भेद न कर्यो एवा हे करुंणा सागर समद्रस्टा नारायण मारां आपने नित्य वंदन छे.

[7:40 AM, 2/20/2020] Jogidan Gadhvi:

पुरण नित्य प्रकाशवुं, अडके नहीं अमास
जाकुं कबुं न जोगडा, आदित पर नी आस

हे भगवान सुरज नारायण आ चंद्र पोते पोतानो प्रकास नथी धरावतो एथी क्यारेक पुनम नो खिलखिलाट होय तो अमांस नो काळो धब थयो होय कारण के ई पारकी आसाये जिवे छे,पण आप पोते पोताना अजवाळे ओपी रह्या छो,एथी आप सदैव पुर्ण प्रकासीत होव छो,एम आप ए कहो छो के पारकी आशाये पीळा धमरक फरवुं होय तो अमांस नी चिंता रहे एना करतां स्वावलंबी बनी स्वयंप्रकासे जिवन जिवे एने अमावस्या रुपी अंधकार नडतो नथी एम हे नाथ पोतानो दिवो पोतामां प्रकटावी पोताने तेजथी जिववानुं सिखवनार नारायण ने मारां नित्य वंदन छे.
[7:55 AM, 2/21/2020] Jogidan Gadhvi:

बमबम भोले बोलतो, निकळे आभे नाथ
हर हर कइने हाथ, जोडे चारण जोगडा

हे भगवान सुरज नारायण आजे आप पण आपना फुवा (सती अने कस्यप काका बापा ना भाईबेन) श्री भगवान शिवजी नो तेहवार शिवरात्रि होई बम बम भोले ना नाद साथे जांणे आभ मां उदय पाम्या एथी अमो पण आप ने हर हर करी ने वंदना करीये छीये. आपने मारां नित्य वंदन छे.

[9:02 AM, 2/22/2020] Jogidan Gadhvi:

लीन अदीती लाल तुं, भांग प्रसादे भांण
रंगय भगवो रांण, जमव्यो प्रोढे जोगडा

हे भगवान सुरज नारायण रात्रे भगवान शिव नो उत्सव उजववा मां आपे त्रांबु गसेल भांग नी पीधी हशे जेमां लीन थई सवारे उदय थया त्यारे आभ ने पण भगवा रंगे रंगी नाखेल एवा शिव(कल्याण) कर्ता शिव(महादेव) स्वरुप आपने मारां नित्य वंदन छे.

[8:08 AM, 2/23/2020] Jogidan Gadhvi:

आलम उंघ उडाडतो, रांण तुं अल्ला राम
नोखे नोखे नाम, जपता सौ ध्रम जोगडा

हे भगवान सुरज नारायण जागवा माटे जे लोको आलाराम मुके छे,मने आलाराम नुं नाम अल्ला अने राम नुं संयुक्त नाम लागे छे,हे नाथ आप पण उदय पामी आखा जगत नी उंघ उडाडो छो,एम आप पण अल्ला राम छो,नोखा नोखा धर्म ना लोको आपने नोखा नामे भले पोकारे,कोई सन कहे आदीत कहे के आफताब कहे पण जागी ने नोखे नामे जाप तो सौ आपनाज जपे छे,एवा हे अनेकनामी नारायण (हरी तारा नाम छे हजार) आप ने मारां नित्य वंदन छे.

[10:11 AM, 2/24/2020] Jogidan Gadhvi:

उठतां मोढे आवतुं, नित, नारायण नुं नाम
धणीं हिया ने धाम, जांण बिराजे जोगडा

हे भगवान सुरज नारायण हुं जागुं त्यारे आंख खुले ई पेहला वगर संभार्ये आपोआप आपनुं नाम मोढे आवे छे अने नारायण नाम लेतो अवाज निकळे ने पछी आंख खुले छे हे नाथ एज अणहार थी खात्री थई जाय छे के आपे हैया ना धाम मां बेहणां कर्या छे, हे नाथ तमे अम हैये सदैव बिराजमान रेहज्यो जेथी अंघकार भर्या विचार नुं ओहांण पण न आवी सके..मारां आपने नित्य वंदन छे.

[8:29 AM, 2/25/2020] Jogidan Gadhvi:

वालो कइ वखांणीये, उरमां धरी उमंग
पोरह भेर पतंग, जग्ग जुहारे जोगडा

व्योम बधे विचरी रियो, वण पांखे तुं वीर
सूरज अमणुं शीर, ई, जोई उंचेरु जोगडा

हे भगवान सुरज नारायण पोतानुं कोई उचाई पर होय तो पोरह थाय ई मानव सहज स्वभाव छे, आप अमारा पोताना छो, वळी वगर पांखे व्योम मां विचरी रह्या छो ई जोईने अमारुं मस्तक उंचु थई जाय छे,हे नारायण तमने अमे अमारा व्हाला कही ने वखांणीयें एटलुं ओछुं छे,आपने मारां नित्य वंदन छे.

[7:58 AM, 2/26/2020] Jogidan Gadhvi:

आवा गमणुं आतमे, रखे गमे नइ रांण
जीवन नाटक जोगडा, भजवे केवुं भांण

हे भगवान सुरज नारायण आ आत्मा ने आवा गमन ना खेल मांथी मुक्त थावुं होय छे,अने आत्मा नो कारक एवम् आत्मानो देव कहेवाय छे तेवा आप नित्य आवन जावन करो छो,अने उजळुं जीवी आखुं जग अजवाळो छो,हे नाथ जिवन ना नाटक ने उजळी अने भव्य रीते भजववा जांणे आप सुचन करी रह्या छो, के रखे (कदाच) आपने गमे के न गमे पण जो जीवन नाटक मां आव्याज छो तो उजळुं भजवी लेवुं..एम उजळा जीवन नो पथ चिंधवा नित्य पधारता नारायण ने मारां नित्य वंदन छे.

[10:40 AM, 2/27/2020] Jogidan Gadhvi:

बाळ्यो नई तें बानरो, मन रुजु महरांण
जननी केरुं जोगडा, रुंण उतारे रांण

हे भगवान सुरज नारायण आपने गळवा आवता ए बाळ हनुमान ने आप बाळी सकवा समर्थ नोहता एवुं नोहतुं..पण आपे पोते पण एक वखत अदिति माता नी प्रार्थना सांभळी अंशावतार तरीके जन्म धरी मां ने श्राप मुक्त करेल अने हनुमान पण आजे पोतानी माता ने श्राप मुक्त करवा आपना तरफ आवी रहेल एथी आपने एनुं अदम्य साहस जोई मातृ ऋण नी यादी थई..अने जे बाळक मां ने श्राप मुक्त कराववा जेहमत उठावे एनी आप सदैव सहाय करता होव छे एथी आपे त्यां पोताने सीतळ करी हनु ने मातृ ऋण उतारवा मदद करी एवा हे मां ना महत्व ने समजी सकनार ~~नारायण आपने मां ना पक्षपाती एवा चारणो वती हुं आपने नमन करुं छुं आपने मारां नित्य वंदन छे.~~
[6:34 AM, 2/28/2020] Jogidan Gadhvi:

तणणण करती तोलडे, सूरज रणकी छेड़
कस्यप नंदे केड़, जावा पकडी जोगडा

हे भगवान सुरज नारायण अहीं मोटा तोलडा मां भगवती रनांदेये भेंस्युं दोवानुं सरु कर्युं जेनी छेड्य तोलडाना तळीये भटकाई ने तणणण तणणण नो अवाज करवा मांडी कागा निंदर मां ए अवाज सांभळी नारायण जाग्या अने जगत ने अजवाळवा नो केडो पकडवा विचारी जांणे उदय पामवा आभे आव्या एम नित्य परोढे जागी जे जगत कल्यांण हेतु जे उदय पामे छे तेवा नारायण ने मारां नित्य वंदन छे.

[5:56 AM, 2/29/2020] Jogidan Gadhvi:

प्रवर्तक प्रकाश नो, रक्षक सत नो रांण
अंधारा नी आंण, जे पर कबु ना जोगडा

हे भगवान सुरज नारायण जेनुं कर्म मात्र अजवाळुंज करवानुं छे,जे क्यारेय कोयनुं अंधारु एटले के बुरुं विचारतो के करतो नथी अने सत्य नो रक्षक छे,एणे पोता माटे कंई करवानुं रेहतुं नथी एतो आपोआप उजळो रहे छे,अंधकार नी आंण एने अडकी पण नथी सकती,एवो जिवन संदेश पोताना जीवन थी जगत ने देनार नारायण ने मारां नित्य वंदन छे.

[5:18 AM, 3/1/2020] Jogidan Gadhvi:

भान अभाने मात भज, बाप बिचारी बोल
जग्ग द्रसावण जोगडा, मात पिता अणमोल

भान बेभान मां मात तुजने रट्या विसारी बाप नुं नाम दीधुं.भगत बापुये सुंदर मातृ प्रेम नी काव्य करी.पछी भभके गणभुत भयंकर भुतळ कही बाप ने पण मनाव्यो छे ...कारण के मां तो भांन के अभान गमेते अवस्था मां भजायज..पण बाप महादेव ने पण केम भुलवो? पण ई जेटलो भोळो एटलोज रुद्र छे..माटे एने गमेत्यां अने गमेते रीते नई...पण विचारी ने एनो अहम न घवाय एम भजवो..माटे बिजुं चरण बाप विचारी बोल..कारण के मां अने बाप बंन्ने ने भजो तो बाळक तरीके तमे पुर्ण परिवार ने एक सांकळे जोड्यो गणाय...कारण बेय अणमोल छे...माटे साव पक्षपाती बनी नोखापणुं न दाखवी जगदंबा अने भोळानाथ बेय ने मारां वंदन छे.

[8:38 AM, 3/2/2020] Jogidan Gadhvi:

अजड घणांये आथडे, हजी न जोडे हाथ
नहोत जो तुं नाथ, जिवेय नाहत जोगडा

हे भगवान सुरज नारायण घणांये अजड आथडे छे आ धरती पर जे आपने हाथ नथी जोडी सकता पोताना तर्क दोडावे छे के सुर्य एक तारो छे एवुं मानता फरे छे, पण हे नाथ जो आप न होत तो आ जिव सृस्टी पर एकेय जीव नुं अस्तित्वज न होत. मारां आपने नित्य वंदन छे.

[5:44 AM, 3/3/2020] Jogidan Gadhvi:

व्यापी धरसुं व्योमलग, आलम जेनी आंण
राघव भजतो रांण, जीतण लंका जोगडा

हे भगवान सुरज नारायण आखी आलम मां जेनी धरती थी आभलगी आंण प्रवर्तेल हती जे आन ने माटे ई राम पोताना ईष्ट भगवान शिव साथे पण युद्ध मां उतरेल हता..ई राम पण ज्यारे लंका वीजय नी आशा लई समुद्र किनारे बेठेल त्यारे समुद्र ने पी जवानी क्षमता धरावनार सिद्ध एवा अगस्तमुनीये सुर्य नारायण नी उपासना मां आदीत्य ह्रिदय स्तोत्र थी आपने सुर्य पुजा करावी कह्युं के जीतवुं होय तो नारायण ने पुजो अने भजो..एम हे सुरज नारायण जेणे जेणे कंईपण जीतवुं छे..चाहे ए बाह्य होय के आंतरीक के पछी स्वयंपर नो विजय जोतो होय तेणे आपने भजवा आवस्यक छे,सर्वप्रकारे विजयीभव ना आशिस वरहावनार नारायण आपने मारां नित्य वंदन छे.
[7:33 AM, 3/4/2020] Jogidan Gadhvi:

कुळ उजाळे करमीयां, जीं, पंखळ एक पवंग
जग्ग उजाळे जोगडा, एने, रोज कवि दीय रंग

हे भगवान सुरज नारायण जे करमी क्षात्र एक अश्व पर सवार थई पोतानुं कुळ उजळु करवा माटे जुद्धे चडी दुस्मन ने खदेडे छे एनी काव्य एना कवियो करी ने एने बिरदावता होय छे,तो हे नारायण तुंतो रोज सात सात घोडा माथे सवार थई निकळे छे,रोज अंधारा नी फौज ने आघी भगाडी मात्र पोतानु कुळ नई पण आखु जगत उजळुं करे छे,तो तारो कवि एवो हुं तने रोज केम रंग न दउं..
हे नारायण मारां आपने नित्य वंदन छे.

[5:37 AM, 3/5/2020] Jogidan Gadhvi:

सूर सुरंगो सूर तुं, अरु, सूर दियंता सूर
जग्ग उबारण जोगडा, सूर भयो तुं सूर

हे भगवान सुरज नारायण आप सौर्य नुं प्रतिक छो अप सुरंगा एटले के सुंदर रंगोना प्रदाता छो,श्वेत देखातुं आपनुं किरण पांणी के पीझम नी पार नीकळे तो सात रंगी मेघधनुषी रंगो जेवुं बने छे जो आपमांथी आवतुं किरण सतरंगी होय तो आपमां तो अनेक रंगो समाविष्ट हशे ए सहज छे, हे नाथ आप सूर एटले संगीत ना सुर अने सूर एटले छंदो ना दाता छो,वणी हे नाथ जगत ने उद्धारवा एक तो आपे सूर एटले वराह स्वरुपे पृथ्वी बचावी एतो जुनी वात थई पण आखी पृथ्वी अने जीव सृष्टि ने युगोथी पोषता रह्या छो जे क्रम हजी अविरत छे,एथी तो आ बधा जिवो विध्यमान छे,जेना आधारे जिवन छे एवा हे नारायण मारां आपने नित्य वंदन छे.

[8:25 AM, 3/6/2020] Jogidan Gadhvi:

आ धरणीं तव अंग हे, करीयल तासुं काय
एथी
सूरज रांण समाय, जो हर देहे जोगडा

हे भगवान सुरज नारायण आ धरती आपमांथी छुटी पडी एटले ई धरती नुं कणेकण आपनुं अंग छे,अने ईज माटी नी आ अमारी काया बंधाणी छे एथी आ काया नुं रुंवाडे रुंवाडु पण आपथीज छे..देखाय ए प्रकृती पण आपना अंग धरती ने कारणे होई एमां पण आप छो,अने वेद कहे छे के आप आत्मा ना कारक छो,एथी काया ना कणेंकण तो आपथी छे ई सिधुं देखाय छे,आत्माना कारक पण आपज छो तो हवे अमे तो क्यांय आपथी भिन्न रहयाज नई..जे छो ई बधुं आपज छो..कणेकण मां रहेल एवा हे विराट मां व्यापेल नारायण आपने मारां नित्य वंदन छे.

[5:34 AM, 3/7/2020] Jogidan Gadhvi:

नमह औम नारायणा, मंत्र यही घण मूल
जाज मुक्तिपथ जोगडा, भांण भजौ मतभूल

हे भगवान सुरज नारायण औम नमौ नारायण ऐ एक मंत्र ज मुक्ति ना पंथ पर लई जनार जहाज जेवो छे, जेमां मात्र नारायण शब्द ने एकज वखत बोल्येथी अजामील पण उद्धार पामेल, जे जे मुक्ति चाहे छे ए नित्य प्रोढे नारायण जपे..कारण जावानुं सौने छे..केदी ए नक्की नथी माटे नित्य नारायण ने भजी लेवा..समरी सको तो स्वासो स्वास समरवा पण ए सक्य न होय तो परोढे एकवार तो जरुर नारायण भजो ऐज मुक्ति नो दाता छे,एवा हे जेना नाम मात्र थी मुक्ति मळे छे ए नारायण ने मारां नित्य वंदन छे.

[6:57 AM, 3/8/2020] Jogidan Gadhvi:

अर्क हंस आदित्य के, भास्कर कह की भांण
जे कइ भजशो जोगडा, रुडुं दिये फळ रांण

हे भगवान सुरज नारायण अर्क कहो आदित्य कहो हंस कहो, भास्कर कहो के भांण कहो के रांण कहो, कोई पण नाम दई ने एनी वंदना करो ई रुडुंज फळ आपशे. एवा हे नारायण मारां आपने नित्य वंदन छे.

[8:24 AM, 3/9/2020] Jogidan Gadhvi:

अनंत कोटी आपने, मारां, वंदन सूरज वीर
जीव जगत दिय जोगडा, समजण और शरीर

हे भगवान सुरज नारायण आपने अनंत कोटी वंदन छे मारां कारण के आपे अमने आ जीव दिधो (आत्मा ना कारक आप छो) आ जगत दिधुं (पृथ्वी आपनो अंश छे अने प्रकृती आपने आधीन) वळी ए समजी सकाय एवी समजण दीधी अने आपने वंदना करी सकतुं आ शरीर दिधुं हे नाथ हवे आमां मारुं कंई रेहतुंज नथी जे कंई छे ए तारुं छे,अने आखरे हुं पण तारो..एथी हुं अने तुं एम भेद पण सुक्ष्म रीते जोतां सुन्य थाय एम अभेद अने बे नही एक एवा अद्वैत नारायण आपने मारां नित्य वंदन छे.

[5:36 AM, 3/10/2020] Jogidan Gadhvi:

चोडे रांदल चांदलो, एने, रंगवा आवल रांण
जोइ अरीहे जोगडा, भरीय मेल्या भांण

लथबथ कंकु लोळथी, पडिया खेत पतंग
जग्ग हसे नइ जोगडा, रांण झिके सत रंग

हे भगवान सुरज नारायण क्षितिज पर आपने लाल रंग मां लथबथ जोई एमने लाग्युं के नक्की जगदंबा रांदल चांदलो चोडवा आखो कंकु नो डाबरो लई ने बेठां हशे अने आप मुठीयुं मा रंग भरी एमने हळवे पगे एमने छांटवा जता हशो अने रनांदेये अरीसा मा तमने जोईने सडाफ उभां थई तमे रंग नाखो ए पेहला आखो कंकुनो डाबरो तमारा पर उंधो वाळ्यो हशे..रंगे रमाडवा जनार आप पोते कंकु थी भराई ग्या अने ई रंगवा नी व्हालप भरी धकामुकी मां रनादेये पोताना बचाव माटे आपने आघा ठेल्या अने जगदंबा नो धको थोडो वधु लागी ग्यो होय ने ई लाल कंकु भर्या आप क्षितिज पर आवी ने लथबथ लाल रंगे धरती पर पड्या होय एवुं लागे.. वळी कोई नुं ध्यान न जाय अने हसे नई एटले आप एक एक किरण मां सामटा सात सात रंगो भरी ने जगत सामे उडाडी रंगोत्सव खेली रह्या छो, एवा हे रंग भर्या रंग रेलावण रांण आपने मारां नित्य वंदन छे.

[8:33 AM, 3/11/2020] Jogidan Gadhvi:

रमतुं बाळ रतुंबडुं, यौवन सूरज आग
जाती उमरे जोगडा, इ, रंगत छेडे राग

हे भगवान सुरज नारायण आप उदय पामो त्यारे ई आपनी बाल्यावस्था होय छे जेमां रतुंबडा रंगे आप रुडा दीपी ने रमता होव छो..अने जेम जेम उपर जता जाव छो तेम तेम टोचे पहोंचवा माटे नी आग वधती जाय छे,अने आप सिखरे पुर्ण आग सह पोहची पण जाव छो..अने जेम जेम फरी उमर ढळती जाय छे तेम तेम ताप ओछो करता जई ने छेल्ले आथमवा टांणे फरी बाळक जेवा सौम्य अने लालास भर्या बनी मनुस्यो ने सिख आपो छो के बाळपण मां सुंदर रमो..यौवन मां आभने मुठी मां करवानी आग राखो वळी जेम जेम अवस्था आवती जाय तेम पाछा सौम्यता ने स्विकारता जाव..जे एम करे छे एज उत्तम जिवन जिवे छे..जेना फरी जन्म (उदय)नी लोको राह जुवे छे..जे वृद्धावस्था मा गरम स्वभाव करता जाय छे एना आथमवा नी सौ राह जोता होय छे..माटे जिवन नी साची पद्धति कई छे ऐ आप सिखवो छो..एवा हे जिवन दाता अने जिवननी खरी फिलसपफी ना सिखवनार नारायण मारां आपने नित्य वंदन छे.

[8:26 AM, 3/12/2020] Jogidan Gadhvi:

गीत नहीं सिद गाविये, भड़ रनां भरथार
जग आखा नो जोगडा, हरिवर पालण हार

हे भगवान सुरज नारायण रनांदे ना भरथार अमे तमारा गीत तेम न गावीये. हे नाथ एक केहवत छे के लाखो मरज्यो पण लाखो नो पालण हार न मरज्यो. अर्थात पालणहार पर केटली प्रिति छे ए आ एक केहवतज समजावी दिये छे,अने आप तो मात्र लाखो ना नही पण जगत आखा ना समस्त जिव , झाड पान सर्व ना पोषक अने पालण हार छो,आपने केम न गायें? हे नाथ मारां आपने नित्य वंदन छे.

[8:24 AM, 3/13/2020] Jogidan Gadhvi:

पति सुरज ना पामीयो, तरिया चरितर ताग
जिवतर एनुं जोगडा, आखुं भडके आग

हे भगवान सुरज नारायण आप पति होवा छतां रनांदेये आपने छेतर्या अने ई त्रिया चरीत्र ने आप ओळखी न सक्या पोताने ठेकांणे छाया मुकी ने ई हाली निकळी जेदी ए भेद खुल्यो ने आपे त्याग कर्यो..भले पछी अश्व बनी गोतवा आव्या ए प्रसंगो रह्या पण पत्नि पतिने दगो करे ई पति नुं जिवन आखुं भडके बळतुं होय छे,अने ए आप ना अंगे अंग नी आग थी जोई सकाय छे,हे नाथ जे तिरिया पर आपे हद थी अधीक नेह वरहाव्यो एनुं आ परिणाम छे एम कदाच आप सिखवी रह्या छो संसार ने के अति नी गती नई..चाणक्य नीती तो हजी हमणां नी छे पण ए पेहला आप आ तिरिया चरिचर थी सावध रेहवानुं सिक्षण दई रहेल छो एवा नारायण ने मारां नित्य वंदन छे.

[6:39 AM, 3/14/2020] Jogidan Gadhvi:

धरण चंद सूरज धरम, तुं पसरावत तेज
आदित खाली ऐज, जोई जुहारुं जोगडा

हे भगवान सुरज नारायण आप धरती थी हजार गणा विशाळ छो,ई आपनो आखो सुर्य लोक तो आपना तेज थी प्रकाशीत तो छेज..उरांत आ धरती,आ चंद्र वगेरे अमे जोई सकीये तेवा लोक आप ऩा तेज थी उजळा छे,वळी सौर मंडळ ना पृथ्वी करतां आपनी नजीक ना अने पृथ्वी पछी ना ग्रहो पर पण आपनुं तेज तो जतुंज हशे..त्यांना द्रस्यमान वासिंदा तो विज्ञान नथी सोधी सक्युं कदाच विदेहा वासिंदा विध्यमान होय तो गोय पण खरा पण खैर ए ग्रहो पण पर आपनुं तेज छवातुं रहेतुं हशे.अने अमारा धर्म मां पण आप नुं तेज प्रसरी रहेल छे..एम मने देखाता सुर्य धरती चंद्रलोक अने सत रक्षक धर्म मां आपनुं तेज छे एतो दार्सनिक छे जेने हुं जुहारुं छुं अनेक लोक ने अजवाळनार आपने मारा नित्य वंदन छे.

[5:14 AM, 3/15/2020] Jogidan Gadhvi:

वेदी कर वसुधा तणीं, किरण हवन करनार
जय सूरज्ज कह जोगडा, वंदन हो लख वार

हे भगवान सुरज नारायण आप पृथ्वी रुपी वेदी पर नित्य प्रभाते किरणो नी ज्वाळो प्रगटावी जांणे हवन आदरो छो...आम तो चोवीसे कलाक आप नो ए हवन चालुज होय छे कारण के आप अस्त तो थताज नथी...पृथ्वी पडखां फरे छे एथी हे सतत तपस्या करनार नारायण मारां आपने लाखो वार नित्य वंदन छे.

यज्ञ नही पण हवन शब्द मने सार्थक लाग्यो कारण मातृ उपासना

[7:37 AM, 3/16/2020] Jogidan Gadhvi:

सुचन कर्ये थी सुधरशे, ई, चडिया रखे न चाह
जोवे सधळुं जोगडा, पण, सूरज न दे सलाह

हे भगवान सुरज नारायण कोई पण मांणह सुचन कर्या थी सुधरतुंज नथी होतुं ते आप सदीयो थी जांणो छो, एथी तो आप सुचन नी चाह नथी राखता जुवो तोय कोय ने सलाह नथी आपता, मात्र पोतानुं जीवन सलाह समुं बनावी जीवी रह्या छो, एवा हे नारायण आपने मारां नित्य वंदन छे.

[8:39 AM, 3/17/2020] Jogidan Gadhvi:

आदित देयुं आगनी, एनी, लगे न धर ने लाय
जणीं शिरे हथ जोगडा, रूप विधूतां राय

ऋग्वेद ना चोथा मंडळ ना अडताळीस मा सुक्त मां प्रतिभानुं ऋषी आपने अग्नी देव ना कारक तथा विधूत एटले विजळी ना कारक कही वंदे छे मने एम लागे छे के आप विजळी ना रुपे चोमासामां धरती पर एटले आपता हशो कारण के आपना देह नी आग सिधी तो धरती सही न सके ने जिव सृस्टी नो नास थई जाय एवुं न बने एथी चोमेर वादळां होय ने जळ नी धाराथी धरती तरबतर होय एवे टांणे विजळी नुं रुप धरी अड्या न अड्या करी दकरी ने माथे हाथ मुकी पाछा पधारो छो एवा हे वात्सल्य ना सागर समा नारायण मारां आपने नित्य वंदन छे.

[10:19 AM, 3/18/2020] Jogidan Gadhvi:

आप करोज्यां आभथी, हळवे उंचो हाथ
तोय
नवखंड धरणीं नाथ, जळहळ थाये जोगडा

हे भगवान सुरज नारायण आप हजी उदय पाम्या न हो अने हजी मांड आपनो हाथ हळवेक थी उंचो करो त्यांतो नवेखंड धरणी जळहळी उठे छे एवा तेजस्वीता ना आधीपति नारायण आपने मारां नित्य वंदन छे.

[7:16 AM, 3/19/2020] Jogidan Gadhvi:

एम नरायण एकलो, आ, बळतो उभो न बाप
ज्योंज्यों सिमरो जोगडा, प्रजळे त्योंत्यों पाप

हे भगवान सुरज नारायण आभ मां उभा रही ने जगत ने अजवाळवा माटे एक बाप नी फरजे आप मात्र पोतानी काया नथी बाळता, पण जेम जेम आप नुं कोई समरण करे तेम तेम एना पाप ने पण आप बाळो छो, ऐवा हे पाप प्रजाळण नारायण आप ने मारां नित्य वंदन छे.

[20/03, 6:42 AM] Jogidan Gadhvi:

ईण फरती फरती ईळा, कां न भजे किरतार
जगत दुजो नई जोगडा, सूर मंडळ संसार

हे भगवान सुरज नारायण आ धरती अने अन्य ग्रहो आपना फरता (चारे दीसा मां) फरता (चक्कर लगावता) होय छे, आप स्थिर तेजपुंज शिवलिंग समा एक स्थळे स्थिर छो अने बधा ग्रहो सह पृथ्वी पण प्रदक्षिणा करे छे, हे नाथ आप जेवा किरतार ने केम न भजीयें?
आ सौर मंडळ सिवाय बिजुं जगत छे एवुं तो हजी विज्ञान गोती नथी सक्युं..अतल, वितल, सुतल, तलातल(नितल), महातल, पाताल, रसातल(गभस्तिमान), भूर्लोक, भूवर्लोक, स्वर्गलोक, महर्लोक, जनलोक(म्रतलोक), तपोलोक, सत्यलोक,एम चौदेय भुवन छे, ब्रहमांड तो एकज छे..अने जो बीजुं जगत हशे तो पण ए सुर्य विहिन तो सक्य नथीज..भले एनो बिजो सुर्य होय पण आखरे सक्य तो सुर्य थकीज छे,एवा हे अनेक स्वरुपा जगत नियंता नारायण आपने मारां नित्य वंदन छे.

[21/03, 8:14 AM] Jogidan Gadhvi:

पाप हेमाळा पार नु, देव अयुं तव देश
जाळो ऐने जोगडा, कश्यप झाली केश

हे भगवान सुरज नारायण हिमालय नी पार आवेल देश नुं पाप उभरांणुं अने तेने कारणे जे काळ ना दुत जेवो किटको तेमना पाप ना फळ रुपे पाक्या ई सजा एमने माटे तो कर्म नुं फळ हती पण हे नाथ ई पाप फळ ना सडा नी दुर्गंध हवे तारा देश मां फेलावा मांडी छे,माटे हे नाथ अत्यार सुधी जे अमे आपने धीरा तपो ना गीतो संभळावता हता एज आप ना बाळ अमो कहीये छीये के एवा तपो के आ काळ ना कीटक तमारी किरण्युं नो कोळीयो थई जाय..एनो बोथालो पकडी ने उभां बाळो बाप..आप विना आनो कोई उपचार नथी..एवा हे काळ ना पण काळ नारायण आपने मारां नित्य वंदन छे.
[22/03, 7:59 AM] Jogidan Gadhvi:

सुक्का हारे सूरज जो, आ, लीलुं पकडे लाय
तो *जांण गणीं ते जोगडा, गद्धांय भेळी गाय*

हे भगवान सुरज जो सुका हारे लीलुं लपेटा मां आवशे..एटले के जे पापाचारी हता तेने दंड देवा जे आ काळ ना कीटक आव्या छे ई दोषी अने निर्दोषता नो भेद नथी समजी सकता एथी जो पापी हारे पुन्यशाळी पण पीलाशे तो तें गाय अने गदर्भ ने सरखा गणीं ने डफण्यां गणाशे..जोके महामारी मां सेवा करवाने ने बदले मास्क ना वास गणा भाव अने स्टरेलीयम ना चार पांच गणा भावो करी काळा बजार करनार दुराचारी तो आ देश मां पण छे एटले आखा देश वती तो प्रार्थना केम करी सकुं..पण गधां भेळी गायुं न डफणाय ई जरा जोज्यो नारायण मारां आपने नित्य वंदन छे.

[23/03, 8:56 AM] Jogidan Gadhvi:

मारे आ महमारीयु, तारी, धीडी माथे धाप
तोय, *बेठो सामे बाप, जोइ रहे कां जोगडा*

हे भगवान सुरज नारायण आ महामारी तारामांथी छुटी पडेल तारी दीकरी धरती पर धाप मारी रही छे अने तुं बाप थई ने सामे बेसी जोया करे छे.?

आदित भाळी एकदी, नैंण आंसु कुळनार
भीसम सर थी भार, जाय हजी ना जोगडा

हे सुरज नारायण एक वखत दुसासन ने आ रीते पोतानी कुळवधु पर धाप मारतां भिष्म पिताये जोयेल ए भार एमना माथेथी ए मर्या पछी पण हजी उतर्यो नथी, ऐतो ससरा पक्षे हता तुं तो सगो बाप छे.

सत्ता कजुं ना सांभळे, जे, पूत्री तणों पुकार
जनक समो तुं जोगडा, कांव बने किरतार

हे नारायण आपने याद हशे राजा जनक जेणे असंख्य विद्वानो ने जळसमाधी दई मारी नाखवानुं पाप ओरेल,जेमां अष्टावक्र ना बाप ने पण एणे मारेल,ई जनक सत्ता नी सुरक्षा माटे राम नी सभा मां बेठेल अने सामे उभी पुत्री नी काकलुदी सांभळतो रह्यो कांय बोल्यो नई अने छेवटे दीकरी सीताये बाप नी सामे धरती मां समावुं पड्युं एवा निस्ठुर जनक जेवो बाप तुं न था नारायण तारो पितृ धर्म संभाळी ने तारी दीकरी नी व्हार कर, उत्तम पिता ना उदाहरण रुप प्रस्थापित नारायण ने मारां नित्य वंदन छे.

[24/03, 9:52 AM] Jogidan Gadhvi:

तारी ते किरण्युं तणां, मिहिर न थाये मूल
करवुं पडे कबूल, तुं, जग जीवाडे जोगडा

हे भगवान सुरज नारायण तमारा तेजनी आ किरण्युं ना कोई मुल न थई सके. गमे एवो मांणह होय पण एणे कबुल करवुंज पडे के आपज जगत ने जीवाडी रह्या छो,हे जगत ना पालणहार मारां आपने नित्य वंदन छे.

[25/03, 8:15 AM] Jogidan Gadhvi:

आयल करे उपासना, अब, नवे ग्रहो नवरात
भांण दिवा नी भात, जो नभ पेट्यो जोगडा

हे जगदंबा नवे ग्रहो जांणे आजथी तारी नवरात्रि नी उपासना करी रह्या छे,जेमां दिवडा नी जेम जांणे सुरज नारायण नभ मां पेटाव्या ने ग्रहो बधा गोळ फरता फरी जगदंबा ना गरबा गाय छे,एवी व्रेहमंडे नवरात मंडाणी होय तेवुं द्रस्य जाम्युं छे,अने आई नी विराट उपासना ना दिवडा नी ज्योत एवा सुरज नारायण ने मारां नित्य वंदन छे.

[26/03, 9:20 AM] Jogidan Gadhvi:

आयल मळियुं आपसुं, आतम नी उळखांण
जपवे शंकर जोगडा, भजवे कायम भांण

हे जगदंबा अमने अमारा आतम नी ओळखांण आपे करावी छे आई. आपज अमने आप ना स्मरण नी साथो साथ स्वोसो स्वास महादेव हर कही ने शिव जपावो छो तथा आपज नित्य परोढे भगवान सुरज नारायण ने भजवा नित्य नवा दोहा रुपी शब्दो नी प्रेरक बनो छो,

सूर तुं लय तुं शब्द तुं, तुंही तान स्वर ताल
जिभां गती तुंह जोगडा, कंकण धरण कमाल

हे जगदंबा तुं सुर लय शब्द तान स्वर अने ताल बधुं तुंज छे अमारी जिभ पर कमाल नी गती करनार पण हे कंकण धारणी तुंज छे,
आप ने तथा आप जे ने भवा नित्य दोहा रुप शब्दो प्रदान करो छो एवा सुरज नारायण ने मारां नित्य वंदन छे.

[27/03, 8:51 AM] Jogidan Gadhvi:

कर क्रिपांणे कासपा, वेरी दळ ने वाढ
कोरोना ने काढ, जग्ग बचावा जोगडा

हे भगवान सुरज नारायण आप क्षात्रधर्म ना पालक छो,आपना सुर्य वंश मां अनेक योद्घाओ थया छे,तो ए सर्व ना बाप एवा आप ना सौर्य नी शुं वात करवी,हे नाथ आ प्रजा मां काळी कळेळाटी छे,माटे हवे आपे जे हाथ मां किरण्युं रुपी किरपांण धरी छे एनी धार तेज करी वायरस रुपे व्यापेल वेरी ना दळ ने वाढी ने प्रजा नुं रक्षण करी आपनो क्षात्रधर्म धर्म निभावो हे नाथ आपने मारां नित्य वंदन छे.

[28/03, 9:00 AM] Jogidan Gadhvi:

शेष धरी धर शीसपे, भांणज पोहे भांण
जुनी नवी ना जोगडा, जरा न थाती जांण

हे भगवान सुरज नारायण आप ना अंगमांथी छुटी पडेल धरा एटले ई आपनी पुत्री अने एनां पर पनपी रहेल जीव मात्र ए धरती नां छोरु एटले आपना भांणेजडां के जेनुं आप पोहण करो छो,तथा आप अने शेष बंन्ने कस्यप ना संतानो भले जुनां नवा ना छो,कद्रुना बधा नाग अने अदिती ना आप पण हे नाथ आपनी पुत्री धरती ने शेष नागे पोताना शिष पर धारण करी काका नी फरज नीभावी ने आप आघे रही तेनुं पोषण करी बाप नी फरज निभावो छो,जे कुळवान छे ए दीकरीयुं बाबते जुना नवा ना पण भेद राख्या विना पोतानी कुलानता ने जाळवेछे,अने आम शेष (शैव पंथ)अने आप नारायण(विष्णु एटले वैष्णव पंथ) बंन्ने नी एकता ना प्रतिक एवा हे उत्तम कुळ ना अधिष्ठेश्वर शेष भ्राता नारायण आपने मारां नित्य वंदन छे,

---

[29/03, 9:32 AM] Jogidan Gadhvi:

पंच तत्व परमेहरी, सरज्यां आप सुजांण
जीव जगत सब जोगडा, भ्रण पोषण कज भांण

हे जगदंबा आ पांचेय तत्व भुमी,आकास,वायु,अग्नी(तेज),जळ ए तैं निपायां उपरांत आ आत्मा के जे पंच तत्व ना शरीर मां छे पण पोते पंच तत्व नथी एथी ए पर छे एटले तो एने शस्त्रो छेदे नई पांणी भिंजवे नई अग्नि बाळे नई एम कृष्ण कहे छे, तथा ए सर्व जीवो ना जगत ना भरण पोषण माटे तैं सुरज नारायण बनाव्यो ए महाशक्ति आपनी विराट लिला ने मारां वंदन छे,तेमज सर्व नुं भरण पोषण करता नारायण ने मारां नित्य वंदन छे.--
[30/03, 8:45 AM] Jogidan Gadhvi:

अढळक सूरज आपतो, गाय न एनां गीत
जांणे कोकज जोगडा, रांण भलेरी रीत

हे भगवान सुरज नारायण आप जेटलुं जगत ने आपवावाळुं कोय नथी. कारण आप मात्र अजवाळुं नई पण जिवन आपो छो, वळी कोय दी कह्युं नई के हुं आटलुं दउं छुं. ज्यारे जगत नो मानव दस नुं दान करे ने वीस ना फोटा पडावे ए दान नई एडवर्टाई नो खर्च चुकवे छे, दान तो ए केहवाय जे आप्या पछी एनां गांणा न गवाय. हे नारायण ए साची रीत ना दानेश्वरी एवा आपने मारां नित्य वंदन छे.--
[31/03, 9:38 AM] Jogidan Gadhvi:

रेटो ओढी रातनो, आइ पोढाडे उर
जळके पाछे जोगडा, छेडे ढांकल सूर

हे जगदंबा तमे काळी अंधारी रातनो काळो रेटो ओढी ने अमने तमांणा उरे चांपी मीठी निंदर लेवरावो छो. अने पछी पाछुं जेम मां बाळक ने रमवा मुके एम पाछो तमारा रात रुपी रेटा ने छेडे ढांकी राखेल सुरज ने आभ मां खुल्लो मुकी अमने रमता करो छो, हे जगदंबा आप ने मारा हजारो नमन छे, तेमज आपने ओढणे ढंकाई रेही मातृ वात्सल्य पामनार नारायण ने पण मारां नित्य वंदन छे.---
[01/04, 9:10 AM] Jogidan Gadhvi:

बुद्ध अठम बिरदावळियुं, उदय आस उपवास
चित्त रहो चडिया तणुं, प्रवर भवां पद पास

हे बिरद ने संभाळनार बिरदाळी आजे आठमो उपवास उदय नी आस सह छे,जेमां एकज प्रार्थना छे के हे जगदंबा अमारुं चित्त सदैव प्रवर (शिव अने सुर्य बंन्ने ना नाम)अने भवां एटले जगदंबा एम शिव सुर्य अने शक्ति ए त्रणेय ना चरणो नी पासेज सदैव रह्या करे, दुनिया परत्वे मने जराय मोह न होज्यो,हे शिव,शक्ति,अने सुरज नारायण मारां आपने नित्य वंदन छे.---

[02/04, 8:34 AM] Jogidan Gadhvi:

अहो भाग पुर अवधके, प्रणमे जगत प्रमांण
जाहि धर्णपर जोगडा, भांण उग्यो कुळभांण

हे भगवान सुरज नारायण ऐ अवधपुरी ना अहोभाग्य छे, के जेने लोको परोढ ना पोहरे याद करी ने प्रणांम करे छे,कारण ते ऐ धरती पर आप ना कुळ मां तेजस्वीता साथे सितळता नो सुमेळ होय तेवा एक सितळ सुर्य नो जन्म थयो जेने सौ राम ना नामे वंदे छे,ए चंद्र डेवि सितळता ने कारणे राम सुर्य वंशी होवा छतां राम चंद्र कही सुर्य अने चंद्र नो सुमेळ गणी सौ वंदे छे,एवा रघुकुल भुषण राम जेवा जेना कुळ मां जन्मे छे अने ई जेनुं नित्य पुजन करे छे तेवा नारायण आपने मारां नित्य वंदन छे.--

[03/04, 9:12 AM] Jogidan Gadhvi:

अनल अनिल असमान अर, ईला अदम अरु आब
जनक सकल के जोगडा, औम सरुप अफ ताब

हे भगवान सुरज नारायण आप अग्नी, पवन, पृथ्वी, आदम, जळ, वगेरे आसमान थी उत्पन्न कर्युं एवा हे ॐकार स्वरुप भगवान नारायण आप ने मारां नित्य वंदन छे.

[04/04, 8:22 AM] Jogidan Gadhvi:

स्वामी नाथ तुम समय को, रूतु प्रवर्तक रांण
जाके क्रम शुभ जोगडा, जग्त सकल को जांण

हे भगवान सुरज नारायण समय नी सोध मनुस्यो नी छे, अने मनुय पृथ्वी ना जन्म पछी थयो, पण पृथ्वी तो आप मांथी अलग पडी छे, एम विज्ञान पण माने छे, अने आ पवन पांणी वगेरे पृथ्वी परज छे. अर्थात आप पृथ्वी पेहला,पांणी पेहला,पवन पेहला..अने समय पेहला ना छो,वळी समय आपना उदय अस्त ने आधीन गणाय छे,एथी आप समय ना स्वामी छो,आप समस्त रितु ना प्रवर्तक छो,वळी नाना मा नाना गामडा ना बाळक ने पुछो के विदेश ना महा नगर ना पंडीत ने ..बंन्ने आपना नाम अने कर्म थी परीचीत छे,एवी जेनी ख्याती छे,ए नारायण ने मारां नित्य वंदन छे.

[05/04, 5:20 AM] Jogidan Gadhvi:

नयन कमल नारायणा, आसन मात अजोड
जोड अलौकिक जोगडा, प्रणमुं नित्य परोड

हे भगवान सुरज नारायण आप ना नयन कमळ जेवां छे एटलेज कदाच नारायण सहस्त्रनाम मां आपनु एक नाम कमल नयन हशे, अने हे नाथ ई कमळ मां जेनुं आसन छे ए जगदंबा कमलासनी नारायणी, कदाच कादव पर खिलेल कमळ नुं आसन नही पण आपनी आंख सामे रही ने सतत आ नयन रुपी कमळ मां पण अजोड आसन धरी रेहतां हशे एथी पण कमलासनी गणाय..हे नाथ आप नी अलौकिक जोडी ने आंमज नित्य परोडे वंदन करी पावन थवाय एवा आशीस आपज्यो हे नारायण आपने मारां नित्य वंदन छे.--

[06/04, 8:05 AM] Jogidan Gadhvi:

आइ वडो नभ आळियो, एमां, दिवडो सूरज देव
जळहळ थै ने जोगडा, एने, तिमिर हर्या नी टेव

आप हरण अंधारना, सबळ तेज व्रद साथ
जगत गुरु रूप जोगडा, नित्य नमन पद नाथ

हे भगवान सुरज नारायण आप जगदंबा ना आभ रुपी विराट आळीया (माताजी ना गोख) नो दिवो छो, अने आप नी स्वभाव गत आदत ए छे के एकतो पोते पोताना तेज थी जळहळी उठवुं, अने बिजा नो अंघकार पण दुर करवो, जे सिस्य नो अंधकार दुर करे एने दुनिया गुरु कहे छे, आप तो आखा जगत नो अंधकार दुर करो छो,अने ए पण बाळी नाखे एवी रीते नई वरद एटले शुभ एवा तेज साथे हरो छो, एथी आप जगत आखा ना गुरु थया,माटे हे जगतगुरु नारायण मारां आप ने नित्य वंदन छे.

[07/04, 8:26 AM] Jogidan Gadhvi:

कर जोडे कर कासपा, प्रांण प्रतिष्ठा पांण
ज्वारेना नभ जोगडा, ई, भाग फुटा नर भांण

हे भगवान सुरज नारायण जे लोको पत्थर मांथी मनुस्योये बनावेल प्रतीमा ने प्रांण प्रतिष्ठा करी ने कर जोडे छे, पण जो साथे आभ मां आवी ने उभेल जाग्रत देव नारायण आप ने जे वंदन नथी करता ए बिचारा भाग्य ना फुटेल गणवा कारण के. अगाउ पण संत कवियो कही गया छे के..

काँकर पाथर जोरि कै, मसजिद लई बनाय
ता चढ मुल्ला बाँग दे, कीं, बहरा हुआ खुदाय
पाहन पूजे हरि मिले, तो मैं पूजूँ पहार
ताते ये चाकी भली, पीस खाय संसार

जोके हुं मुर्ति मां बिराजेल नारायण ने वंदवा पण ना नथी केहतो कारण के रजे रज कणेंकण मां ए व्याप्त छे, परंतु जे आभे देखाय छे एने जो न नम्या तो भाग्य फुटेल जांणवा, हे नाथ आप ने मारां नित्य वंदन छे.

[08/04, 4:42 AM] Jogidan Gadhvi:

ऊपर चंदर आवतां, आ, सुरज हेठ सुयोग
जमतो अम्रत जोगडा, ऐज खरो हठयोग

हे भगवान सुरज नारायण ज्यारे चंद्र उपर आभ मां होय त्यारे आप पृथ्वी थी पण नीचे रही ने देखाता नथी पण चंद्र सामे होव छो,एथीतो ए अजवाळे अने चंद्र ने जोई सकीये छीये, अने ज्यारे नीचे मुख करेल चंद्र नुं अमृत नीचे पडे त्यारे नीचे थी उर्ध्व मुख करेल आप ए अमृत ने जमो छो, ए वात गुरु गोरख नाथ (हठयोग,6,79 मां) करे छे,

ऊर्ध्वेनामेरघस्तालोरुर्ध्वे भानुरथःशशी *गोरखनाथ*

जेने गुरु गोरखनाथ उतिष्ठ एवा हठयोगी गणे छे तेवा हे नारायण आपने मारां नित्य वंदन छे.

[09/04, 5:16 AM] Jogidan Gadhvi:

उगेय त्यांथी आपवुं, ऐवी, रीत तमारी रांण
जोजन छेटे जोगडा, तोय, भलुं करे ई भांण

हे भगवान सुरज नारायण ज्यार थी आपनो उदय थाय त्यार थी कोई पण अपेक्षा वगर बस आपताज रेहवुं आपताज रेहवुं ए आपनी रीत रही छे, आप पुजनीय छो पण कोयदी पुजावा नी पण ईच्छा आपे नथी राखी,जे अकरमी लोको जागी ने आपनुं नाम पण नथी लेता एवा गुणचोर ने पण आप एटलोज उजास आपो छो,कोय भेद नथी करता,अने आ धरती थी जोजनो दुर छो,छतां सतत एनुं अने एना पर पनपता जीवो नुं भलुंज करी रह्या छो,हे नारायण आप महान छो,आप ने मारां नित्य वंदन छे.

[10/04, 9:25 AM] Jogidan Gadhvi:

अब घडी नभ आवशे, रेती खग नी राह
चणवा केरी चाह, जे खग ने हो जोगडा

हे भगवान सुरज नारायण जे खग नाम पक्षी ने जराय भुख लागे ने चणवा नी चाहना होय त्यारे ए राते चण ने नई पण आप ने संभारतुं होय छे के हमणां खग नाम सुरज नारायण नभ मां घोडो खेलवशे ने आखी धरणी उजळी थाशे भय क्यांक खुंणा मा जई ने लपाई जाशे,मन मोकळुं मुकी पक्षीयो आभ मां उडी ने कलरव करी शकशे एवी आश लागेल रहेती होय छे,अने उगीने सर्व नी ए आश ने पुरी करनार नारायण आपने मारां नित्य वंदन छे.

[11/04, 5:09 AM] Jogidan Gadhvi:

उदित थवुं अजवाळवुं, आळस कबुं न अंग
जोडी बे हथ जोगडा, रांण दीयां लख रंग

हे भगवान सुरज नारायण आप कायम उदय पामी ने जगत ने अजवाळो छो, क्यारेय आळस नथी करता एवा हे नारायण आप ने बे हाथ जोडी नमन करुं छुं, आपने लाखो रंग छे, आप ने मारां नित्य वंदन छे.

[12/04, 6:58 AM] Jogidan Gadhvi:

ज्यों चित्त चंद चकोर हे, जग वैभव द्रग जिव
त्यो जडियल घट जोगडा, सूर्य शकत अरु शिव

हे भगवान सुरज नारायण जेम चकोर पक्षी ने चित चंद्र नी लगनी होय छे,जेम जगत नी माया ना जीवडा ना नेंण जगत ना वैभव विलास अने भोग पर लागेल होय छे,एम हे नाथ मारो आत्मा भगवान शिव,जगदंबा शक्ति अने सुरज नारायण पर स्थिर छे,सुरज नारायण मां जगत कल्याण नी भावना होई ते कल्याण एटले के शिव स्वरुपा छे, तेमज तेजस्वीता द्वारा तेमनामां शक्ति नो संचार छे आम एक मां त्रिवेणी दरसी ने नित्य वंदना करुं छुं हे नारायण आपने मारां नित्य वंदन छे,

[13/04, 5:40 AM] Jogidan Gadhvi:

अम माथे अजवाळीयां, घणांय तें घोळ्या
ई *त्राजवडे तोळ्या, जाय न एतां जोगडा*

हे भगवान सुरज नारायण आपे अमरा पर पोते बळी ने एटलां अजवाळां ओळघोळ कर्यां छे के आखा जगत ना त्राजवां भेळा करीये तोय ई तोळ्यां न जाय एटलां अनंत आप्यां छे, जेना किरणे किरण मां जिवन समाविस्ट होय छे, एवा अनहद जिवन ना दाता नारायण आपने मारां नित्य वंदन छे.

[14/04, 8:56 AM] Jogidan Gadhvi:

नारायण सुं नेह, जोग हशे तो जागशे
आ भव सागर ऐह, जाज तरावे जोगडा

हे भगवान सुरज नारायण जो योग होय तो ज आप प्रत्ये नेह जागे छे,अने आपनुं नाम जपी सकाय छे,जे नाम आ भव सागर तरवाना जहाज समोवड छे, जेना जोग नथी ए बिचारा तो आपनो उदय थतां दिवस उग्यो एम समजी नित्य क्रम पतावी नोकरी के धंधे भागे छे ने आपनो अस्त थया नी पण एमने खबर नथी होती थाकी ने घरे आवी रात्रे सुई जाय फरी बिजे दिवसे एज चक्र चाल्या करे छे,आवा लोको के जे आपने नमी पण नथी सकता के नाम पण नथी लई सकता ऐ लख चोरासी ना चक्कर वाळा जांणीये,बाकी जेना जोग जाग्या छे ऐ सौ आपने वंदनायुं करता होय छे, एवा हे जागेल जोग ना जोगीयो द्वारा जपाता नारायण मारां आपने नित्य वंदन छे.

[15/04, 7:22 AM] Jogidan Gadhvi:

सूरज क्यांथी सिखीया, वात्सल मारा विर
जरी न दाखो जोगडा, सळग्युं जाय सरीर

हे भगवान सुरज नारायण आपनो आ देह आखो धगधगी रह्यो छे, तेम छतां आप आपना अजवाळा मां धरती पर रहेल झाडपान ने प्रकास संस्लेसण माटे पोसण पोगाडी रह्या छो, अने एम सौ जीव ने जिवन प्रदान करी रह्या छो, आ वात्सल्य आप क्यांथी सिख्या हशो? अहीं धरणी पर तो गण्यां गांठ्या पात्रो बाद करतां एवाज लोको छे के जो कदाच आभथी अंगारा वरहे तो पेटना जण्यां छोकरां ने आडां दई जीव बचावे,छप्पनीया जेवा समये मां जेवा पात्रो पोताना बाळको ने भरखी गयेल,ज्यारे आप पोते भडभड बळी रहेल छो छतां आपनी जणीयल(धरती)ना जाया(जीव मात्र) ने जिवन दई रह्या छो,आपने मारां हजारो नमन सह नित्य वंदन छे.

[16/04, 5:07 AM] Jogidan Gadhvi:

छेड रुधीरां छांटता, आभ पधार्या आज
जेम गायुं कज जोगडा, विर आयो वछराज

हे भगवान सुरज नारायण आजे आपना उदय पेहला लाल थयेल आभ जांणे रुधीर नी छेडो उडी ने रातो थयो होय एम लागे अने ए रुधीर भर्या आभ मां आप नो उदय ई जांणे आपनुं मरकतुं मुखारविंद होय एम लागे..चोतरफ राती छोळ अने वच्चे मरकतुं मुख जोई एम लागे जांणे गायुं नी व्हारे वाछरो चड्यो होय ने ई गायुं ने बचाववा विरगती पामेल ए क्षात्र नुं मस्तक रुधीर नी छोळ वच्चे मरकतुं पड्युं होय जेना चेहरा पर मोत ना भय नी एकेय रेखा न होय ते रुपक आपे नजरे जोयेल छे अने कदाच आजे एनी अचानक याद आवी होय ने एवि रीते उदय पाम्या होय तेवुं लाग्युं,विरो ने याद करनार महावीर व्योम धणी नारायण आपने मारां नित्य वंदन छे.

[17/04, 7:18 AM] Jogidan Gadhvi:

पामर जांणी पोहतो, रुदे धर्या वण रोष
दिनकर अमणां दोष, जोया नइ तें जोगडा

हे भगवान सुरज नारायण अम सौ जीवो ने तमे पामर जीव गणी ने पोषण करो छो,कोय दी अमपर रीह नथी करता कारण के तमारी रीह ने खमी सके एवी कोई नी क्षमता पण नथी,कारण के आपना मंत्र थी जन्मेल पुत्र कर्ण जो कृष्ण अने अर्जुन जेवा बेय ने दांते परसेवो वाळी देतो होय, आपना पुत्र यमराज ना नाम थी आखुं जग हजी भयभीत होय खाली जम जोवा नुं कहो तोय होश उजी जता होय तो आप ना खुद ना सामर्थ्य नी तो शुं वात करवी नाथ? अने तोय अमारा दोष जोता नथी ने सतत कृपा वरहावो छो. कारण के.जगत नो मनख भले पोताने गमे ते मानतो होय पण पामर छे ई आप जांणो छो..

गोळा आवे गेबना, त्यारे, पामरता परखाय
बाकी *हैये छो हरखाय, जात वखांणी जोगडा*

हे नाथ ज्यारे आवी महामारीयुं आवे के धरती हलबले के एवुं कंईक थाय त्यारे मांणह पोताने लाचार समजी तारी शक्ति ने स्विकारे छे,पण पछी पाछो ई भुली ने थोडुं थीर थाय त्यां पोतानी जात ने कंईक समजी ने फरी अहंकार मां लेलुर थाय छे,पण आपतो एनी पामरता ने युगो थी पामी गयेल छो,एटले एनी मुरखता पर घोखो नथी करता अने सतत जीवन वरहावो ~~छो,ऐवा हे नारायण आपने मारां नित्य वंदन छे.~~---
[18/04, 9:04 AM] Jogidan Gadhvi:

रामे रावण रोळियो, ई, पुत सुरज परमांण
जनम जदुंये जोगडा, कां, प्रभु हरायल प्रांण

हे भगवान सुरज नारायण आपना वंश मां जन्मेल रामे रावण ने रोळ्यो कारण के ए युद्ध मां आपनो पुत्र सुग्रीव एमने पुरेपुरी वानर सेना सहीत साथे रहेल,अने एज रामे जदुकुळ मां जनम धर्यो पछी आपे पोतानो एक पुत्र एमनी मददे आप्यो होवानी वात ने भुली ने आपना बिजा पुत्र कर्ण ने दगे थी मराव्यो..तोय समता राखी ने क्यारेय आपे एमने कंई न कह्युं आप जेवुं विशाळ रदय कोनुं होई सके..नानकडुं काम कर्युं होय तोय गणींबतावावानी मनोवृत्ति वाळा मांणसने विशाळता सिखवतुं जिवन जीवता आप ने मारां नित्य वंदन छे.--
[19/04, 9:34 AM] Jogidan Gadhvi:

सूरज ने संसार मां, मामोक नइ मुहाळ
बळीन धरणी बाळ, जेह जिवाडे जोगडा

हे भगवान सुरज नारायण आप आदीकाळ थी छो, अदितिये पण आपनी उपासना करी अंश रुपे अवतार लई पोताने श्राप मुक्त कराववा तपस्या करेल,एथी आप क्यारे जनम्या एतो कहीज सकाय एम नथी..आपतो धरती बनी ए पेहला पण हताज कारण धरती आपनोज अलग पडेल अंश छे,आप ने मामो के मोसाळ नथी एथी आप ए लागणी ने सारी रीते समजी सको ~~छो,अने एथी आप जाते बळी ने पोतानी दीकरी धरणी ना बाळको ने जीवन आपी रह्या छो,आप ने मारां नित्य~~ वंदन छे.

[20/04, 7:19 AM] Jogidan Gadhvi:

कहीश नइ हुं काशपा, के तें, रात हटावी रांण
ई *भे थी भागी भांण, जोतांय सुरज जोगडा*

हे भगवान सुरज नारायण आपे रात ने हटावी छे, एवुं हुं नही कउं नाथ, कारण के जो एम कहुं तो एनो अर्थ ए थाय के आपे मेहनत पुर्वक एने हटावी छे,अर्थात आपे प्रयत्न करवो पड्यो,अने ए आपने क्षणभर माटे पण टक्कर आपी गई एवो अर्थ थाय, पण हकीकत ए छे के आपे हटावी नथी,पण आपनो उदय थवानो सरु थाय ए पेहलाज थोडुं अजवाळुं धरा पर पथराई गयेल..आपना विना प्रयत्ने मात्र भयथीज सत भागी गयेल, एवा हे सामर्थ्यवान नारायण मारां आपने नित्य वंदन छे.
[21/04, 8:54 AM] Jogidan Gadhvi:

कस्यप नंदन कायमी, हिये वसो थइ हेत
जे निघलावे जोगडा, खानदानी नु खेत

हे भगवान सुरज नारायण मारा हैया मां कायम ने माटे सौ माटे हेत प्रित थई ने आप वसो जेथी मने कोय प्रत्ये क्रोध के ईर्षा एवुं कोई दुषण रहेज नई,मात्र सौ प्रत्ये हेतज रहे,अने जेना कारणे आचराता दरेक कर्मो सुवास फेलावनाराज रहे अने एथी खानदानी नो सदगुंण रुपी पाक निंघले,हे नारायण आपने मारा नित्य वंदन छे.------------------------------
[22/04, 8:16 AM] Jogidan Gadhvi:

फुल आशा वण फोरतुं, ई, बंधन करम न बाप
तिवोज तारो ताप, अमे, जांण्यो सूरज जोगडा

हे भगवान सुरज नारायण जेम फुल कोई पण अपेक्षा, अभिलाषा के कंई प्राप्त करवानी आशा वगर मारगे जता वटेमारगु ने पण सुहास आपे छे,एम हे नाथ आपनो ताप पण एमज सौ ने अकारण अजवाळुं आपे छे, ए बंन्ने बाबतो कर्म ना बंधन थी मुक्त छे,कारण के तेमां फळ नी आशा नथी रखायेल नथी, एवा हे निस्काम कर्म ना करनार नारायण आपने मारां नित्य वंदन छे.--
[23/04, 9:05 AM] Jogidan Gadhvi:

नोखा नोखा नामथी, जांणे आखुं जग्ग
जंबू द्वीपे जोगडा, पुजेय भारत पग्ग

हे भगवान सुरज नारायण आखा विश्व मां कोय एवुं नथी के जे आपने जांणतुं नथी, कोई सन कहे कोई आफताब कहे के कोई सुर्य के सुरज कहे,पण हे नाथ जंबुद्विपे अमारुं भारतवर्ष एवुं छे के जे आखो देश आपने नारायण तरीके जांणे छे ने पग पुजे छे, (बिजा देशो पुजे छे पण भारत नी सरखामणीं मां ओछा) एवा हे जगप्रसिद्ध नारायण आपने मारां नित्य वंदन छे.--

[8:45 AM, 4/24/2020] Jogidan Gadhvi:

वेठ अगन अरु पियण वख, जगत उबारण जीव
जल अधकारां जोगडा, सूरज रांण अरु शीव

हे भगवान सुरज नारायण आप अने शिव बंन्ने के जेमां आप जगत ना जिवो ने उगारवा पोताना आखा देहे धगधगतो अगन धर्यो ने शिवे विष पिधुं, अने आप बंन्ने ना जळ चडाववा ने अधिकृत छो, एवा हे नारायण आपने मारां नित्य वंदन छे.

[5:35 AM, 4/25/2020] Jogidan Gadhvi:

भज भोळा सह भावथी, भगवतीयुं ने भांण
जुगआदी तण जोगडा, आतम कांव अजांण

हे भगवान सुरज नारायण आप नी साथे हुं एज भाव थी भगवान भोळा नाथ अने भगवती ने पण भजुं छुं, कारण के आप त्रणेय महा सामर्थ्यवान जुग थी पण पेहला आदी सत, जुगआदी सत छो, आप ने मारां नित्य वंदन छे,
----
[9:49 AM, 4/26/2020] Jogidan Gadhvi:

प्रथी जण्या ए पुनथी, दर्शन आपे देव
तिमिर हर्या नी टेव, जांण प्रभु इ जोगडा

हे भगवान सुरज नारायण आम तो दरेक जीव ना एटला पुन्य नइ होय के सौ ने आप रोज आवी ने दर्शन आपो परंतु ए सौ प्रथमी ना धावण धावी ने जिवे छे ए कारण सौ दर्शन पामे छे, जेम रजका हारे खड पण पांणी पामे छे एम सौ दर्शन पामे छे, पण जेनां पुन्य प्रकास्यां छे ई आपने तिमिर हरवा नी टेव ने ईसारे नारायण स्वरुपे नमन करी सके छे, बाकी जीव ने तो मात्र अग्नीनो गोळो देखाय,हे नाथ जीव पोते पोतानुं मुल्यांकन करी ले के जो एने मात्र गोळो देखाय तो ई पापात्मा अने जो नारायण देखाय तो ए ...., हे नारायण आपने मारां नित्य वंदन छे.--
[9:01 AM, 4/27/2020] Jogidan Gadhvi:

उग्याय पेहला उगतुं, नारायण घट नाम
जातेज थातु जोगडा, करवुं पडे न काम

हे भगवान सुरज नारायण आपनो उदय थाय ए पेहला तो आपना नामनो उदय अमारा हैया मां थई जाय छे, अने ऐ अमारे करवुं नथी पडतुं ए एनी जाते थई जाय छे, अमपर एवी अनहद कृपा करनार हे नारायण आपने मारां नित्य वंदन छे,
----
[5:17 AM, 4/28/2020] Jogidan Gadhvi:

हाथ जोडी ने हेतथी, रटता जेने राम
ई
नारायण नुं नाम, जपवुं तारे जोगडा

आदीत मने न आवडे, गहन तने बउं ग्यान
धनंजये पण ध्यान, जाय तारा मां जोगडा

हे भगवान सुरज नारायण जेने जगत आखुं भगवान राम तरीके वंदन करे छे, ए रामचंद्र भगवान पोते जगदंबा सीता नी साथे आप ने हाथ जोडी ने नित्य वंदना करता होय,एवा प्रतापी आप नुं नाम हुं कायम जपुं,बिजुं तो मने कांय आवडतुं नथी नाथ,आप तो गहन ज्ञान ना ज्ञाता छो, पण हे नाथ मारा छेल्ला स्वासे धनंजय वायु (मृत्यु समये बेहोश करतो वायु)नी धारा मां पण आपने हुं विसरुं नई,एवा आशिस आपज्यो नारायण आपने मारां नित्य वंदन छे.--------------------

[8:39 AM, 4/29/2020] Jogidan Gadhvi:

नातो जे अण नेह नो, एनो, भांण लगे बउ भार
वण भारे वसनार, जो नभ दादो जोगडा

हे भगवान सुरज नारायण जे नाता मां नेह नथी होतो ई नातो बोज रुप होय छे,अने जेमां नेह होय छे, एनो भार नथी लागतो,जेमके दस कीलो लोखंड थोडीवार पकडी राखो तो हाथ दुखे,पण दस कीलो नो पोतानुं बाळक तेडीने मंदीर नी सीडीयुं चडीजाव तोय जराय भार न लागे भले वजन नी द्रस्टीये बेय सरखां हता तोय..कारण तेमां नेह नुं गणीत जवाबदार होय छे,तेमज हे नारायण आप धरती ना समग्र प्रांणी अने झाडपान मात्र ना प्राण स्वरुप छो,अने ई अति नेह नो नातो छे,जेथी भार विहिन छो, अने वजनदार तो छो पण भार नथी एटले आप छेक नभ नी पार नी उचाई पर बिराजीत छो,आप ने मारा नित्य वंदन छे.

[5:04 AM, 4/30/2020] Jogidan Gadhvi:

नित्य नियाळो नाथजी, खरो रचावी खेल
जंगम थावर जोगडा, आप तणुं अरपेल

हे भगवान सुरज नारायण आ धरती आपमांथी छुटी पडी छे ए वात आज ना विज्ञाने पण मानी,वळी पशु पक्षी मानव आदी सर्व जीवो यातो शाकाहारी कां मांसा हारी छे,जेमां मांसाहारी नुं भोजन बननार जीव शाकाहारी छे,अने तेनुं पोषण झाडपान फळ फुल तृण वगेरे छे,जेनुं पोषण प्रकाससंस्लेण थी थाय छे,जे वात पण विज्ञान माने छे,अर्थांत समग्र जिवोनुं पोषण करनार एक मात्र आप छो ए वात विज्ञाने पण स्विकारी छे,अर्थांत पोताना अंगमांथी धरती ने नोखी पाडी समग्र जीवो रची तेमनुं पोषण करी आ आखो खेल आपे रचेल छे,ई वैज्ञानिक रीते पण सिद्ध छे, जे खेल ने आप नित्य आवी ने निहाळो छो अने मौन मजा मांणो छो, अने मुरख मांणस तोय नथी समजी सकतो के आ सर्जनहार अने पोषण करनार एनी आंख नी सामे छे,एथी ए जुवे छे खरो पण जांणी नथी सकतो अने दर्शन थी वंचीत रही जाय छे, हे नारायण अमने वहेली तके आप प्रत्ये मेह अमोध्या ए आपनी अनंत कृपा छे,आपने मारां नित्य वंदन छे.

[8:41 AM, 5/1/2020] Jogidan Gadhvi:

धरम तेज महा धोध तु, आदित शिव नभ आप
जगत गुरु सम जोगडा, बोध दियण नित बाप

हे भगवान सुरज नारायण आप धर्म तेज नो महाधोध छो, आप आदित्य रुपे नभ गृप प्रतिष्ठान पामेल ज्योत स्वरुप शिव लिंग छो, तथा समग्र जीव सृस्टी ना सर्जक होई पिता समान छो तथा नित्य परोढे निकळी ने जगत गुरु थई सौने जिवन ना नित्य नवा बोध आपो छो, आपने मारां नित्य वंदन छे.

[8:57 AM, 5/2/2020] Jogidan Gadhvi:

दरख कपांणां देखके, भवां ग्रहे मुछ भांण
रैयत समजी रांण, जाता करतो जोगडा

हे भगवान सूरज नारायण आ धरती पर थी झाडवा कापी ने मांणसे मां धरती ना साडला ना लीरा करी नाखेल छे जे जोईने क्रोध मां आपनी मूंछ आंख उपरना भवां ढांकीदे एम उभी थई गई पण वडा ने वकार न होय तेम आपे रैयत जांणी ने रहेम राखी छे, आपने मारा नित्य वंदन छे.

[3:09 AM, 5/3/2020] Jogidan Gadhvi:

ऐब ढकां ने आभ पत, प्रेम फट्यां पलवाय
चांपुं थी चलवाय, जाय न फेंक्यां जोगडा

हे भगवान सुरज नारायण हे आभ ना धणीं, गरीब मांणस होय ते पण पोतानी ऐब ढांकनार कपडा साथे नेह नाते बंधाई गयो होय छे, कदाच ई कपडुं कोई गसराथी फाटी ने नोखुं पडी जाय अने एने जोडवा नो दोरो न होय तो एने चांपु भरावी ने पण चलवी लेता होय छे, एने फेंकी दई पोतानी ऐब उघाडी नथी करता, हे नाथ धरती ना छोरुंये भुल करी हशे, पण आपतो समर्थ छो, कंईक उपाय करी एने जोडी दो, रंक जण जो कापडनेय जाळवी लेता होय तो अमे धरती ना छोरुं तो तारा भांणेजडां भणाईये.. हे नाथ आपने मारा नित्य वंदन छे.--

[7:55 AM, 5/4/2020] Jogidan Gadhvi:

काळी नाग करुनिया, मंड्यो जगने माथ
जमुना थै धर जोगडा, नटवर था सुर नाथ

हे भगवान सुरज नारायण आ कोरोना रुपी काळी नाग हवे जगत पर फेंण मांडी ने झेर ओकवा मांड्यो छे, हजारो ना जीव जई रह्या छे, त्यारे हे नाथ आ धरती ने जमुना गणी तमे नटखट कृष्ण कनैया रुप बनी हवे एने नाथी ल्यो नाथ. मारां आपने नित्य वंदन छे.--

[3:20 AM, 5/5/2020] Jogidan Gadhvi:

अविचळ रेजो आपमां, भगती सूरज भांण
जळ दोहो दउं जोगडा, रोज सवारे रांण

हे भगवान सुरज नारायण मारी भक्ति शिव स्वरुप आपमां अपनुं सामर्थ्य गणाती शक्ति मां एम शिव शक्ति अने सूरज मां अविचळ रेहज्यो, एने संसार नी कोई विटंबणा डगावी न सके, हुं नित्य जागी ने आपने दोहा रुपी जळ चडावीनेज धरती पर पग धरुं, हे नाथ आपने मारां नित्य वंदन छे.--

[7:17 AM, 5/6/2020] Jogidan Gadhvi:

नारायण ना निकळता, पडतुं जाय प्रभात
समर्ये पेढी सात, जाय तरी भव जोगडा

हे भगवान नारायण आप सुरज स्वरुपे आभ मां निकळो छो अने आपना तेजस्वी प्रभाव थी आपोआप प्रभात थतुं जाय छे, अने हे नाथ आपनुं नाम एक वखत लेवाथी अजामील जेवो असुर तरी ग्यो तो आपनुं नित्य नाम लेवाथी तो सातपेढी ना पूर्वज भव तरीजाय हे नाथ आपने मारां नित्य वंदन छे.--

[6:30 AM, 5/7/2020] Jogidan Gadhvi:

अलख प्रतीती आभअड, थीरमन मिटे थड़क
जोई उग्यो सुर जोगडा, तिमिरां गोढ तड़क

हे भगवान सुरज नारायण आपनी आभे अडेल अलख प्रतीति जोई ने मन ना तमाम तरंगो स्थिर थई जाय छे, अने दरेक प्रकार ना उचाट ना थडकार थई मन शांत थाय छे,आपनो आभे उदय जोई ने अंधकारे आखी रात ज्यां शासन कर्युं छे ई तिमिर नो गढ तड़क करी ने तुटी जई वेरविखेर थई संध्यानी राह जोतो क्यांक गर्त थई जाय छे, हे नाथ जेने आधीन सौ जीवो नुं जिवन चाले छे एवी आपनी अखंड तेजस्वीता ने मारां नित्य वंदन छे.------------------------------

[7:30 AM, 5/8/2020] Jogidan Gadhvi:

तारिय दातारी तणां, वेधुं करुं वखांण
भोर थये नित भांण, जिवन वेंचे जोगडा

हे भगवान सुरज नारायण आपनी दातारी ना मारे शुं वखांण करवा नाथ,पृथ्वी परना प्रांणी मात्र ना कोईना पण अवगुण जोया विना आप आपनो दातारी नो धर्म निभावो छो, अने नित्य परोढे उदय पामी ने सौने जिवन नी लांणी करो छो, कारण के समग्र जीव सृस्टीनुं जिवन आपने आभारी छे, आपना तेजथी प्रकाशसंस्लेसण पामी वनस्पती जिवे छे, ए वनस्पतिने आधारे तृणाहारी ने शाकाहारी जिवे छे, ए तृणाहारी ने आधारे मांसाहारी एम सर्व जिवन नुं मुळ आप छो, ऐम रोज सवारे विना अपेक्षा ये जिवन नी वहेंचणी करनार महा दातार आपने मारां नित्य वंदन छे.--------------------------

[4:15 AM, 5/9/2020] Jogidan Gadhvi:

नारण फरज निभावणो, बाप तणीं अण बाब
जग नुं पोहण जोगडा, खे पत ऐक ज खाब

हे भगवान सूरज नारायण आप एक पण बाब विना एटले के दोष विना बाप नी फरज निभावो छो, अने हे खे पती (खे एटले आभ, जे परथी पक्षी ने खेचर कहीये छीये, जळचर, भुचर, खेचर) आपनुं एकज स्वप्न छे के जगत नुं पोशण करवुं, अने एटले आप नित्य सवारे उदय पामी आपनी बाप तरीके नी फरज निभावो छो, आपने मारां नित्य वंदन छे.

[7:04 AM, 5/10/2020] Jogidan Gadhvi:

इला समद धर अंजळी, दिये अरघ सुर देव
जणीयल माथे जोगडा, हेत व्रहया नी हेव

हे भगवान सुरज नारायण आ धरती पोता ना हाथ मां समुद्र रुपी जळ नी अंजळी लई आपने अरघ धरे छे, अने हे नारायण आप ई धरणी ने माथे नित्य हेत वरहाववा माटे आभ मां अविचळ रही एने हेत सभर निहाळ्या करो छो,आप ने मारां नित्य वंदन छे.--

[7:48 AM, 5/11/2020] Jogidan Gadhvi:

प्हाड उभा परमेहरा, हरखे जोडी हाथ
जळ चडावाय जोगडा, नदीयु दोडे नाथ

हे भगवान सुरज नारायण आपनो उदय थयो त्यारे आ बे बे नी बेरख मां जोडायेल पहाडो जांणे हाथ जोडी ने आपने वंदन करता होय तेवुं लागे छे अने जांणे ऐ पर्वत परथी दोडती नदीयो जांणे ए पहाडोये आपने जळ चडाव्युं होय तेम दडेडाट करती पुर्व दीशा मां दोडी रही छे, हे नाथ समग्र प्रकृती पण जेने वंदनायुं करे छे तेवा हे नारायण आपने मारां नित्य वंदन छे.--

[7:02 AM, 5/12/2020] Jogidan Gadhvi:

आप न देखो अवगुणां, गुणनेज नाथ गणो
तमणांय तेज तणो, जोटो मळे न जोगडा

हे भगवान सुरज नारायण आप कोई ना अवगुण जोता नथी, मात्र गुंणज जुवो छो, अने एथीज आप सौ ने समान गणीं सौ ने सरखुं अंजवाळु आपो छो, आपना तेज नो क्यांय जोटो मळे तेम नथी हे नाथ जे आप ना तेजस्वी स्वरुप ने परखी सके छे ई नित्य आप ने वंदन करे छे, अने घुवड नी जेम अंधारेज आंख खोले छे, एज आपने नथी वंदी सकता, एम हे अनन्य तेजपुंज ना आधीपति मारां आपने नित्य वंदन छे.---

[8:10 AM, 5/13/2020] Jogidan Gadhvi:

तेज सुरां त्रबकीरियां, गाइ रियां मुक गांण
जिवन हाल्युं जोगडा, वांण समुं नत वांण

हे भगवान सुरज नारायण आपमांथी तेज धीरे धीरे त्रबकी रह्युं छे, जे तेजमां भिंजायेल सवार मुंगा गीतडां गाई रही छे, के आ वांण एटले के परोडीयुं बनीने रोज जिवन नुं वांण हाल्युं जाय छे, आ सवार नथी जई रही पण आयखा नो एक एक दीवस जई रह्यो छे, जे क्यारेय पाछो आववानो नथी, माटे नारायण भजीले, एवां मुगी गीत गाई ने समजदारो ने समजावी रहेल परोढ ना प्रणेता नारायण आपने मारां नित्य वंदन छे.---
[8:59 AM, 5/14/2020] Jogidan Gadhvi:

कीधल छे शुं कस्यपा, कडवां कोये कैंण
जुग जूगो थी जोगडा, कां, निंदर नावे नैंण

हे भगवान सुरज नारायण शुं आपने कोईये कडवां वेंण किधां हशे? के निंदर नावे नव जणां.. नी जेम कोई कारण हशे.?. के आप युगो थी बस आभ ने आसने बिराजी ने सतत तप्याज करो छो, क्यारेय निंदर लेता नथी हे नाथ आपना कुळ मां जन्मेल लक्ष्मण चौद वर्ष न सुवे ऐ स्वाभाविक छे, कारण जेनो कुळ पुरुष युगो थी निंदर ने जिती ने बेठेल होय तेना वंसज माटे चौद वर्ष कोई मोटी वात नथी, एवा हे निंद्रा ने जितनार नारायण आपने मारां नित्य वंदन छे.----------
[8:24 AM, 5/15/2020] Jogidan Gadhvi:

लाड कोडे लउ लावथि, नित नारायण नाम
जे गज तारे जोगडा, अजमिळ वारे आम

हे भगवान सुरज नारायण हुं नित्य नेहथी लाड अने कोडथी नारायण नुं नाम लउं छुं, हे नाथ जे नाम पोकारी जुंड ना मुखे थी गज ने उगार्यो हतो, अने एज नाम थी अजामील जेवो असुर आखरे एक वखत अनायासे नारायण कह्युं ने इ असुर तरी ग्यो एवुं कल्याणकारी नाम छे जेनुं एवा हे नारायण आपने मारां नित्य वंदन छे.---------------------------
[5:18 AM, 5/16/2020] Jogidan Gadhvi:

नमौ नमह नारायणा, काटण सघळ कलेश
जपत निरंतर जोगडा, हरणां दरद हमेश

हे भगवान सुरज नारायण आप नुं नाम लई आपने नमन करे एना सर्व कलेश मटी जाय छे, अने जे आपनो निरंतर जाप जपे एने हंमेश ने माटे कोई दरद रेहतुं नथी,चाहे ए सामाजिक, आर्थिक, सारीरीक, हारदीक, मानसिक, कोई पण प्रकारनुं दरद एने वेडे नई एवि विरक्त भावना प्रदान करनार हे नारायण मारां आपने नित्य वंदन छे.------
[7:40 AM, 5/17/2020] Jogidan Gadhvi:

नित आवे अम नेहडे, दादो सूरज देव
जेथी पडे न जोगडा, टेक चुक्या नी टेव

हे भगवान सूरज नारायण आप नित्य परोढे अमारे नेहडे पधारो छो, अने ई आपनो नित्य क्रम छे, जीवन भर अजवाळुं आपवुं ई आपनी टेक छे, जे आप क्यारेय चुकता नथी, अने ए रीते आप अमने पण जांणे मौन रही सिखवो छो एवा हे अडग टेकीला नारायण आपने मारां नित्य वंदन छे.---

[6:29 AM, 5/18/2020] Jogidan Gadhvi:

ई सदभागी आतमो, जेना, तो संग लग्गा तार
जपता सूरज जोगडा, वाकुं, वंदन लाखो वार

हे भगवान सूरज नारायण ऐ आत्मा सदभागी आत्मा छे जे जाग्रत देव एवा आप साथे जेना तनमन ना तार जोडाया छे,वेद पुरांणो मां जे देवताओ ना वर्णन छे ई तमाम देवो तपस्या पछी मळे छे, एक आप एवा उदार छो के नित्य परोढे आपना दर्सन सौ ने मळे छे, पण भाग्यवंत होय ईज वंदन करी सके छे, आप ने जे वंदन करे छे ए पुण्यात्माओ ने पण मारां वंदन छे, अने हे नाथ आपने मारां नित्य वंदन छे.--

[8:23 AM, 5/19/2020] Jogidan Gadhvi:

आदित जाळे अंगडा, तोय कहे जग ताप
जुगो जुगो थी जोगडा, बळी जिवाडे बाप

हे भगवान सूरज नारायण आप पोताना अंग बाळी अने जगत भर ने जिवन दई रह्या छो, अने जगत नो जीव उपकार गणवाने बदले उलटो ताप बहु छे कही ने आप ने दोष दीये छे, तो पण आप युगो युगो थी पोतानुं बाप तरीके नुं कर्तव्य निभावी ने बधाने निभावे जाव छो, आ मात्र बापज करी सके.. पोते बळतो जाय पण कह्या विना बाळको ने पोसतो जाय, अने जे नफट होय ऐज एवा बाप ने वंदन नथी करी सकता, हे नाथ मारां आपने नित्य वंदन छे.-------------

[7:10 AM, 5/20/2020] Jogidan Gadhvi:

किरपा नारायण करी, मट्यो हवे सब मोह
जगत प्रति अब जोगडा, रज भर रह्यो न रोह

हे भगवान सूरज नारायण आपे केवी कृपा करी के हवे मने जगत प्रत्ये कोई मोह न रेहवा दीधो, उपरांत हे नाथ कोई रोह पण न रेहवा दीधो, हे नारायण मारां आपने नित्य वंदन छे.

[7:43 AM, 5/21/2020] Jogidan Gadhvi:

ऐकल पंथी अडग मन, अरु, धिरतो सत नुं धान
जांखो थयो न जोगडा, भले, कान हणांयो कान

हे भगवान सूरज नारायण आप एकतो आखा आभमां एकला होव छो, तथा गमेते स्थिति होय तोय आप अडग रही ने निम प्रमाणे अचुक उदय पामो छो, वळी जे सत्य नी राह छे, एने क्यारेय चुकता नथी, पिता तरीके नी फरज निभावी कर्ण ने आपे केहवा जेवुं तो आवी ने कही दीधेल पण ज्यारे कान(कृष्ण) कपट करी ने कान(कर्ण एटले पण कान) ने हणावे छे त्यारे आप जरा पण मोह मां डगी ने झांखा नथी थता आपने मारां नित्य वंदन छे.----------------------------

[6:10 AM, 5/22/2020] Jogidan Gadhvi:

समरी कायम सुरज ने, प्रथी धरे जे पग्ग
धणीं कृपा ना ढग्ग, जिवन खळे हो जोगडा

हे भगवान सूरज नारायण जे आपनुं समरण कर्या पछीज धरती पर पग मुके छे, एना जिवन रुपी खेतर ना खळा मां तमारी कृपा रुपी मोल ना कणहलानो ढगलो थई जाय छे, एवा हे कृपाळु करुंणा सागर नारायण आपने मारां नित्य वंदन छे.
खिर सागर तो खलक मां, भाळ्यो नै भगवान
जांणुय हुं तो जोगडा, आ, करुंणा सागर कान

[6:54 AM, 5/23/2020] Jogidan Gadhvi:

सर्जक तुं ब्रह्मा समो, पोषक विष्णु प्रमाण
जडधर रुप सुर जोगडा, वंदन हे नित वांण

हे भगवान सूरज नारायण आपना अंग मांथी पृथ्वी अलग पडी अने तेना पर आप थी जे प्रमाणे वातावरण थयुं तेम जीवो नुं सर्जन थयुं आम आप सर्जक मां ब्रह्मा छो, प्रकाशसंस्लेसण थी वनस्पतिने पोशण आपो छो अने एनाथी तृणाहारी अने शाकाहारी जीवे छे तथा तृणाहारी पर मांसाहारी जीवे छे आम सौ नुं पोषण करनार विष्णु पण आप छो, अने हे नाथ प्रकृति ने नुकशान पोहचे ने औझोन नुं पड आघुं थाय तो ध्वंस करी नाखनार रूद्र रुप पण आप छो, आम हे त्रणेय देवो ना समन्वय स्वरुप हे नाथ मारां परोढ ने पोहरे आपने नित्य वंदन छे.--

[7:35 AM, 5/24/2020] Jogidan Gadhvi:

कै उपकारो कस्यपा, जेनुं, रुंण न उतरे रांण
एथी
भाव थकी नित भांण, जोडुं बे हथ जोगडा

हे भगवान सूरज नारायण आप ना एटला बधा उपकारो छे के तेनुं रुंण उतरे तेम नथी कारण के आ समग्र सृस्टी ने जिवन आपे आप्युं छे, अमने अने अमारा परि जनोने जे पण सगां छे के वहाला छे के जे पण देखाय छे ए बधुं आपने आधीन छे, एथी आपनुं रुंण तो कोई उपाये उतरे एम नथी माटे भैंतर ना भावे बे हाथ जोडी

सांसा गडथल सुरज हुं, नित करुं छुं नाथ
जोजे अमणों जोगडा, हरीवर छुटे न हाथ

सांसा गडथल करीये छीये हे नाथ आपने मारां नीत्य वंदन छे.

[7:12 AM, 5/25/2020] Jogidan Gadhvi:

उगे ए पळ आथमे, धखतो एज धरेक
आदीत रूप अनेक, जुवो बतावे जोगडा

हे भगवान सुरज नारायण पृथ्वी गोळ छे, तेमां एक स्थळे आप उदय थता देखाता होव छो, तो एज क्षणे कोई बिजा देश मां आप अस्त थता तो वळी कोई त्रीजा देश मां मध्याहने रही ने धोम धखी रह्या होव छो,आम एकज क्षणे त्रण नोखां नोखां रुपे आप दुनीया सामे होव छो,एवा हे एक छतां अनेक रुपे व्याप्त नारायण मारां आपने नित्य वंदन छे.----

[7:11 AM, 5/26/2020] Jogidan Gadhvi:

कुंवर कासपरा तने, अंग लगी कां आग
जाळे हैयां जोगडा, निज भायुं हो नाग

हे कस्यप ना कुंवर भगवान सूरज नारायण आप ने अंगे अंग मां केम आग लागेल छे? त्यारे सुरज नारायण कहे छे मारा बाप कस्यप ना बिजा संतानो एटले के मारा भायुं जहरीला नाग छे (नव कुळ नाग पण कश्यप ना संतान) जेना पोताना लोको जहरीलां होय ए सदगुंणी ने तो उरमां आगज लागेल होय ने. आम हे पोताना परिजनो ने पण झेरीला होय तो पोते बळी उठे एवा हे निस्कपट नारायण मारां आपने नित्य वंदन छे.--

[5:54 AM, 5/27/2020] Jogidan Gadhvi:

चडिया आधर चाकळो, खिलडो एकज खग्ग
जो तरवुं हो जोगडा, तो, वेलिय करले वग्ग

हे भगवान सूरज नारायण ज्यां सुरता होय त्यां वास थतो होय छे ए आदी नो क्रम छे, आखुं सुर्य मंडळ जोतां एवुं लागे के जांणे विसाळ चाकळो फरी रह्यो छे, बधा ग्रहो घंटी ना पड जेम फरे छे, सुरज नारायण खीलडानी जेम वच्चे स्थिर छे, जे दांणा पड मां होय ई पीसाय छे, खीलडे गया ते साबद रहे छे, आम जो तरवुं होय तो वेळा सर ध्यान खीलडे करवुं जोये, हे नाथ पोते स्थिर रही समग्र मंडळ ने फेरवनार धरुरुप धर्म ने धारण करनार आपने मारां नित्य वंदन छे.---
[6:02 AM, 5/28/2020] Jogidan Gadhvi:

माया ममता मलकनी, कांय न आवे काम
जाग जपीले जोगडा, नित नारायण नाम

हे भगवान सुरज नारायण आ जगत नी वस्तुओ के व्यक्तिओ माटे गमे एम विचारो के मारुं छे, मारुं छे, पण मात्र माया ममता छे, जे सरवे आशा ठगारी निवडे छे, कांय काम नई आवे माटे जागी ने नारायण नुं नाम जपी लेवुं एज हीतावह छे, जे नामे अजामील जेवा असुरोनेय तारी दीधेल, हे नाथ मारां आपने नित्य वंदन छे.--------------------------
[4:34 AM, 5/29/2020] Jogidan Gadhvi:

महा मंडल सर मेरतु, धरम सत्य आधीश
जगी नित्य व्रत जोगडा, सरण नमावत सीश

हे भगवान सुरज नारायण सौथी महा मंडलेश्वर कोई होय तो ऐ आप छो, कारण के सौर मंडल जेवडुं मंडल तो कोई नी फरतुं आंटा नथी मारतु, अने ए सौर मंडल ना ईश्वर आप छो ऐथी आपज ऐ महा मंडल+ईश्वर (मंडलेश्वर) छो, अने हे नारायण हुं नित्य जागी ने सौ प्रथम आपना चरणों मां नमन करी नित्य एक दोहो धरुं छुं, मारा निम ने सदैव जाळवज्यो अने मारा पर अमी नजर बनावी राखज्यो नाथ,भुल थी कदाच कोई भुल थाय तोय क्षमा करता रेहज्यो नाथ, मारां आपने नित्य वंदन छे.--
[6:21 AM, 5/30/2020] Jogidan Gadhvi:

धरम गणीं ने धीरतो, आ, सूरज मोटो शेठ
जमा पुछे ई जोगडा, जद आवे मह जेठ

हे भगवान सूरज नारायण आप समर्थ शेठ छो, जे धर्म गणीं ने प्रकाश फेलावी सौ ने जीवन आपी विना मुल्ये आखुं वरह बधुं धीरो छो, अने जेठ महीनो आवे त्यारे आकरो ताप तपी धरती नुं जळ शोषण करी उधार नी सामे जमा नो चोपडो खोलो छो, अने जेवुं जमा थाय के तरत अहाडे पाछुं अढळक आपी ने नवुं धीरांण करो छो, हे सृस्टीना सौथी सामर्थ्य वान सेठ सुरज नारायण मारां आपने नित्य वंदन छे.--
[7:01 AM, 5/31/2020] Jogidan Gadhvi:

पेखी ने पावन थउं, नित्य परोढे नाथ
सूरज केवो साथ, जग ने आपे जोगडा

हे भगवान सूरज नारायण नित्य परोढे उदय पामी आप जगत ने विना सुवारथ अजवाळुं आपो छो, जगत ना हजारो लोको आप ना तरफ ध्यान पण नथी देता होता तेम छतां कोय नो अवगुण उरमां लाव्या विना आप सतत साथ आपी रह्या छो, एवा हे सदाय जगत ना साथे रेहनार हे नारायण हुं आपने जोई ने नित्य पावन थाउं छुं, मारां आपने नित्य वंदन छे.

[7:26 AM, 6/1/2020] Jogidan Gadhvi:

प्रोढ समे परमेहरा, तुं पथरावे तेज
अहताचळ थी ऐज, जमवे रातुं जोगडा

हे भगवान सुरज नारायण आप नित्य प्रोढ समये पुरव दिशा थी समग्र जगत पर अजवाळां पाथरो छो, अने फरी सांजे अस्ताचळ नी ओथ लई ने रात नो काळो पछेडो धरती पर पाथरी जीव मात्र ने जंपावी दो छो, फरी प्रोढ थये पाछा पधारो छो, आम जागवा सुवा नो ज़िवनो क्रम बनावी तेनुं लालन पालन करनार नारायण आपने मारां नित्य वंदन छे.
[7:29 AM, 6/2/2020] Jogidan Gadhvi:

तारा अजवाळा तणां, मिहिर न थाये मूल
भजे नहीं तो भूल, जिवतर एनुं जोगडा

हे भगवान सूरज नारायण आप ना अजवाळां ए मात्र प्रकास नथी पण एमां जिवन छे, वनस्पति ने विज्ञान नी प्रकास गमे तेटलो आपो तोय तेनाथी प्रकास संस्लेसण करि वृक्ष जीवी न सके, सुरज नुं तेजज जोईये,एमां जिवन छे, अने जे अजवाळामां ज़िवन भरी ने आपे छे ए नाथ ने जे भजे नई एनुं ज़िवन तो भूलज केहवाय,हे नाथ मारां आपने नित्य वंदन छे.
[5:39 AM, 6/3/2020] Jogidan Gadhvi:

पुछी सुरज नी प्रेमथी, वैशम पाये वात
रसभर आखी रात, जणवीं व्यासे जोगडा

हे भगवान सूरज नारायण आप ना बाबते वैशंपायने व्यासजी ने पुछ्युं के आप विसे ते जणांवे, त्यारे व्यासजीये आपने आदी ब्रह्म नुं स्वरुप कही वंदन कर्या अने देवता, जरायुज, अंडज, स्वदेज, अने उदिज्ज सर्व जीवो ना सर्जक पालक पोषक अने हंता आपज छो, एम आपना सामर्थ्य नी रसभर वातो आखी रात महर्षि व्यासजीये कही ऋषी वैशंपायन ने कही, तेवा हे आदिब्रह्म स्वरुप नारायण मारां आपने नित्य वंदन छे.--
[7:46 AM, 6/4/2020] Jogidan Gadhvi:

कोंण जगावी कासपा, आभे ज्योत अखंड
बारे मास ब्रमंड, जे अजवाळे जोगडा

हे भगवान सूरज नारायण आ आभ मां अखंड ज्योती कोंणे प्रकटावी छे, के जेना तेज थी बारेय मास आखुं ब्रह्मांड अजवाळुं पामे छे, अदिति ये पण आपनी उपासना करी ने श्राप मुक्त थवा अंश स्वरूप आपने पुत्र तरिके पामेल पण ए पेहला पण आपतो हताज, तो आप ना मुळ मावतर ने तो कोंण जांणी सके? पण ए छतां एमने अने आपने मारां नित्य वंदन छे.--
[7:00 AM, 6/5/2020] Jogidan Gadhvi:

अमणां लख अवतार नो, पोषक तुं परमेह
जपां नहीं सिद जोगडा, दिण जद मानव देह

हे भगवान सूरज नारायण आ आत्मा तो अमर छे, देह नाशवंत छे, अने आ आत्माये लाखो अवतारो धर्या हशे अने ए दरेक अवतारो मां समग्र जिवो नुं पोशण करनार तो आप एकज छो, वनस्पती हशुं तो प्रकाशसंस्लेसण थी तमे पोस्या हशे, तृणाहारी हशुं तो वनस्पति थी ऐम समस्त अवतारे तमेज पोषक रह्या छो, अने हवे मनखा देह मळ्यो होय, बधा अवतारे तमे पोषण कर्युं होवानी समज मळ्या पछीय अनेक अवतारो ना उपकारो ने भुली ने जे आपने वंदन न करे तो एथी मोटो नुगरो कोंने कही सकाय नाथ? हे नाथ मारां आपने नित्य वंदन छे.--

[6:46 AM, 6/6/2020] Jogidan Gadhvi:

लाजडियुं त्रण लोक मां, राखण हारो रांण
जवाय नइ दे जोगडा, भगतां री पत भांण

हे भगवान सूरज नारायण आ त्रणेय लोक मां जो कोई लाज नो राखण हार होय तो ई आप छो, आप क्यारेय पोताना भक्त नी पत नथी जवा देता (अहीं त्रण लोक नो मारो अर्थ सत्व रज अने तमस छे, भक्त नी धर्म कार्य माटे ईज्जत जाळवो ई सत्व लोक, जगत नी कोई व्यावहारिक बाबते ईज्जत जाळवो रजस, अने भक्त दुभाय अने क्रोध वश कोई श्राप के कवेंण कहे तो ए प्रमांणे घटनाओ करी तेना वेंण ठालां न पडवा दो ई तमस लोक एम त्रणेय अवस्था ना त्रण मनस्वी लोके) आपनुं एकज काम के भक्त नी पत राखवी, एवा हे लाज ना रखोपां करनार नारायण आपने मारां नित्य वंदन छे.--
[7:35 AM, 6/7/2020] Jogidan Gadhvi:

नाथ कही जे ना नमे, काढ्ये सूरज कोर
जांण एवां ने जोगडा, धणीं वगर नुं ढोर

हे भगवान सूरज नारायण आप समस्त जीवोनुं पोषण करनार छो, छतां जे जीव जागी ने आप ने नाथ कही नमन न करी सके ए जीव धणीं वगर ना ढोर जेवो रझळतो जांणवो, जेम रखडु ढोर ने घणां घरे थी रोटली तो लोको खवरावे पण एनुं पोतानुं घर ऐकेय न केहवाय, एम जे जीव आपने सरणे नथी ते एवा नधणींयाता ढोर जेवो जांणवो,आपनो उपकार के अमने आपे आपना सरणागत सख्या;हे नाथ मारां आपने नित्य वंदन छे.------------------------------------
[7:00 AM, 6/8/2020] Jogidan Gadhvi:

सुख प्रतीके सुरज तूं, अति सुखे पण आप
जे पद वंदे जोगडा, एना, प्रजळे सघळां पाप

हे भगवान सूरज नारायण आप सुख नुं प्रतिक छो,अने रात दुख नुं, जेनो सुख नो समय होय तेना माटे फलांणा नो दी छे, एम कही आपने प्रतिक रुप बतावाय छे, अने अति सुख होय तो कहेवाय के सोनानो सुरज उग्यो, एम अति सुख नुं प्रतीक पण आप छो, कारण के नारायण एम नाम लेवाथी अजामील जेवा असुरोनाय पाप बळी ने भष्म थई जता होय..जेनुं नाम एटलुं गुणकारी होय एना दर्शन नी तो शुं वात करवी.. हे नाथ आपने मारां नित्य वंदन छे.--------------------
[7:19 AM, 6/9/2020] Jogidan Gadhvi:

आघा वड नी ओथमां, निकळ्युं धोबे नूर
जांणे रमतो जोगडा, आम, संताकुकडी सूर

हे भगवान सूरज नारायण आ पेला दुर देखाता घटाटोप वडनी पछवाडे थी तेज ना किरणो फुट्या जांणे खोबे ने खोबे कोई तेज उडाडी रह्युं होय, डाळ पान नी घटा वच्चे थी तलकछाया आप देखाया त्यां एम लाग्युं के जांणे दीकरी धरती हारे बाप सुरज नारायण संताकुकडी रमी रहया छे, भाग्यवान दिकरी नेज बाप साथे आम बाळपण विताववानो मोको मळतो होय छे, पुत्री पर अनन्य नेह राखनार हे परमपिता मारां आपने नित्य वंदन छे.----------------------------------

[4:02 AM, 6/10/2020] Jogidan Gadhvi:

सात सुरो छे सुरज मां, सृती बावीस साथ
जांणे तालो जोगडा, नव वीहुं जग नाथ

हे भगवान सूरज नारायण आप ना मुख थकी शामवेद निकळेल छे,जे संगीत नो वेद छे, एथी सात सुरो अने बावीस श्रृती यो पण आप थकी छे,वळी आप नव वीसुं एटले 180 ताल (भरत मुनी कहे छे ते प्रमांणे 60 मार्ग ताल,अने 120 देशी ताल एम कुल 180 ताल)ना जांणतल छो.
आजे संगीत मां दस थाट बिलावल, कल्याण, खमाज, काफी, भैरव, मारवा, आशावरी, पुर्वी, भैरवी अने तोडी एम दस थाट,(हिन्दुस्तानी संगीत मां जुना 32 थाट छे,कर्णाटकी संगीत मां 72 थाट, पण हवे उपयुक्त मात्र आ 10 थाटज छे)आम 180 ताल सात सुर अने बावीस श्रृतीयो ना जांणतल महा संगीतज्ञ सुरज नारायण मारां आपने नित्य वंदन छे.
[7:05 AM, 6/11/2020] Jogidan Gadhvi:

घट्ट कहुंबो घुंटियो, एनो, रंग उड्यो नभ रांण
जिवे कसुंबल जोगडा, भड़ अमलियो भांण

हे भगवान सूरज नारायण आप सवारे निकळतां पेहला एकाद घोबो कहुंबानी अंजळी लेवा घाटो कहुंबो घुंटाव्यो हशे जेनो रंग आभ पर उड्यो ने आभनी आंखमां लालाश आवी गई, आखी पुर्व दीशा मां लालप देखांणी, एवा हे कहुंबल जिवन ना जिवननार भड़ अने अलौकिक अमलीया नारायण मारां आपने नित्य वंदन छे.------------------------------
[7:23 AM, 6/12/2020] Jogidan Gadhvi:

असत कदी ना उचरुं, ग्रज कज रचुं न गांण
जपुं ईष्ट हर जोगडा, ई, रखव खुमारी रांण

हे भगवान सूरज नारायण हुं क्यारेय मारा नीज सुवारथ माटे असत्य न उचरुं एवी खुमारी रखवजे नाथ तथा मारा कुळ ना ईष्ट एटले के जगदंबा अने शिव (सुर्यो शिवम,शिवो सुर्यम)ना जाप जपुं तथा गरज थी कविता न करुं के लोभ के लालचे हुं कोय ना वखांण न करुं अर्थात मने गरज न पडे लाचारी नी कोय स्थिति न आवे एवा आशिस देजो हे नारायण आपने मारां नित्य वंदन छे.--
[7:19 AM, 6/13/2020] Jogidan Gadhvi:

सूर तनूजा सोभती, ओढण लीलुं ओढ
जोइ खुशी ऐ जोगडा, पेरंभ नाथ परोढ

हे भगवान सूरज नारायण आप नी तनूजा (धरती) लीलुं ओढणुं ओढी ने सोभी रही छे, जे जोई ने आप परोढ ना प्रहरे खुशी व्यक्त करी रहया छो, दीकरी आनंद मां होय एथी विसेस खुशी बाप ने बीजी शुं होय. आपनी पुत्री छे धरती पण अमारे तो ई मां छे, अने चारण तो मां नो उपासक

सुंणसे मोटा साखरो, वण पढ्या नी वात
ज्यां लग रेशे जोगडा, मुख चारण ने मात

अने चारण वण पढ्यो एटले के भण्या वगर नो अभण होय तोय मोटा साक्षरो एने सांभळशे अने त्यां सुधी सांभळता रेहशे ज्यां सुधी चारण ने मोढे मां हशे. चारण मां भुल्यो एटले भव भुल्यो, हे नारायण चारण कोयदी मां ने न विहरे ऐवा आसिस देजो मारां आपने नित्य वंदन छे.--

[9:44 AM, 6/14/2020] Jogidan Gadhvi:

द्रग दिनकर नभ देखतां, जौ वंदत हथ जोड
ज्योत पूंज सुर जोगडा, करत पूरण हर कोड

भगवान सुर्य नारायण ने आकास मां जोई ने जे बंन्ने हाथ जोडी ने वंदन करे छे तेना तमाम कोड/ अरमान ज्योत पुंज समान नारायण पुर्ण करे छे सुर्य नारायण ना चरणो मां मारा नित्य वंदन छे.

[6:50 AM, 6/15/2020] Jogidan Gadhvi:

आभ भरी ने आपतो, रुडुंय जीवन रांण
जळ चडावुं जोगडा, भगती भावे भांण

हे भगवान सूरज नारायण आप आखुं आभ भरीने जीवन वरहावो छो एमांथी एक कळसीयो भरी ने जळ अमे आपने चडावीये ए कंई धर्युं होवानो भाव नई पण मात्र भक्तिभाव मानज्यो प्रभु कारण के तमेतो एक सेकंडमां करोडो कळस्या धरती पर रेडी पशु पक्षी वनस्पती अने मनुस्य ने जीवन आपो छो, आपने मारां नित्य वंदन छे.

[7:03 AM, 6/16/2020] Jogidan Gadhvi:

ऐकज दी जो ना उगे, नवखंड कंपे नाथ
जोडवा मंडे जोगडा, हिंदुन मुल्ला हाथ

हे भगवान सूरज नारायण आप जो ऐकज दिवस न उगो तो नवखंड धरती कंपवा मांडे जेम वरसाद पंदरदी पाछो खेंचाय अने मंदीरो मां धुन बेहीजाय छे, एम आप खाली एकदी न उगो तोय दुनिया हाकाबाका थई जाय अने पछी हिन्दू ने मुस्लिम बधाय हाथ जोडी ने पोतपोतानी भाषा मां प्राथनायुं करवा मांडे पण पोतानुं महत्व देखाडवानो एवो खोटो देखाडो आपने आवडतो नथी आप तो कोई नमन करे के न करे पोतानी फरज ने चुकता नथी एवा दंभ रहीत नारायण आपने मारां नित्य वंदन छे.

[6:05 AM, 6/17/2020] Jogidan Gadhvi:

प्रलय हजारो पेखीया, नेंणे सूरज नाथ
हर माळा लइ हाथ, जपवा बेठो जोगडा

हे भगवान सूरज नारायण आप तो युगो थी आभ मां बिराजो छो, अने एटले आपे धरती पर ना हजारो प्रलय अने फरी पाछी सरु थती जीव सृस्टीने नजरे जोई छे, एथी तो आप अडग आसन जमावी ॐकार ना जप साथे एक आसने तपस्या आदरी जांणेके बिराजमान थया छे, जगत आखाने जिवाडता होवा छतां हुं कार नो कोई रणको नथी अने अहम थी अल्पित छो एवा हे नारायण मारां आपने नित्य वंदन छे.

[7:08 AM, 6/18/2020] Jogidan Gadhvi:

आप बळे अजवाळतो, जळ जळ वेरे जान
जग्ग जिवाडण जोगडा, भांण खरो भगवान

हे भगवान सूरज नारायण आप एकतो आप बळे (पोते बळी ने अने पोताना बळ थी)धरती ने अजवाळो छो, तथा जळ जळ(जळ=जळी ने ,बळीने, जळ= एटले पांणी)जीवन वेरो छो, हे जगत ने जिवाडनार नारायण जे जिवन आपे एज खरो भगवान केहवाय एम आपज साचा भगवान छो, वेद पण एमज कहे छे.
भग एव भगवाँ अस्तु देव: सन्नी भग पुर एताम् मव, (अथर्ववेद.3/16/5)
सुवाती सविता भगः (ऋग्वेद,7/66/4)
आम वेदोये पण आपने भगवान कह्या छे, हे नारायण मारां आपने नित्य वंदन छे.

[5:22 AM, 6/19/2020] Jogidan Gadhvi:

आभ वचाळे ऐकलो, रोइ लिये छे रांण
जोइ बळे नभ जोगडा, भुंडा करमो भांण

हे भगवान सूरज नारायण आप आभ वच्चे एकला उभा उभा धरती पर ना भुंडा करमो ने जोई ने केटलीय वखत रडता हशो, सीता धरती मां समाय के द्रोपदी ना चीर झोटांय, के पछी मीरां ने झेर पाय, केटलीय वार तमे एकला रड्या हशो. आ बधुं जोई ने आप आभ मां बळी रह्या छो. आपनी पीडा ने समजी सकुं छुं नाथ. आप ने मारां नित्य वंदन छे.
[7:02 AM, 6/20/2020] Jogidan Gadhvi:

सरजक ने तुं सरजतो, नांभी कमळे नाथ
जोइ इने नत जोगडा, हरखी जोडो हाथ

हे भगवान सूरज नारायण आ समग्र सृष्टि नुं जेणे सर्जन कर्युं ई ब्रह्मा नारायण नी नांभी कमळे थी उत्पन्न थया छे, अर्थात सर्जक नो सर्जक पण नारायण आप छो, अने ई आपने नित्य सामे जोई ने जे प्रभाते हाथ न जोडे ई तो कोई अजड अने महा मुरखोज होई सके, हे नारायण मारां आपने नित्य वंदन छे.---
[5:36 AM, 6/21/2020] Jogidan Gadhvi:

कांकण थइने कोकदी, आइ रिझावत आभ
लाख घणों सुर लाभ, जप थी आपे जोगडा

हे भगवान सूरज नारायण आप नित्य वत तो जगदंबा ना आभ रुपी आळीया नो दीवडो थई पराम्बा ने सेवता होव छो, तो हे नाथ क्यारेक जगदंबा ना हाथ ना कांकण तरफ ध्यान जाय ने आप कांकण बनी (कांकण वत ग्रहण)बनी पोते पीडा वेठी ने पण जोगमाया ने रीझावो छो ते समये करेल एक जाप हजार जाप जेटलुं फळ आपे छे, एवो सिद्ध समय देनार हे नाथ मारां आपने नित्य वंदन छे.---
[6:32 AM, 6/22/2020] Jogidan Gadhvi:

आप थकी जे ऊजळां, आडां थाशे ऐह
जणवे सूरज जोगडा, धोखा कांव धरेह

हे भगवान सूरज नारायण जे चंद्र आपना अजवाळाथी उजळो थई पोतानुं अस्तित्व धरावे छे,ईज तमारा मारग मां आडो फरी ने ग्रहण लगाडे छे, गई काले ग्रहण थी आपे ए सिखव्युं के जे तमाराथी उजळा होय ईज तमारा पर काळा दाग लगाडवा आडा आवे छे, तोय धोखो कर्या वगर आप मोटुं मन राखी फरी एने अजवाळां दियो छो,माफ करी देवानो महान गुंण सिखवनार नारायण मारां आपने नित्य वंदन छे.--
[7:19 AM, 6/23/2020] Jogidan Gadhvi:

समरे पेला सुरज ने, पछी धरे धर पग्ग
जुंड हणें सुंण जोगडा, नाथ उगारे नग्ग

हे भगवान सूरज नारायण जे आपनुं समरण कर्या पछीज धरती पर पग मुके छे एना पर आप क्यारेय विपदा नथी आववा देता अने जो आवी पडे तो जेम आप जमता जमता उभा थई ने दोडी ने जुड़ ने मारी ने हाथी ने उगार्यो हतो एम उगारी ल्यो छो, हे नारायण मारां आपने नित्य वंदन छे.--

[6:26 AM, 6/24/2020] Jogidan Gadhvi:

पंखी आभ पुकारता, सूरज नी छडीयु
रांण ई रातडीयु, जोई सके ना जोगडा

हे भगवान सूरज नारायण आ पंखीडां आभ मां आपना आगमननी छडी पोकारता गीतो गाई रहया छे, पुर्व दीशा मां सोनेरी दोरा फुट्या छे, एकाद दीशा नई पण आखु आभ अने धरा बधुंय जेना आगमन थी उजळुं थयुं छे, आ द्रस्य ने जे पोताना हैया मां काळप लई ने बेठेली छे ई रात क्यांथी जोई सके? अंतर चोखुं होय तो अजवाळां थाय. एवा हे अजवाळा ना करनार नारायण मारां आपने नित्य वंदन छे.---
[7:23 AM, 6/25/2020] Jogidan Gadhvi:

तुं ज दीये करमो तणां, भलां बुरां फळ भांण
जरा नमे नइ जोगडा, पाकांय तुल प्रमांण

हे भगवान सूरज नारायण आप दरेक ने जेनां जेवां कर्म होय ए प्रमांणे भला ना भलां अने बुरां ना बुरा फळ जोखी ने जराय नमे नई एम सौने भोगववा आपो छो, एवा हे सौना लेखां जोखां करनार नारायण मारां आपने नित्य वंदन छे.

[7:27 AM, 6/26/2020] Jogidan Gadhvi:

अवगुण भुलीन आपवुं, नीत अनोखुं नूर
जगत्त जेवुं जोगडा, सिद थावुं क्हे सूर

हे भगवान सूरज नारायण आप ने आ जगत ना लोको नमन करे के न करे के पछी गमे तेटला अवगुण करे तोय आप ए बधुं भुली ने नीत्य नवुं नुर वरहावी अजवाळां पाथरो छो, जांणे के आप एम सिखवता होय के आपडे दुनिया जेवुं थोडुं थवाय अजवाळां करवानो धर्म आपडे न चुकवो एवी मौन सिखामण देनार नारायण ने मारां नित्य वंदन छे.
[6:22 AM, 6/27/2020] Jogidan Gadhvi:

परम कृपा ये पावियां, भगती अमरत भांण
जिवन सुधार्युं जोगडा, बहुं, रेम करी तें रांण

हे भगवान सूरज नारायण आपे परम कृपा करी ने अमने भक्ति ना अमरत पायां के जेथी आ जिवन सुधर्यु हे नाथ ज्यारे ज्यारे आपने याद करु छुं त्यारे आपनी एक अद्रस्य निकटतानी अनुभूति थाय छे, हे नारायण आवी रेम अने कृपा द्रस्टी कायम राखज्यो मारां आपने नित्य वंदन छे.---
[7:22 AM, 6/28/2020] Jogidan Gadhvi:

आभे मेनत आदरे, आ, पाळी बे परमांण
जोइ रहे कीं जोगडा, भुख्यां बाळक भांण

हे भगवान सूरज नारायण आप आभ रुपी खेतर मां ब बे पाळी मेहनत आदरो छो, सवारथी सांज सुधी अहीं अमारे माटे आभमां अजवाळां करी धोम तपीने धरती पर दांणो पांणी मळीरहे ए मेहनत आदरो छो,अने जेवी अहीं सांज ढळे के धरती ने बिजे पडखे रहेल छोरुडां माटे त्यां तपो छो,जांणे ई बीजी पाळी आप करता हो, आम जगत ना जिवो ने जिवाडवा अने ई बाळको भुख्या न रहे ए माटे बे बे पाळी वगर सुते मेनत करी बाप नी फरज निभावो छो तेवा हे नारायण आपने मारां नित्य वंदन छे.---

[7:22 AM, 6/29/2020] Jogidan Gadhvi:

व्योम ढके लख वादळां, तोय तजे नइ टेक
अडग मनो तुं ऐक, जोयो सुरज जोगडा

हे भगवान सूरज नारायण जगत ना बहादुर मां बहादुर लोको ने पण विपद ना बे चार वादळ घेराय त्यारे मन डगावता अमे जोया छे, आप तो एवा अडग मन ना छो के आभ मां आपने पुरी रीते ढांकी देवा काळा वांदळां भले लाखोनी संख्या मां ऐक थई ने आखुं आभ ढांकी दे पण आपनी उगवानी टेक नथी मुकता, पोताना समये उगीने जगत पर कायम अजवाळां पाथरवानी टेक ना अडग धारक नारायण मारां आपने नित्य वंदन छे.--
[7:23 AM, 6/30/2020] Jogidan Gadhvi:

दिनकर जो तपनो दिये, लोक त्रणे ने लाभ
जोगिय बेठो जोगडा, अलख जगावे आभ

हे भगवान सूरज नारायण आप आपनी तपस्या ना तेज नो लाभ त्रणेय लोक ने आपो छो, आपना अजवाळाथीज जिवन सक्य छे, एवा हे सौने जिवन देनार जोगीराज आप आभ ना आसने बेसीने हठ योगी नी जेम एकज आसने अलख जगावी रहया छो, आपने मारां नित्य वंदन छे.---
[6:37 AM, 7/1/2020] Jogidan Gadhvi:

नारायण ना नामथी, मारे, पडतुं रोज प्रभात
विषय जगत नी वात, जिभे न भाळी जोगडा

हे भगवान सूरज नारायण आप ना नाम थी मारे नित्य सवार नी सरुवात थाय छे, मारे नाम लेवानो प्रयत्न नथी करवो पडतो आपोआप जिह्वा पर आपनुं नाम बिराजीत थयेल होय छे, क्षण भंगुर संसार नी के विषयवस्तु नी कोई वात जिभे नथी आवडी दया माटे हुं कृतकृत्यता अनुभवुं छुं.हे नाथ कृपा कायम राखज्यो मारां आपने नित्य वंदन छे.------
[7:55 AM, 7/2/2020] Jogidan Gadhvi:

कान अकोटे कामनी, गाय वलोंणा गीत
जाग्यां पंखी जोगडा, रांण उग्या नी रीत

हे भगवान सूरज नारायण आप सवार मां हजी उगवानी तैयारी करी रहया होय त्यारे,एक तरफ कान मां अकोटा पेहरेल बायुं छाछ वलोववा वलोणा फेरवती प्रभाती गाती होय अने बीजी बाजु पंखीडा जागी ने मीठा टहुकार करता होय, आ बधुं आपना उगवा ना स्वागत गीत जेवुं लागे,एवा प्रकृति ना प्रांण स्वरुप भगवान नारायण ने मारा नीत्य वंदन छे
[7:30 AM, 7/3/2020] Jogidan Gadhvi:

पुछुं रनां शुं पुजतां, भांण मळ्यो भरथार
दुनिया नी दरकार, जे नित राखे जोगडा

हे भगवान सूरज नारायण ना धर्म पत्नी रन्नांदे आपे केवि रीते अने कोनी पुजा करी के आपने भगवान सूरज नारायण जेवा पति मळ्या के जेने आखी दुनिया वंदन करे छे, एनो ताप सहन करनार आप पण महान छो, आप सजोडा ने वंदन सह नारायण ने मारा नीत्य वंदन छे.---

[7:08 AM, 7/4/2020] Jogidan Gadhvi:

तुं आये कस्यप तणां, जपट अंधारा जाय
जोर उमंगे जोगडा, गीत पंखीडां गाय

हे भगवान सूरज नारायण आप ना आववाथी अंधकार नो विलय थाय छे, अजवाळां पथराय छे, जेथी पंखीडां भय मुक्त थई जोश मां आवी अत्यंत आनंद मां नरतन करता उचे आभ उडी आपना गीतो गाई ने पोतानो हरख व्यक्त करे छे, एवा हे अंधकार हटावी अभय करनार नारायण आपने मारां नित्य वंदन छे.

[6:22 AM, 7/5/2020] Jogidan Gadhvi:

दरशन तमणां देव हुं, करुं नित्य किरतार
जग पालक सूर जोगडा, वंदन लाखो वार

हे भगवान सूरज नारायण हुं आपना नित्य दर्शन करी सकुं ए माटे आपे आंखो नुं तेज आप्युं छे, हैया मां भाव दिधो, काव्य नी स्फुरणा दीधी तेमज जगत आखाने जिवतर दीधुं एवा हे जगतना पालणहार आपने मारां नित्य वंदन छे.

[6:05 AM, 7/6/2020] Jogidan Gadhvi:

उपर ज्वाळुं आगनी, अने, भेंतर हैये भेज
जोयु अमे ना जोगडा, ताराय जेवु तेज

हे भगवान सुरज नारायण आप ने कोई उपर उपर थी जुवे तो एने मात्र अगनजवाळुंज देखाय छे, पण जेवी आपथी निकटता साधे के तेने आपना हैयानी भीनाश नो भेज भिंजवी नाखे छे, अने आप समान तेजस्वीता अमे क्यांय जोई नथी हे नारायण मारां आपने नित्य वंदन छे.

[7:34 AM, 7/7/2020] Jogidan Gadhvi:

उडेय त्यां लग आपने, भजता रेवुं भांण
जाड़ काया पर जोगडा, पंखी बेठल प्रांण

हे भगवान सूरज नारायण आ सरीर ना कोय भरोंहा नथी, हालता चालता मांणह ने क्यारे हरी नुं तेडुं आवे कांय नक्की नथी, काया ना झाडवा माथे ज्यां लगी आ प्रांण नुं पंखी बेठुं छे त्यां लगी नी आ माया छे, हे नाथ आ पंखी उडे त्यां सुधी अमे आपने भजता रहीये एवा आशिस देजो आपने मारां नित्य वंदन छे.

[4:57 AM, 7/8/2020] Jogidan Gadhvi:

करज्यो रक्षण कासपा, नमवुं मस्तक नाथ
हेत भर्यो तव हाथ, जाळवजो सर जोगडा

हे भगवान सूरज नारायण आप ने मस्तक नमावी वंदन करीये छीये हे नाथ आप सदाय हेत भरेलो हाथ अमारा मस्तक पर जाळवी राखज्यो अने अमारुं सहपरिवार रक्षण करज्यो कोय ने आंख माथुंये दुखवा न देता हे नारायण आपने मारां नित्य वंदन छे.

[8:16 AM, 7/9/2020] Jogidan Gadhvi:

आभ रणां नुं आभरण, तेज हथां तरवार
जग्ग रखोपे जोगडा, एकलियो असवार

हे भगवान सूरज नारायण आप आभ रुपी रण नुं आभरण एटले के सोभा छो, हाथ मां तेज नी तरवार धरी ने अंधकार ने हटावी पोताना किरणो थी रोगचाळा ना किटाणुं नो नाश करी जगत नुं रखोपु करनार एकलीया असवार एवा हे नाथ मारां आपने नित्य वंदन छे.

[8:01 AM, 7/10/2020] Jogidan Gadhvi:

हैया मां नित हालतुं, समरण तारुं सूर
जेनुं वरहे जोगडा, नवखंड माथे नुर

हे भगवान सूरज नारायण अमारा हैया मां सतत आपनुं समरण चाले छे, आ नवखंड माथे आपनुंज नुर वरही रह्युं छे, आपने मारां नित्य वंदन छे.

[8:22 AM, 7/11/2020] Jogidan Gadhvi:

आभ जेवा आ आभले, नवलख तारा नाथ
होय सुरज ने हाथ, ज्योत प्रभातुं जोगडा

हे भगवान सूरज नारायण आ आखा आभ जेवडा मोटा आभ मां (आभ ने आभनीज उपमा, अनन्वय अलंकार) नवलाख तारा ओ हशे(असंख्य संख्या बताववा माटे वपरातो आंक नवलाख, नवलाख नी फोज, नवलाख माताजी, वगेरे) पण ई एके परोडीयुं करी सके एवुं तेज नथी धरावता, एवा तो मात्र नारायण आप ऐकज छो, आपने मारां नित्य वंदन छे.
[4:45 AM, 7/12/2020] Jogidan Gadhvi:

उठ्याय भेळो आपने, हणगभ जोडुं हाथ
नातो कायम नाथ, जाळवजे तुं जोगडा

हे भगवान सूरज नारायण (हिरण्यगर्भ सुर्य ना हजार नाम मां एक) हुं जागतां वेंत आपने हाथ जोडुं छुं, स्मरण तो जागुं ते पेहलाथीज कदाच चालु होतुं हशे कारण के जागुं छुं त्यारे आपनुं नाम तो अंतरपट मां उच्चार चालुंज होय छे एटले स्मरण क्यारे सरुं थाय छे ए तो खबर नथी पण हाथ जोडुं त्यारे हुं श्रद्धा पुर्वक सभान होउं छुं,हे नाथ आपथी आत्मीयता नो आ नातो कायम राखज्यो मारां आपने नित्य वंदन छे.--
[7:19 AM, 7/13/2020] Jogidan Gadhvi:

आभ बिराजी ऐकलो, खग्ग जणांवे खेल
जावुं ऐकल जोगडा, माया ममता मेल

हे भगवान सूरज नारायण आप आभ मां एकला रही ने आखो खेल समजावो छो के आखरे एकलाज जवानुं छे कोय हारे नथी आववानुं तो पछी खोटी माया ममता सीद राखवी? संतानो पण परणी ने पोताना परिवार मां लीन थई जसे माटे माया ने ममता मुकी अंतर पट पर आसन जमावी अलख आराध एम मोह त्याग नी सिख देनार नारायण ने मारां नित्य वंदन छे.

[2:17 AM, 7/14/2020] Jogidan Gadhvi:

तें धर ने जननी तणीं, खे पत रखी न खोट
दइ नत प्रोढे दोट, जतन कर्यां बउ जोगडा

हे भगवान सूरज नारायण आ धरती आपमांथी अलग पडी छे, आपनो अंश छे, अने आपे क्यारेय एने मां नी खोट सालवा नथी दीधी एनुं एक पडखुं मांड रातनुं झोलुं लईले त्यां तरत परोढ थई तेनी सनमुख आवी तेनुं जतन करो छो,

मलक तणीं धर मावडी, मां ने मळी न मात
विहरावी दे वात, एवो, जनक सुरज जोगडा

मलक आखानी मां धरती छे, पण ई मां ने कोय मां नथी ऐ जगत ने यादेय नथी कारण के एनो सुरज जेवो बाप छे, एकपळ पण आप निंदर नथी मांणता, बापनी फरज बजाववा मां जेनो जोटो न मळे
तेवा हे नारायण मारां आपने नित्य वंदन छे.

[6:31 AM, 7/15/2020] Jogidan Gadhvi:

आभ धणीं छो आप तो, परब्रह्म तणुं प्रतिक
ऐथीय नाथ अधिक, जगना पालक जोगडा

हे भगवान सूरज नारायण आप तो आभ ना धणीं छो आप परब्रह्म ना प्रतीक रुप छो, अने कदाच परब्रह्म तरीके कोय न मानी सके तो जगत ना पालणहार आप छो ए रीते तो एणे वंदवाज पडे, अने छतां जे नथी वंदी सकतो एनाथी हिंणभागी बिजो कोंण होई सके, अमपर आपनी कृपा छे के अमे रोज आपने वंदन करी सकीये छीये मारां आपने नित्य वंदन छे.
[6:53 AM, 7/16/2020] Jogidan Gadhvi:

आभा बाढे आभनी, सूर बनीं सणगार
ज्यो शुभवंती जोगडा, नित्य करंती नार

हे भगवान सूरज नारायण आप आभ नो सणगार बनी आभनी आभा वधारो छो, जे आभ पोते नान्येतर जाती छे (आभ केवो के केवी एम स्त्री के पुरुष नई पण केवुं नान्येतर छे) छतां एनो आप सणगार बनी जगत नी पक्षपाती धृणा नो सिकार न थवादई नित्य तेनो सणगार थई उद्धार करो छे,
एवा हे तरछोडायेल ने पण तारवा वाळा नारायण मारां आपने नित्य वंदन छे.

[11:22 AM, 7/17/2020] Jogidan Gadhvi:

नित नारायण नेहथी, रटीये सुरज रांण
भलेन तबियत भांण, जरजर होती जोगडा

हे नारायण अमारी तबीयत सारी न होय तोय जागीने आपने वंदन करीये छीये. आपने नित्य वंदन छे.

[7:06 AM, 7/18/2020] Jogidan Gadhvi:

कच्छ स्वरुपे काशपा, भजता तमने भ्रम
कहे सृजन नो क्रम, जगपत धारो जोगडा

हे भगवान सूरज नारायण तैतरेय उपनिषद मां आपना जन्म नी कथा छे ते प्रमांणे ब्रह्मा सृस्टीना सर्जन अर्थे तपस्या करता हता ते वखते काचबो पांणी मां तरतो जोई ने कहे के आ माराथी सर्जन थयो? त्यारे काचबाये कह्युं के हे ब्रह्मा जेदी तमारो जन्म नोहतो त्यारनो हुं छुं. पछी ब्रह्मा ने ज्ञान थयुं ने वंदन कर्या त्यारे नारायणे विश्वरुप दर्शन आप्या अने जगत सृर्जन नी पोतानी ईच्छा पुरण करवा आशिस माग्या तथा हे प्रभु हवे आपज जगत सृजन नो क्रम हाथ धरो. अने नारायण आशिस आपी पुर्व दीशा मां जई तेज पुंज रुपे दर्शाया ऐ नारायण ना अमे नित्य दर्शन करी सकीये छीये एवां सदभाग्य देनार हे नाथ आपने मारां नित्य वंदन छे.

[6:28 AM, 7/19/2020] Jogidan Gadhvi:

उषा न संध्या ओपतां, ई, रंग तमारा रांण
जग ने मोहे जोगडा, भलो चितारो भांण

हे भगवान सूरज नारायण आ उषा (सूर्योदय) अने संध्या (सूर्यास्त) जे मनमोहक रंगोथी आखा जगत मां सौंदर्य नुं केन्द्र बने छे एनुं मुळ कारण आप छो,आपना हईन ए लालपीळां,वादळां मां जे रंगो ना पिंछा फर्या छे ए रंगो तो आपनाज छे उडता पंखी पण आपना अजवाळा ने लीधे पडता एनाज पडछाया थी काळो रंग धरी चित्र नी शोभा वधारे छे आम आप तो त्रिलोक मोहक चित्रकार छो नाथ आपने मारां नित्य वंदन छे.

[5:08 AM, 7/20/2020] Jogidan Gadhvi:

काळी हबसी कोयदी, जो, रुदीये आवे रात
जपशो सूरज जोगडा, तां, पडशे फट्ट प्रभात

हे भगवान सूरज नारायण दुनीया नी मोहमाया रुपी काळी हबसी जेवी रात(कारण के मोह माया वाळाने एनी पार नुं कांय देखातुं नथी एथी एने काळी हबसी जेवी रात नी उपमा) कोईदी जो रदय पट ने घेरवा आवे तो आपनुं नाम जपियें के तरत प्रभातना प्रहर वाळु खुल्लुं आकास आप करी दीयो एवा सक्षम छो, अने अमे डरेला छीये नाथ ए अंधकार क्यारेय जोवा न मळे एटले नित्य आपनुं नाम लई सतत सवार मां जिवियें छीये, एम परा ना परोढीयां करनार नारायण आपने मारां नित्य वंदन छे.

[7:55 AM, 7/21/2020] Jogidan Gadhvi:

ऐक ग्रभाग्रह आभमे, आदीत लिंगम् आप
बे हथ जोडी बाप, जपीयें सुरज जोगडा

हे भगवान सूरज नारायण आभ रुपी गर्भ गृह आदिकाळ थी जे अडग स्थपायेल तेजपुंज समुं आदि शिव लिंग छे ते आप छो, आपना ए शिव स्वरूप ने आजे श्रावण नी नमन करुं छुं आपने मारां नित्य वंदन छे.

[8:04 AM, 7/22/2020] Jogidan Gadhvi:

आदी शिव आदित्यतुं, करता पेहलो कौ
सूरज कहीने सौ, जळ चडावेय जोगडा

हे भगवान सूरज नारायण आप आ जगत नी जीव सृष्टि नी पण पेहला आप छो एवा हे आदी शिव ना स्वरुप जे शिवलिंग धरतीपर छे तेने तो लोको मंदीरे जई जळ चडावे छे, ज्यारे आप आभे होव छो तो आप सामुं ध्यान करी सौ आपने हे नाथ हुं छुं रज(हुं तो तारी रज छुं) .. ने तमे सूर (देव) ज छो एम कही जळ चडावी शिव नमन करे छे एवा हे नभनाथ आपने मारां नित्य वंदन छे.

[8:09 AM, 7/23/2020] Jogidan Gadhvi:

आप धुरा थइ ओपता, ग्रहो करी गतिमान
सूरज शिव समान, जडधर बिजो न जोगडा

हे भगवान सूरज नारायण आप आभ मां धरी बनीने बेठा छो अने बधा ग्रहो ने आपनी फरता गतिमान धारण कर्या छे, ग्रहो छे एमां पृथ्वी पण छे, ए ग्रहोमांथी भले चैतन उत्पन्न थतुं होय पण छतां ई पोते तो जड केहवाय छे, आथी एने धारण करनार एक आप जडधर छो, चंद्र ग्रह ने जटामां धरनार एक शिव जडधर छे ए सिवाय बिजो कोई जडधर नई.. एवा हे बंन्ने जडधर शिव अने सुरज ने मारां नमन सह नित्य वंदन छे.

[7:18 AM, 7/24/2020] Jogidan Gadhvi:

तारी जे भगती तणों, तन मन लाग्यो तार
काठ लगी किरतार, जोजे छुटेन जोगडा

हे भगवान सूरज नारायण तमारी भक्तिनो तार आ जे तन मन ने लाग्यो छे, ई तार ज्यां लगी आ काय काठ ने न मळे त्यां लगी छुटे नई एवा आशिस देज्यो मारां आपने नित्य वंदन छे.

[8:04 AM, 7/25/2020] Jogidan Gadhvi:

पुष्य योग शिव पंचमी, श्रवण द्रशन शुभ सूर
जळ घर वंदे जोगडा, पुन्य फुरण भर पूर

हे भगवान सूरज नारायण आजे सुर्य पुष्य नक्षत्र पद मां छे, योग शिव छे, उजळा पखा नी पंचमी छे, वळी श्रवण जेवो पवित्र महिनो ने एमां सुरज नारायण ना शुभः दर्शन करी जे जळ चडावे एनांतो जांणे पुण्य फळ्यां केहवाय, हे नाथ मारां आपने नित्य वंदन छे.

[8:10 AM, 7/26/2020] Jogidan Gadhvi:

शिव शंभु हर शंकरा, भव गौरी प्रिय भांण
जडधर सब रुप जोगडा, रम्य द्रशन किन रांण

हे भगवान सूरज नारायण आपे शिव, शंभु, हर, रुद्र, शंकर, भव, गौरीपति, जडधर, आदी सर्व शिव ना प्रत्यक्ष रुपे रम्य दर्शन करेल छे अने एमनी जिवन लीलाओ नजरे निहाळेल छे एवा हे नाथ मारां आपने नित्य वंदन छे.

[9:13 AM, 7/27/2020] Jogidan Gadhvi:

आडंबर वण आवतो, सजे नही सणगार
तोय
आभे तेज अपार, जिवन केरुं जोगडा

हे भगवान सूरज नारायण आप कोई आडंबर कर्या वगर आवो छो, वळी कोई सणगारो सजी ने कोई ने आंजी देवामां पण मानता नथी, पण तेम छतां आपना जिवन नुं तेज एवुं छे के कोई आंख न मिलावी सके. एवा हे नारायण मारां आपने नित्य वंदन छे.

[7:23 AM, 7/28/2020] Jogidan Gadhvi:

अवर ने अंजवाळतो, अने, तारांन दितो ताप
जगत जेवुंय जोगडा, तुं, बधुं न सिखतो बाप

हे भगवान सूरज नारायण आप अन्य ग्रहो ने सुंदर अजवाळा आपी पोतानुं नाम करो छो, पण आ धरती ना जाया बधा तो तारा पोताना छे, एमने धोम तडको आपो छो, आवुं जगत ना मांणहजेवुं बधुं तमे न सिखता, आपनी उदारता पोतानाओ पर वरहावता रेहज्यो मारां आपने नित्य वंदन छे.

[7:23 AM, 7/29/2020] Jogidan Gadhvi:

विश्वा मित्रे वंदीयो, गायत्रयी शुभः गांण
जो चत वेदे जोगडा, भूः भर्व स्व: भांण

हे भगवान सुर्य नारायण सौथी प्राचीन ग्रंथ ऋग्वेद मां पण बीजुं स्वर्ग बनाववा सक्षम विश्वामित्रजीये पण गायत्री मंत्र कही ने तने वंदन कर्यां छे. जेना मंत्र चारेय वेद मां समाविष्ट छे, एवा नारायण आपने मारां नित्य वंदन छे

[4:27 AM, 7/30/2020] Jogidan Gadhvi:

आग लगाडे अवरने, एवा, मलकेय कैक मळे
पण
बीजांय काज बळे, एवो, जोयो सूरज जोगडा

हे भगवान सूरज नारायण आ जगत मां बिजां ने बाळवा वाळा तो करोडो छे, पण जे बिजा ने अजवाळुं देवा पोताने बाळे एवा तो आप एकज छो, हे नाथ आपने मारां नित्य वंदन छे.

[7:55 AM, 7/31/2020] Jogidan Gadhvi:

पोताना ने पालवे, सो, गगन वसे लख गऊ
सुरज जेवुंय सऊ, जिवी सके नइ जोगडा

हे भगवान सूरज नारायण आप पृथ्वी थी लाखो गाउ दुर छो पण तोय आप आपना अंश धरती ने अने तेना परनी जीव सृस्टीने पोतानी छे एथी पाळो छो, पोतानो भाई अरुण पांगळो होवा छतां रथ मां हारे राखी पाळो छो, हे नाथ आपनी जेम बीजुं कोंण जीवी सके? सारी वातु तो सौ करे पण ए प्रमांणे जीवन होय ई जरुरी छे, ऐवी सिख पोताना जिवन द्वारा देनार नारायण ने मारां नित्य वंदन छे.

[7:36 AM, 8/1/2020] Jogidan Gadhvi:

हरी हरी थै ले हरी, करीयल नग नुं काम
नारयण इक नाम, जुंड विडारे जोगडा

हे भगवान सूरज नारायण आप हरी नाम श्री हरी नारायण चतुर्भुज थई ने हरी एटले पांणी मां आवेल नग एटले हाथी ना दुख ने हरी लई ने आपे आपनुं नाम लेतांतो ई जुंड ने मारी ने हाथी ने उगार्यो हतो एम हे नारायण अमे पण आपनुं रोज नाम स्मरण करीये छीये आप अंत वेळाये अमने पण भवबंधन ना जुंड ना जडबामांथी छोडावी गजेन्द्र मोक्ष करेल एम मुक्ति देजो अमारां आपने नित्य वंदन छे.

[5:31 AM, 8/2/2020] Jogidan Gadhvi:

वेहला जागीन वंदीये, भळकडा मां भांण
जाळवजे सत जोगडा, रइये त्यां लग रांण

हे भगवान सुर्य नारायण भळकडा वेळाये हुं जागी ने आपने वंदन करुं छुं आप सत्य अने न्याय ना देव छो, तो हे नाथ आप अमारा सत्य नो मारग अमे ज्यां लगी रहीये त्यां लगी जाळवज्यो अमुंथी जीवन भर सत्य न चुकाजो. कोई पण एवी लागे के सत्य चुकाशे. तो ए पळ पेहला आपना चरणो मां समावी लेज्यो आपने मारा नीत्य वंदन छे.

[7:14 AM, 8/3/2020] Jogidan Gadhvi:

बळीन हाथे बांधता, छुट्या हरि ब्रह्म शीव
नाखल केदी नीव, ईतो, जांणे सूरज जोगडा

हे भगवान सूरज नारायण जेदी बली ना हाथे राखडीयुं बांधी तेना फळ रुपे बलीये पोताना द्वारपाल बनावी पाताळ मां रोकी राखेल ब्रह्मा विष्णु अने शिव त्रणेय मुक्त कर्या आम राखडी एक एवुं बंधन छे के जे मुक्तिदाता ने पण मुक्त करावे जोके एनो पायो क्यारे नखायो हशे ईतो आप पोतेज जांणो कारणके जगत पेहला तो आप छो, हे बधी बाबतो ना जांणनार सर्व विद नारायण मारां आपने नित्य वंदन छे.

[7:37 AM, 8/4/2020] Jogidan Gadhvi:

दारा रांदल दिनकरा, पूत महा परमान
जमाइ जेना जोगडा, होय किशन हनमान

हे भगवान सूरज नारायण जेना पत्नी जगदंबा रांदल जेवां होय जेना पुत्रो पण अश्वीनी कुमार अने यमराज जेवा होय तथा जेना जमाई पण भगवान कृष्ण अने हनुमान जेवा होय जेनो आको परिवार चारेय बाजुथी आवी महान विभुतिथी संपन्न छे तेवा हे नारायण मारां आपने नित्य वंदन छे.

[7:40 AM, 8/5/2020] Jogidan Gadhvi:

प्रभु वरह थ्यां पांचसो, ऊर हती जे आस
जोशे सूरज जोगडा, आज नवो ईतिहास

हे भगवान सूरज नारायण पांचसो वरह पेहला ज्यारे राम नी छाती माथे बाबर बेसी ग्यो अने धरम रखेवाळ ना बिरद धारी हिन्दुओ नी कोई हिन्मत नोहती हाली सौ पोत पोतानुं राज्य बचाववा बहादुरीयो देखाडवा लडता हता राम मंदिर माटे कोईये रमखांण नई करेल तेदी आपना हैया मां एक आशा मुंझाती हती के फरी धजा फरुकशे केम. अने आजे ऐ दिवस आविग्यो ज्यारे अजोधाने माथे वगर धिंगाणे फरी रामराज थपायुं ई नवो ईतिहास आप नजरे जोई हरखाशो अने अमने पण आप कृपाये ए ईतिहास ना द्रस्टा रेहवा जिवन मळ्युं एवा हे उचित समय नुं जिवन देनार जिवन दाता मारां आपने नित्य वंदन छे.

[7:25 AM, 8/6/2020] Jogidan Gadhvi:

सहन करे छे सुरज आ, मात इळा अणमाप
बाप तु एनो बाप, तुने, ज्वारुं कायम जोगडा

हे भगवान सूरज नारायण आ धरती आपमांथी अलग पडी छे ई आपनी दीकरी छे अने एमां अनहद सहन शक्ति छे, अने आप तो एना बाप छो, आपमां केटली सहन शक्ति हशे. हे नाथ आपने मारां नित्य वंदन छे.

[5:23 AM, 8/7/2020] Jogidan Gadhvi:

आप कृपा थी आविया, राग छ ये छ रांण
जगने जेनी जांण, जराय नोती जोगडा

हे भगवान सूरज नारायण आप ना मुखे थी संगीत नो वेद शामवेद आव्यो अने रागो जगत ने मळ्या एटले जे संगीत ने चाहवावाळो छे इ जो आपने न भजे तो ई गुंणचोर गणाय. आपे संगीत ना पाया सम छ राग आप्या.

श्री भैरव हिंडोल सह, मेघ दिपक मलकोस
जे खट रागो जोगडा, रांण दिया अण रोस

संगीत ना मुळ छ राग छे.
1.श्री
2.भैरव
3.हिडोल
4.मेघ
5.दिपक
6.मालकौस

एक एक राग नी छ छ रागीणी एम छ राग ने छत्रीस रागीणी थाय.
आ छ राग अलग अलग छ ऋतु ना रागो तरिके पण वंदनिय छे. एम हे राग रुपी दिव्य संगीत ना दाता नारायण मारां आपने नित्य वंदन छे.

[6:07 AM, 8/8/2020] Jogidan Gadhvi:

शंख पद्म ध्रत शेष तख, कालियनंतम कंम्ब
जय वसुधाधर जोगडा, आदित भ्राता अंम्ब

हे भगवान सूरज नारायण आपना भाई नवेकुळ नाग ई आंबा जेवा छे, जेम आंबो छांयो अने फळ अने सीतळता आपे छे,तेम आपना भ्राता(नाग अने सुर्य बंन्ने एकज बाप कस्यप ना संतान होई भ्राता) शंखपाल, पद्मनाभ, धार्तराष्ट्र, शेष, तक्षक, कालीय, अनंन्त, कम्बल, अने वासुकी ..एमां एकतो चारणोनुं मोहाळ नागकुळ, मां मोगल नागकुळ, अने नागकुळ भगवान शिवने पण एटलुं प्रीय के गळामां रहेल नाग ए वातनुं प्रतिक मात्र छे के नागकुळ तो मारा हैया नो हार छे, एवा नागकुळ ना निवेदना दिवस नागपंचमीये नवे कुळ नाग एने तेमना भाई भगवान सूरज नारायण ने मारां नित्य वंदन छे.
[5:22 AM, 8/9/2020] Jogidan Gadhvi:

आपे तुंतो अवर ने, भर भर खोबा भांण
जाते बेठो जोगडा, राख चोळि ने रांण

हे भगवान शिव रुप सुर्य नारायण आप बिजा ने तो खोबा भरी भरी ने एमनी ईच्छा प्रमांणे नुं आपो छो, पण ते धन संपत मां पोते नथी मोह्या, पोते तो अंगे राख चोळी ने बेठा छो. (विज्ञान पण कही रह्यु छे के सुर्य पर हवे तेना बळवाना कारणे राख नी परत जामवानुं सरु थयुं छे.) एवा हे अंगे भभुत लगावनार नाथ मारां आपने नित्य वंदन छे.

[5:07 AM, 8/10/2020] Jogidan Gadhvi:

सूरज आ संसार नो, मोह छुडा वण मन्न
जपो निरंतर जोगडा, परभू थियें प्रसन्न

हे भगवान सूरज नारायण आप आ संसार नो मोह छोडावी वैराग्य नुं वरद वरदान देनार छो, कायम आभ मां आप एकलाज धुंणो धखावीने अडग आसने बिराजी जगत कल्याण करी रह्या छो, हे नाथ आपना जापो अमे निरंतर जपता रहीये छीये आप प्रसन्न रेहजो हे नारायण मारां आपने नित्य वंदन छे.

[8:10 AM, 8/11/2020] Jogidan Gadhvi:

उठ्याय भेळुं आपनुं, अमे, धरीयें सुरज ध्यांन
गुंण नुं देज्यो ग्यांन, जुवे न अवगण जोगडा

हे भगवान सूरज नारायण उठतां वेंत अमे आपनी सामुं ध्यान करी आपने नमी ने नित्य एक नवो दोहो चडावीये छीये, हे नाथ अमने मात्र गुंणज देखाय एवुं ज्ञान देजो कारण के एज ओछा होय छे, हे नाथ मारां आपने नित्य वंदन छे.

[7:43 AM, 8/12/2020] Jogidan Gadhvi:

बुद्ब नरण बंबोळ ब्रण, कुद्ध नयन नह कूर
जुद्ध तमर हण जोगडा, सुद्ध उदित नित सूर

बुध वार ना परोढ ना भगवान सुर्य नारायण जांणे के रक्त वर्णा देखाय छे जे क्रोधित खरा पण क्रुर नथी तथा जे जुद्ध मां मात्र अंधकार ने हणी पोतानो सुद्ध भाव दर्साव नार सिद्ध एवा नारायण ने मारां नित्य वंदन छे.

[8:39 AM, 8/13/2020] Jogidan Gadhvi:

धरती पर रमतो धणीं, देख्यो रइ ने दूर
साख पुरावण सूर, जोइ नमो सर जोगडा

हे भगवान सूरज नारायण राम अने कृष्ण जेवा अवतारो मां ई त्रिभुवन ना नाथ ने आपे दुर रही ने नानकडा एवा रमता जोया छे, ए आ धरती पर रमता ई वात ना साक्षी एक मात्र आप छो, हे नारायण मारां आपने नित्य वंदन छे.

[7:02 AM, 8/14/2020] Jogidan Gadhvi:

उगतो सुर ओवारवा, हरखी के खग हाल
जळकी धरणी जोगडा, गगने उड्यो गुलाल

हे भगवान सूरज नारायण पंखीडां एकबिजा ने कहे छे के हालो सुरज उग्यो एना सामा सामैया करी ओवारणा लईये जेणे रातनो भय दुर कर्यो ने आखी धरती अंजवाळी एनी खुसाली मां आभे प्रकृतिये गुलाल उडाड्यो ने आखी उगमणी दीशामा लालीमा प्रसरी गई एवा हे नारायण मारां आपने नित्य वंदन छे.

[6:31 AM, 8/15/2020] Jogidan Gadhvi:

आवे मानव आयखे, आ, रंग त्रणे रढीयाळ
जनम युवा व्रध जोगडा, सुरज रखे संभाळ

हे भगवान सूरज नारायण जेम तिरंगा मां त्रण रंग छे एम मनुष्य जीवन मां पण त्रण रंगो आवे छे, जन्म नी साथेज समृद्धी ना लीला रंग जेवुं बाळपण, पछी बहादुरी नो केसरी रंग युवानी, अने छेल्ले असक्त अवस्था नो जिवन नो ने वाळ नो सफेद रंग. आ त्रणेय रंगो मां जेणे नारायण नथी भज्या ई लखचोरासी ना चक्र मां जाय. (तिरंगा मां पण वच्चे सफेद रंगमां चक्र छे, ए कहे छे के जो वृधावस्था मां पण न भज्या तो आ चक्र लखचोरासी नुं नाखवुं)
नारायण नुं नाम ज लखचोरासी ना चक्रमांथी जीवने उगारे छे, ई नारायण ने मारां नित्य वंदन छे.

[8:02 AM, 8/16/2020] Jogidan Gadhvi:

अंधारुं आवी पडे, आलम आ अकळाय
भांण ज एक भळाय, जग्ग उबारण जोगडा

हे भगवान सूरज नारायण आ धरती पर ज्यारे काळी हबसी जेवी रात नो अंधकार पोतानुं साम्राज्य जमावे ने आसुर शक्तियो जोम मां आवीजाय ए टांणे आ जगत ने अंजवाळी ने उगारवा वाळुं कोय देखातुं होय तो ई ऐक मात्र आप होव छो, आपविना ई अंधार कोय नो उलेच्यो उलेचाय नई, एवा हे जगत ने उगारनार नारायण मारां आपने नित्य वंदन छे.
[6:20 AM, 8/17/2020] Jogidan Gadhvi:

दिये छतां ना दाखवे, ई, पद उंचे परमांण
जगपत साचो जोगडा, रंग हो सुरज रांण

हे भगवान सूरज नारायण आप समग्र सृस्टीना जीवो ने जिवन दीयो छो, अजवाळुं दीयो छो पण क्यारेय दाखवता नथी के में आ आप्युं. आप आभ मां उचे पद बिराजेल छो ई परमांण छे, उंचा गजाना होय एना संस्कार एवा उंचाज होय छे,हे जगत ना नाथ आप ने झाझेरा रंग छे, मारां आपने नित्य वंदन छे.--
[7:24 AM, 8/18/2020] Jogidan Gadhvi:

सूरज राशी सिंहने, माघ नखत महाराज
जल्ल धरा पर जोगडा, अमरत वरहे आज

हे भगवान सूरज नारायण अत्यारे सुर्य राशी सिंह चाली रही छे, जे देवतत्व ने अने सकारात्मक उर्जाने शक्ति देनारी छे, तथा माघ (तळपदी भाषा मां मघा) नक्षत्र चाले छे, अने वरसाद पण चालु छे,आ नक्षत्र नुं पांणी क्यारेय खराब नथी थतुं अने अमरत जेवुं गणवामां आवे छे, हे धरती पर अमृत वरहावनार नारायण मारां आपने नित्य वंदन छे.--------
[9:34 AM, 8/19/2020] Jogidan Gadhvi:

बुधपडवो शुभ सुक्लपख, राशीय स्वामी रांण
जगत उगारो जोगडा, आ, भादरवाथी भांण

हे भगवान सूरज नारायण आजे बुधवार छे अने बुद्ध करे सुद्ध, वळी शुक्ल पक्ष एटले अजवाळानुं पखवाडीयुं, अने पडवो एटले एकम अर्थात सरुवात नो दिवस. वळी आजनी चंद्ररासी सिंह छे अने एना स्वामी पण आपज छो, तो हे नाथ आ भाद्र पद ने भद्र पद बनावी आ जगत ने तमाम विपदाओ थी उगारो, हे नाथ मारां आपने नित्य वंदन छे.---------

[4:20 AM, 8/20/2020] Jogidan Gadhvi:

दाता में दुनियावमां, भाळ्यो न तुं सो भांण
रात दियां भड़ रांण, जिवन देतोय जोगडा

हे भगवान सूरज नारायण तमारा जेवो दातार में आ दुनिया मां क्यांय जोयो नथी तमे रात दिवस जगत ने जिवन आपता रहो छो, मारां आपने नित्य वंदन छे.

[5:12 AM, 8/21/2020] Jogidan Gadhvi:

द्रग आखुं द्रग देखतुं, नग पडखे नग न्रांण
जग वंदत जग जोगडा, पग रख पग प्रगटांण

हे भगवान सूरज नारायण द्रग एटले गाम आखुं द्रग एटले आंख थी जोई रह्युं छे के नग एटले पर्वत नी पडखे एटले बाजुमां नग एटले सुरज नारायण निकळी रहया छे, जेने जग एटले जगत आखुं जग एटले जागी ने वंदन करे छे,पग एटले चरण राखवा ना पग एटले आधार अर्थात धरती ने पोतानामांथी प्रगट करनार हे नारायण मारां आपने नित्य वंदन छे.
[8:28 AM, 8/22/2020] Jogidan Gadhvi:

शिव सती सूर समरतां, सधळी दिपो सवार
जिभ पर शारद जोगडा, क्रिपा रखो किरतार

हे भगवान सूरज नारायण मारी नित्य सवार भगवान शिव, माता सती (शक्ति) सुरज नारायण ने समरी ने थाय, जिभपर शारदा रहे अर्थात काव्यात्मक रीते रटण थाय, एवी कृपा कायम राखज्यो मारां आपने नित्य वंदन छे.

[7:14 AM, 8/23/2020] Jogidan Gadhvi:

सुर नर मुनिवर संतजन, ऋषी रटत नित रांण
जती सती विर जोगडा, भक्त नमत व्रद भांण

हे भगवान सूरज नारायण आप ने सुर एटले देवताओ नर एटले मनुष्य,(सुरनर, दैवि मनुष्य)मुनिवरो,संतो, अने ऋषी तो आपनुं नित्य प्रभाते रटण करे छे,जती ,सती, सुरवीरो अने भक्तजनो पण व्रद एटले वरद अर्थात शुभः कारी नारायण आप ने वंदन करे छे तेवा नाथ ने मारां नित्य वंदन छे.--
[6:43 AM, 8/24/2020] Jogidan Gadhvi:

छोरु नांय छोरुं तणीं, जेने, चिंता लाघे चित्त
ऐने निंदर ना ले नित्त, आ, जागे सूरज जोगडा

हे भगवान सूरज नारायण जेने छोकरां ना पण छोकरां नी चिंता होय. एमांय दिकरी ना छोकरां नी जवाबदारी पोताने माथे होय ई बाप ने निंदरा तेम आवे? धरती आपमांथी अलग पडी छे ई आपनी दीकरी छे, अने एनां संतान आ समग्र जीव सृस्टीनुं पालन पोषण आप करो छो, आप पोतानी जवाबदारी मानो छो अने निभावो छो, एथी आप क्यारेय निंदर नथी लेता एवा हे नारायण मारां आपने नित्य वंदन छे.---

[6:08 AM, 8/25/2020] Jogidan Gadhvi:

चडीया नित चडावशे, जे, नारायण ने नीर
जगपत देशे जोगडा, एने, चावण रेवण चीर

हे भगवान सूरज नारायण आपने जे नित्य नियम राखी प्रभाते जागी स्नानादीथी परवारी जे कायमी जळ चडावे छे एने चावण एटले के पुरतुं अन्न, रेवण एटले के रेहवा नुं अने चीर एटले ओढण पेरण (रोटी कपडां अने मकान) मानव जीवन नी मुख्य जरुरीयातो जगत नो नाथ पुरी पाडी दीये छे, एवा हे नारायण मारां आपने नित्य वंदन छे.

[11:05 AM, 8/26/2020] Jogidan Gadhvi:

नारायण ना नामथी, देव मिटे सब दोष
जोयल हिंणा जोष, जुट्ठा पाडे जोगडा

हे भगवान सूरज नारायण आप ना नाम थी काव्य ना तो सघळा दोष नुं निवारण थईज जाय छे, जिवन ना पण सरवे दोष मटी जाय छे, कोई उत्तम ज्योतिष आचार्य ये जेना माटे हिंणुं थवानी भविष्य वांणी करी होय ते पण जो आपना जाप करे तो ई जोष ने जुठा पाडी आप आवनार अनिष्ट ने हली लियो छो, आपने मारां नित्य वंदन छे.

[8:11 AM, 8/27/2020] Jogidan Gadhvi:

कायम करींये कोडथी, नमन त्रिलोकी नाथ
सुरज समो समराथ, जोयो न बिजो जोगडा

हे भगवान सूरज नारायण त्रिलोक ना नाथ आपने कोड थी हुं कायम नमन करुं छुं. आप जेवो तेजस्वी अने समग्र जगत ने जिवन आपे अने कहे पण नई तेवो समर्थ बिजो कोई में जोयो नथी आपने मारां नित्य वंदन छे.

[8:06 AM, 8/28/2020] Jogidan Gadhvi:

प्रोढ समे परमेह ने, जे, ध्याने रोज धरंत
एने जलसा पांणी जोगडा, कस्यप नंद करंत

हे भगवान सूरज नारायण जे रोज जागी ने आपनुं ध्यान करे एने आप आखुं जिवन आनंद ओसव मां पसार करावो छो, आपने मारां नित्य वंदन छे.

[7:47 AM, 8/29/2020] Jogidan Gadhvi:

वादळीयु टोळे वळी, आ, रमवा आभे रास
आदित पुरवा आस, जाय संताइ जोगडा

हे भगवान सूरज नारायण आ वादळीयुं आपना आंगणा एवा आभमां रास रमवा नो ल्हाव लेवा आवी उभी पण आपने जोई ए डरे नई ए माटे आप जांणे के छुपाई जाव छो, सौनी आश पुरण करनार हे नाथ मारां आपने नित्य वंदन छे.

[8:19 AM, 8/30/2020] Jogidan Gadhvi:

कर अमांणे कश्यपा, तुं, मेर रखे महराज
ई लांबो थातां लाज, जाय तमारी जोगडा

हे भगवान सूरज नारायण जे हाथ आप ने नित्य वंदन करे छे एना पर आप महेर करो छो, एने क्यारेय ओशीयाळो रेहवा नथी देता कारण के ई हाथ कोई नी सामे लांबो थाय तो तो एमां आपनी लाज जाय ई आप भली भाँति जांणो छो, एथी हे पोताना वंदक नुं सदैव ध्यान रखनार नारायण मारां आपने नित्य वंदन छे.---------------------------------

[8:18 AM, 8/31/2020] Jogidan Gadhvi:

चडिया लोक चडावता, लेवा कारण लाभ
अण सुवारथ आभ, जळ चडावे जोगडा

हे भगवान सूरज नारायण लोको कदाच एक लोटो पांणी लई ने जळ चडावे ई पण कंईक लाभ लेवा माटे. ज्यारे आपे बताव्युं के आम जुवो स्वारथ ना पुतळाओ तमारा एक लोटा माथे ठीकरुं नथी फोड्युं, आखुं आभ वगर स्वारथे जळ चडावी ने वंदे छे.. एम प्रकृती पण जेनुं पुजन करे छे एवा नारायण ने मारां नित्य वंदन छे.------------------

[7:47 AM, 9/1/2020] Jogidan Gadhvi:

कस्यप ईरखा ना करे, निकळ्युं देखी नाम
जांण कर्या वण जोगडा, करतो ऐनुं काम

हे भगवान सूरज नारायण दुनिया मां.. सुरज चंदर नी साखे ..एवि उक्तियो द्वारा चंद्र नुं नाम पण आपनी हारोहार लेवाय छे पण कोई नुं नाम निकळतुं जोई आप जरापण ईरखा करता नथी उलटा पोते आथमी ने पोतानुं अजवाळु चंद्र ने उछीनुं आपी तेनुं तेज जगत ने बतावी तेनुं नाम करो छो, अने कोई ने जांण पण करता नथी, आम पोते काम करी बिजा नुं नाम करे लेवा ईर्षा वगर ना देव हे नारायण मारां आपने नित्य वंदन छे.---

[7:27 AM, 9/2/2020] Jogidan Gadhvi:

चडीया षड चक्रो महीं, भ्रमण करंतो भांण
ज्योत कमल रुप जोगडा, रहतो भिंतर रांण

हे भगवान सूरज नारायण आप अमारा छ ये चक्रो (अलग अलग योगसाधना मां कोई बत्रीस चक्र तो कोई ग्रंथ नवचक्रमयो देहः कही ने नव चक्रो कहे छे. पण सुगम रीते साधी सकाय ते योग मां सरळ एवा छ चक्रो) तेजपुंज रुपे अमारी भिंतर परिभ्रमण करी रहेल हे नारायण तथा उपर आभे रही ने भितर ना भ्रमण नो संचार करनार हे नाथ मारां आपने नित्य वंदन छे.---

[7:31 AM, 9/3/2020] Jogidan Gadhvi:

ओळख अजवाळा तणी, नवखंड दिनी नाथ
हेतेय सुरज हाथ, तुने, जोडे कायम जोगडा

हे भगवान सूरज नारायण आ नवखंड माथे जो बधा अजवाळा ने ओळखे छे तो ई आपने कारणे ओळखे छे, विज्ञानी लाईट ना दिवडा पण अजवाळा ने ओळखवाने कारणे अविस्कृत थया, आप न होत तो आ धरतीज न होत कारण ई आपमांथी छुटी पडी छे, कोई जिव न होत, ग्रह मंडळ कोनी फरतुं फरत ?कंई होतज नई.. बधाना कारक आप छो, ~~आपने हेत सभर बेय हाथ जोडी ने मारां नित्य वंदन छे.~~---

[7:58 AM, 9/4/2020] Jogidan Gadhvi:

धरम करम नी हे धणीं, नाथ न जेने नाथ
ई हिंण करमिया हाथ, जोडे न तुने जोगडा

हे भगवान सूरज नारायण जे लोको ने धर्म नी नाथ नथी नखायेल एवा अ नाथ (नाथ मोयडा वगरना)ज आपने हाथ नथी जोडी सकता कारण के ऐ निम्न प्रकार नी मानसिकता धरावता हिंणा कर्म ना करनार होय छे, बाकी जे सदकर्मी छे ई आपने सदैव वंदे छे एवा हे सदकर्मीयो थी वंदायेल नाथ आपने मारां नित्य वंदन छे.-------------------------

[7:46 AM, 9/5/2020] Jogidan Gadhvi:

नारायण नुं नामतो, श्वास तणों सणगार
जाप जपुं त्यां जोगडा, रोम उठे रणकार

हे भगवान सूरज नारायण आप नुं नाम तो श्वासो श्वास नो सणगार छे, आपनो जाप करुं त्यां मात्र जिभज नई पण रोमे रोम एनो रणकार रेलाय छे, हे नाथ अमारा अत्यारे चालता श्वासो थी लई ने अंतिम श्वासो पण आपना नामना सणगार सजीनेज निकळे एवा आशिस देज्यो मारां आपने नित्य वंदन छे.---

[7:23 AM, 9/6/2020] Jogidan Gadhvi:

सूरज आ संसार नो, कदी, रदे न धरियें रोह
जोग नजांणे जोगडा, एने, मालमता पर मोह

हे भगवान सूरज नारायण आ संसार माथे रिह शुं धरवी? कारण के एने योग साधना के आत्मतत्व नी ओळख करी मुगती ने मारग पडवा करतां माल मत्ता पर नरो मोह भर्यो. एनी पर रीह नई. दया आवे. आपतो आभे अखंड आसन जमावी जोगसिद्धी करी रह्या छो एने जे जांणे ऐज वंदे छे. हे नाथ मारां आपने नित्य वंदन छे.--------------------

[10:13 AM, 9/7/2020] Jogidan Gadhvi:

आवे लख आडोड़ियां, रे नइ ढांक्यो रांण
भांग अंधारा भांण, जळके कायम जोगडा

हे भगवान सूरज नारायण आप नुं तेज जोई ईरखा घेलां कैक आडोडीयां वादळ वच्चे आवे के रात्युं पोतानी मेलप जेवो अंधकार लई गमे एम छुपाववा कोसीस करे पण आप ई तमाम अंधकार ने दुर करी नित्य जळहळ प्रकासे आखी सृस्टी ने अजवाळी जिव मातर ने जिवन आपो छो, एवा हे नारायण मारां आपने नित्य वंदन छे.--------------------

[6:29 AM, 9/8/2020] Jogidan Gadhvi:

वण थंभे आ व्योममा, सूरज तुं जग श्वास
जे पद वंदे जोगडा, एनी, आप पुरंता आश

हे भगवान सूरज नारायण आप वण थंभे (थांभला वगर, थंभ्या वगर एटले के रोकाया वगर) आभमां जगत ना श्वास बनी ने चाली रह्या छो, आपना चरणो मां जे वंदन करे ऐ सर्व नी शुभः ईच्छाओनी आप सत्वरे पुर्ति करो छो, आपने मारां नित्य वंदन छे.

[8:10 AM, 9/9/2020] Jogidan Gadhvi:

आदित जिवन आपनुं, खे पत गुंण नी खांण
जिहवा माथे जोगडा, अब, रहो सदा व्रद रांण

हे भगवान सूरज नारायण आप नुं जिवन उत्तम छे, हे खे (नभ) पती आप गुंण नी खांण छो, हे नाथ आप अमारी जिहवा पर सदाय वरद एटले के शुभः वांणी थई ने बिराजेल रहो हे नारायण आपने मारां नित्य वंदन छे.

[5:04 AM, 9/10/2020] Jogidan Gadhvi:

नाटक छे नवखंड मां, उघडे पडदो आभ
जोवेय सुरज जोगडा, लई अगासी लाभ

हे भगवान सूरज नारायण आ नवखंड धरती ना महीमंच माथे समस्त जिव सृस्टी रुपी एक अविरत नाटक चाली रह्युं छे, जेमां पात्रो कर्मो पोते करी पोतेज फळ भोगवी ने जो उंणप होय तो पोताना कर्म ने बदले दोष नो टोपलो पाछो भगवान पर ढोळे एवा बधा खेल आप आभ नी अगासीये बेसी ने ए जोवानो लाभ लई रह्या छो, अने ई नाटक मां कोई कोई पात्र आपना स्वरुप ने जांणी ने आपना दर्शन नो लाभ लई रह्या होय छे, हे आ महामंच ना मंडाण करनार नारायण आपने मारां नित्य वंदन छे.

[6:56 AM, 9/11/2020] Jogidan Gadhvi:

वालप थी विचरी रह्या, नील गगन मां नाथ
जग नुं पोहण जोगडा, हजिये जेना हाथ

हे भगवान सूरज नारायण आप नील गगन मां वालप थी विचरण करी रह्या छो, जराय क्रोध के थाक देखातो नथी, अने ज्यारथी धरती पर जिव सृस्टी नी सरुवात थई त्यारथी मांडी ने आज दिन सुधी हजीये जगत नुं पोशण करवुं जेनुं कर्तव्य रह्युं छे, एवा हे नारायण मारां आपने नित्य वंदन छे.

[8:15 AM, 9/12/2020] Jogidan Gadhvi:

सूरज नी संसार ने, ओळख आपो आप
प्रणमो नई तो पाप, जरुर लागे जोगडा

हे भगवान सूरज नारायण आप ना उदय वखते कोई ने ओळख नथी आपवी पडती के जुवो आ जे उदीत थया तेमने सुरज नारायण केहवाय एम ओळख नी जरुर न पडे ऐटला विख्यात तो छोज उपरांत सर्व ने ए पण खबर छे के आप विना जिवन सक्य नथी, छतां जे आपने जिवन दाता कही प्रणाम नथी करी सकता ऐवा गुंणचोर ने तो जरुर पाप लागे,हे नारायण मारां आपने नित्य वंदन छे.

[7:55 AM, 9/13/2020] Jogidan Gadhvi:

नित्य लिये जे नेहथी, नारायण नुं नाम
कदीये एनां काम, जाय न खाडे जोगडा

हे भगवान सूरज नारायण जे पण मनख उठी ने पेहलुं आपनुं नाम समरे छे, जगत मां कोयदी एनुं काम अटकतुं नथी के खाडे नथी जतुं, एवा हे शुभ कर्म फळ ना दाता मारां आपने नित्य वंदन छे.

[7:20 AM, 9/14/2020] Jogidan Gadhvi:

ईरखा कदी न अवर नी, हीत जग हैये होय
कश्यप जेवो कोय, जोयो न दुजो जोगडा

हे भगवान सूरज नारायण आपे क्यारेय कोई नी ईरखा नथी करता कायम जगत नुं हीतज हैया मां करता होव छो ऐवा हे नारायण मारां आपने नित्य वंदन छे.

[6:20 AM, 9/15/2020] Jogidan Gadhvi:

उगोय भड़ उतावळा, रैयत जोवे राह
जिव पंखी ने जोगडा, चणवा केरी चाह

हे भगवान सूरज नारायण आप उतावळा उदय पामो आपनी रैयत आपनी राह जोइ रही छे, आपना उदय विना पंखीडा चणवा नथी जतां ई पंखीडां ने मनमां पण चणवानी चाह छे पण आप नो उदय थाय तो ई चकलां चण पामे हे कीडी ने कण अने हाथी मण देनार नारायण मारां आपने नित्य वंदन छे.

[7:21 AM, 9/16/2020] Jogidan Gadhvi:

दिनकर को दी ना डरे, भड़ आथमतो भांण
जुवो फरी नित जोगडा, मिहिर करत मंडांण

हे भगवान सूरज नारायण आप ऐ दीशा थी पण कोय दिवस डरता नथी जे दीशा मां जवाथी नित्य सांजे आपनो अस्त थाय छे, पण आप बिजे दिवसे तरोताजा थई ने फरी थी सरुवात करो छो अने ऐज दिशा तरफ कोई थडका वगर डगलां भरो छो,आम आप भय थी मुक्त थई जे दीसा मां निस्फळता मळी होय त्यां पण द्रढ निस्चय साथे डगलां भरवा अने नित्य नवी सरुवात करवा मौन संदेस आपी आत्मविश्वास वधारो छो, आपने मारां नित्य वंदन छे.

[10:32 AM, 9/17/2020] Jogidan Gadhvi:

देव भला दुनियाव नो, पोहक तुं परमेह
गण तारा गगनेह, जाय कथ्या ना जोगडा

हे भगवान सूरज नारायण आप आखी दुनिया ना पोषक छो, अने कोयदी ऐवुं बताव्युं पण नथी के हुं आ बधुं करुं छुं. एम कर्ता छतां अकर्ता रेहनार हे नारायण आपना गुंणो ने कही सकवा माटे कोंण समर्थ होई सके? माटे मात्र बे हाथ जोडी अमो सरणागती स्विकारीये छीये, हे नाथ मारां आपने नित्य वंदन छे.

[8:17 AM, 9/18/2020] Jogidan Gadhvi:

निम नारायण नामनुं, जेणें, हरदम राखल होय
ऐने
जम वेडे नइ जोगडा, अने, काम बने सबकोय

हे भगवान सूरज नारायण जेणे हर दम(दरेक श्वासे, कायम) नारायण नुं नाम लेवानुं निम धरेल होय एने क्यारेय जम नुं तेडुं न आवे, एटले के देह छोडे तोय खुद नारायण तेने लेवा आवे, अने जगत मां रहे त्यां सुधी तेनुं कोई काम अटके नई एवी कृपा ना करनार नारायण ने मारां नित्य वंदन छे.--

[7:07 AM, 9/19/2020] Jogidan Gadhvi:

विचरे पंखी व्योममां, मुक्त मने महराज
एवुं
रांण तमारुं राज, जुग जुग रेजो जोगडा

हे भगवान सूरज नारायण होला फडकण गभरु पंखीडां जे आखी रात माळा मां लपाई रहे छे ने आपना उदय नो डंको वागतां तो आभ मां मुक्त मने विचरी सके छे हे नाथ एवुं आ तमारुं उजळुं राज्य युगो युगो सुधी तपतुं रहो, मारा आपने नित्य वंदन छे.--

[11:19 AM, 9/20/2020] Jogidan Gadhvi:

उठ्याय भेळो आतमो, भजतो सूरज भांण
जळ चडावे जोगडा, रंग हो कासप रांण

हे भगवान सूरज नारायण मारो आतमा जागी ने तरत आपने भाव थी भजे छे, अने देहे करीने हुं जळ चडावी वंदुं छुं, अने लाखो रंग दउं छुं एवा हे कास्यप ना कुंवर तने लाखो रंग छे, मारां आपने नित्य वंदन छे.

[6:15 AM, 9/21/2020] Jogidan Gadhvi:

भज मनवा भगवंतको, रट घट तुं नित रांण
जद मनखा तन जोगडा, पिंड धर्यो निजप्रांण

हे भगवान सूरज नारायण आ मन ने समजावुं छुं के रे मन तुं भगवान नुं भजन करी ले, अने घट मां नारायण नाम नुं रटण कर, कारण के जो मनखा देह धरी ने आ काया मां प्रांण धारण कर्यो छे ने तो ई बधो परताप नारायण नो छे, कारण के सुरज विना जिव सृस्टी नुं शुं अस्तित्व? माटे हे सौ जिवो ने जन्मावनार ने जिवाडनार नारायण आपने मारां नित्य वंदन छे.

[7:20 AM, 9/22/2020] Jogidan Gadhvi:

भजन करीले भांण नुं, आतम राम अनंत
आ सूरज जेवो संत, जडे न बीजे जोगडा

हे भगवान सूरज नारायण आप जेवो संत जगत मां क्यांय न मळे कारण के जे समग्र जगत नुं पोशण करे छतां अहंकार नई, कोई पुजे के न पुजे सौ ने सरखुं अंजवाळु आपो छो एवा समद्रस्टा संत बीजे क्यां मळे? हे जीव तुं एवा आ नारायण नुं भजन करीले, नारायण ने मारां नित्य वंदन छे.---

[4:45 AM, 9/23/2020] Jogidan Gadhvi:

नभ मंडळ नारायणा, व्रद तुं वसत विराट
जसभागी भड़ जोगडा, सुर्य जगत समराट

हे भगवान सूरज नारायण नभो मंडळ मां वरद एवा आप नो वास छे, अने आप एवा विराट छो के आ पृथ्वी करतांय हजारो गणा मोटा छो, अने अन्य तारा आप करतां हजारो गणा मोटा भले होय पण आप नो उदय थातां ई एकेय देखाता नथी आपना विराट तेजमां ए बधांनु तेज विलिन थईजाय छे, आप यश भागी एटले के कीर्तिमान भाग्य ना मालीक अने दाता छो, हे सुर्य रुपी जगत सम्राट मारां आपने नित्य वंदन छे.--

[7:06 AM, 9/24/2020] Jogidan Gadhvi:

आभ थाळी इ आरती, भरियल दिवडो भांण
जगदंबा ये जोगडा, जांणे, पेटवियो परमांण

हे भगवान सूरज नारायण आ आभ जांणे थाळी रुप छे जेमां आप स्वयं दिवडो थईने प्रकटी रह्या छो, अने रोज धरती पर बिराजेल सर्व जगदंबाओ नी जांणे आरती उतरती होय तेम ए दिवो फरतो फरे ऐम लागे जांणे खुद जगदंबा ये ज आ पेटाव्यो हशे ने ई आई आखा अस्तित्व नी आरती उतारती होय एवुं लागे, अने ऐम आरती नी वंदनीय ज्योत बनेल आप नारायण ने मारां नित्य वंदन छे.--

[6:33 AM, 9/25/2020] Jogidan Gadhvi:

आळस त्यागी आतमा, सुरज नाम संभार
जीह उचारत जोगडा, भव ना उतरे भार

हे भगवान सूरज नारायण आप नुं प्रतापी नाम एटलुं कल्याण कारी छे के जे एक वखत नारायण एटलुं बोलवाथी आखुं जीवन असुरी वृती मां जीवनारो अजामील पण तरी ग्यो, जेनुं नाम जिभ पर लेवा थी भवोभव ना भार उतरी जाय छे ने आतमो भवसागर पार उतरे छे इ नारायण ने संभारवामां हे आतमा जराय आळह न करजे, अती कल्याणकारी जेनुं नाम छे एवा हे नारायण आपने मारां नित्य वंदन छे.---

[11:35 AM, 9/26/2020] Jogidan Gadhvi:

सरमे राता शेरडा, दश्य रातां दरसाय
जांण रमाडे जोगडा, रंग भर सुरज राय

हे भगवान सूरज नारायण आप जे दीशा मां जाव छो के जे दीशा थी आवो छो ई दीशा तरफ रात होय छे, अने ई बंन्ने टांणे आभ रातुं थईजाय छे, जांणे आप रात ने रंगे रमाडता होव अने रात ना ए सरमावाने कारणे जांणे रात ना चेहरा पर नी लालीमा आखा आभ मां वेराई जती होय, एवा हे नारायण आपने मारां नित्य वंदन छे.----------------------

[6:26 AM, 9/27/2020] Jogidan Gadhvi:

सू रज रज मां सूरज तु, आलम तारुज अंग
आ जिव पण तुंथी जोगडा, रांण दीयुं शुं रंग

हे भगवान सूरज नारायण आ धरती आपमांथी अलग पडी छे एटले के अहीं नी रजे रज मां आपज छो, अने एनापर पनपी रहेल जीव सृस्टीना सौनी माटी नी काया पण आ धरती नो रस चुसी ने बनेल अर्थात एय बधां आखर तो आपना अंगज थयां, वातावरण पण तम पर निर्भर छे, अने आप तो आत्मा ना कारक छो एथी आ जिव पण आपने आभारी छे तो हे नाथ आ बधुं तमेज छो,तो हवे एमांथी हुं शुकाम अबुध थई अलग पडी ने रंग दउं.. बस सर्व मां व्याप आपज आप छो आपमांज बधुं लीन ने छे ने बधा मां आप नो व्याप छे, जेणे अलग गण्या ए भटक्या छे ने मुक्ती माटे सोधखोळ सरु करे छे, आखरे खबर पडे के हुं अलग नथी ने पाछा आ विराट मां व्याप्त थवा मारग गोती आनंद पामे के जांणे मेळवी लिधुं,विराटअस्तित्व रुपी आपथी पोताने अलग गणवा एज भ्रमण नी भुलवणी छे, अमने पोताना अंग तरीके आनंद नी अनुभुती देनार हे नारायण मारां आपने नित्य वंदन छे.
[6:34 AM, 9/28/2020] Jogidan Gadhvi:

ब्रम सहिता ब्रद बोलती, सुर्य पंथ समराथ
जोग सिद्धी दत जोगडा, नवे ग्रहन को नाथ

हे भगवान सूरज नारायण बृहदब्रह्मसंहीता मां आप विसे लखायेल छे के योगीयोने पर पद आपतो पथ होय तो ई सुर्य पथ छे, वळी सर्व कार्य सिद्धी माटे नव ग्रहो नी पुजा थाय छे अने आप नवेय ग्रहो ना अधिपति छो, एटले आप राजी तो सौ राजी, ऐम हे योगसिद्धी ना दाता अने सर्व ग्रह स्वामी मारां आपने नित्य वंदन छे.

[5:12 AM, 9/29/2020] Jogidan Gadhvi:

कस्यप नंदन काळजे, कोतरियो किरतार
जोडी बेठा जोगडा, अमे, तारीय हारे तार

हे भगवान सूरज नारायण आप नुं नाम तो अमारे काळजे कोराइ ग्युं छे, जागतां वेंत सौथी पेहला सिधुं नारायण नामज निकळे छे, अन्य कोई विचार नथी होतो, आपनी हारे तार जोडायो छे, हवे एने जतन करी आजीवन जाळवज्यो नाथ, खोळीया ना आयुस्य पुरतो नही पण आत्मा ना आयुस्य पुरतो नातो निभावज्यो मारां आपने नित्य वंदन छे.

[6:24 AM, 9/30/2020] Jogidan Gadhvi:

आगळ मांड्या आभमां, रैयत कारण रांण
भड़ इक डगलुं भांण, जाय न पाछो जोगडा

हे भगवान सूरज नारायण आपे आभ ने पंथे रैयत ना हित माटे पोते जळी ने बिजा ने पालववाना आकरां तप ने पंथे जे पगलां मांड्या छे, इ युगो थया छतां क्यारेय थाक नथी अनुभव्यो के गमेते अडचणो आवे कोईदी पाछां डग भरतां आप ने कोई ये भाळ्या नथी, एवा हे नारायण मारां आपने नित्य वंदन छे.

[5:44 AM, 10/1/2020] Jogidan Gadhvi:

नुगरा जागी ना नमे, एनी, रिंह धरे नइ रांण
जोयो सूरज जोगडा, एना, पद उंचा परमांण

हे भगवान सूरज नारायण दरेक मनुस्य विनय अने विवेक पुर्ण होय तेवुं जरुरी नथी, नुगरा मांणस जांणता होय के सौ नुं पोषण करनार ने अजवाळुं देनार नारायण छे तोय ई जागी ने नमन नथी करता, पण आप क्यारेय एवा पामर जीव पर रिंह नथी धरता, कारण के आप उंचे आभ ने पदे बिराजेल छो, निम्न कक्षा ना जीव ना धोखा कोयदी उच्च कोटी ना होय ई धरता नथी एम आप सीख दीयो छो, आपने मारां नित्य वंदन छे.---

[6:59 AM, 10/2/2020] Jogidan Gadhvi:

पोत पणां ने पामीया, करता अकरम काज
जळहळ थै ने जोगडा, मौज करे महराज

हे भगवान सूरज नारायण जे आभ मां मिट मांडे एने खबर पडे के जेंणे पोते पोताने जांण्यो छे ई जगत नी जंजाळ थी दुर पोताने पंथे एकलो पोतानी मस्ती मां लीन जळहळ थई ने ऐक दिव्य मौज मां लीन अकर्म भाव थी कर्म करतो जाय छे, अथवातो कर्म थई रह्युं छे ऐ वात थी पण अजांण अलिप्त रही ने निजानंद मां राची रहे छे ऐवा हे नारायण मारां आपने नित्य वंदन छे.--

[6:59 AM, 10/3/2020] Jogidan Gadhvi:

ऐ विण बिजुं न आवसी, कोटी जनमे काम
जीव उधारक जोगडा, एक, नारायण नु नाम

हे भगवान सूरज नारायण जे आजे समजे ई आजे तरसे ने काले समजे ई काले, जे जेटलुं मोडुं समजे एनो एटलो उद्धार मोडो थशे, अने कोटी जन्मो ल्यो तोय जेना सिवाय बिजुं कंई काम नथी आववानुं ए आपनुं नाम छे, ईज काम लागशे, असुरो पण जेनो उच्चार करी उगरी गया एवा हे नारायण मारां आपने नित्य वंदन छे.----------------------

[6:22 AM, 10/4/2020] Jogidan Gadhvi:

वड़ चंदन ने वांहडा, भेंहड दूध भूजंग
जनमे केवुंय जोगडा, आदीत तोरे अंग

हे भगवान सूरज नारायण आ धरती आपमांथी अलग पडी छे ई आपनुं अंग छे, अही वड़ चंदन वांहडा लिंबडा ने आंबा जेवा विविध गुंणो वाळा वृक्ष अमरत जेवुं दुध देनार भैंस अने वख भरेला भुजंग नाम साप पण छे, हे नारायण ऐक आपमांथी आटला बधा भिन्न रसो ने जिवो उत्पन्न थाय छे, हजीतो करोडो जीवो ऐवाय हशे के जेने जोई अचरज थाय अनेक रंगो, अनेक रस, अनेक सुगंध, केटकेटली वस्तू थी भरपुर हशो आप के आपना एक नाना छुटा पडेल अंग मां आटलुं छे.. तो आपमां तो केट केटलुं समाविष्ट हशे, एवा हे असंख्य अजायब ना जन्मदाता अने पोषक नारायण मारां आपने नित्य वंदन छे.

[10:35 AM, 10/5/2020] Jogidan Gadhvi:

रावण के के राम के, रुके न घडीये रांण
जगदंबा के जोगडा, तो, भड़ उगे नइ भांण

हे भगवान सूरज नारायण जेम चारणो जन्म थी मातृ शक्ति ना उपासक छे अने ऐनुं कह्युं करे तेम आप पण सामर्थ्य वान रावण कहे के राम कहे एकेय नुं कह्युं मानी रोकाया नथी, अने बे वखत रोकाया ए बंन्ने वखत मातृशक्ति ना केहवाथी रोकाया तेवा हे नारायण मारां आपने नित्य वंदन छे.--

[7:31 AM, 10/6/2020] Jogidan Gadhvi:

वेहला जागीन वंदवा, सुरज नाम संभाळ
जाळवशे सत जोगडा, काश्यप नंद कृपाळ

हे भगवान सुर्य नारायण भळकडा वेळाये हुं जागी ने आपने वंदन करुं छुं आप सत्य अने न्याय ना देव छो, तो आप सत्य अने न्याय नो मारग जाळवज्यो कृपाळु एवा कस्यप ना कुंवर आपने मारां नित्य वंदन छे.

[7:17 AM, 10/7/2020] Jogidan Gadhvi:

नाम नारायण नांभीये, उगतुं आपो आप
बाल्याय पेला बाप, जप चाले छे जोगडा

हे भगवान सूरज नारायण आप नुं नाम अमारा अंतर मां आपो आप उदय पामे छे, बोलवा नो प्रयत्न करवो पडे एवुं नथी जागतां वेंत आपोआप जप चालुंज होय छे, कोंण जांणे क्यारथी सरु थई जता हशे,पण जागुं त्यारे चालुं होय छे ऐ खबर छे, एम हे वण जप्या जाप चलावनार नारायण मारां आपने नित्य वंदन छे.------------------------------------

[5:45 AM, 10/8/2020] Jogidan Gadhvi:

आम दिवो के आतमो, तमे दिवा कर तोय
कास्यप नातो कोय, जांणे नइ कां जोगडा

हे भगवान सूरज नारायण आम तो लोको सौ दरेक ना आत्मा दिवो कहे छे, जेमके फलाणा भाई नी आतम ज्योत बुझांणी, के एमनो आतम दिवडो ओलवायो वगेरे वाक्यो ना प्रयोगे आत्मा ने दिवो समजे छे ई स्पस्ट छे, ऐम आत्मा दिवो छे, अने तमे दिवाकर ई बधा दिवाओ ना करनार अर्थात ई बधा दिवडा आपमांथी प्रगट्या छे, आटलो स्पस्ट नातो पण सौ नथी जांणता अने भ्रम मां पडी चौरासी लाख ना चक्कर मां पडे छे, नारदपंचतंत्र पण एम कहे छे के सर्व जिव नी ज्योत आखरे सुर्य ना तेज पुंज मां विलिन थाय छे, ऐम हे सर्व जिवो नी ज्योत जगवनार नारायण मारां आपने नित्य वंदन छे.

[5:17 AM, 10/9/2020] Jogidan Gadhvi:

चारण ध्रम्म चडावतो,े, दोहाय सुरज देव
जेम तमो ने जोगडा, तिमिर हर्या नी टेव

हे भगवान सूरज नारायण जेम आप अंधकार ने हरवा माटे कोई कर्म नथी करता पण आपनुं तेज आपोआप अंधकार ने हरी ले छे एमज सहज भावे जे लोको चारण अने चारणेत्तर सर्व कलम नी उपासना ना फळ स्वरुप काव्य करी ने चारण धर्म ने अनुसरे छे ई सर्व आपने सहज रीतेज कोई अन्य अपेक्षा सिवाय मात्र वंदना करवा हेतु दोहा धरावे छे ई सर्व ना पर कृपा द्रस्टी करज्यो.. जे वांचे छे ऐमना पर पण व्हालप वरहता रेहज्यो हे नाथ मारां आपने नित्य वंदन छे--

[5:46 AM, 10/10/2020] Jogidan Gadhvi:

ग्रह धणीं कर ना ग्रहे, भालुं क बरछी भांण
पण जीवन तेजे जोगडा, रात भगावत रांण

हे भगवान सूरज नारायण आप ग्रहो ना अधिपति छो क्षात्रधर्म रखेवाळ छो पण कोयदी हाथमां भालुं के बरछी एटले के शस्त्र लई ने रातने भगाडवा दोडता नथी जोया, पण शामवेद आपना मुखेथी प्रकट्यो छे ऐथी आप शास्त्र ना दाता छो, कदाच आप एम सिखवता होय के अंधकार शस्त्र थी नई शास्त्र थी दुर थाय अने जिवन तेजमय बने पछी रात ने भगाडवानी न रहे आपनी उपस्थिति मात्र थी ए आपोआप हटीजाय ऐवा हे नारायण मारां आपने नित्य वंदन छे.

[6:55 AM, 10/11/2020] Jogidan Gadhvi:

तुज विना त्रण लोकमां, आवे नइ अजवास
गगने रइन गरास, जोर जमायो जोगडा

हे भगवान सूरज नारायण आपे ऐकज ठेकांणे आभ ना आसने बिराजी ने एवो गराह जमाव्यो छे के ग्रहोय आपनी फरता आंटा मारे आखी धरतीये आपना फरती प्रदक्षिणा केरे तो पोताने मोटा गराहदार समजानर आ धरती पर ना जीव नी तो शुं विसात? धरती पर थोडो वधु टुकडो पोताना कबजा मां रोडी राख्यो होय तो ई एने पोताना मालीक मानी बेहे(पण 100 वर्ष लेखे एक वर्ष ना 365 दीवस एटले 36500 दीवसो ना आयखा प्रमाणे रोजनुं कीलो एटले 18 क्विन्टल थी वधु अनाज मांणह नथी खाई सकवानो भले गमे एटलुं भेळुं करे) पण ऐ बधाने निभावी लेनार हे नारायण मारां आपने नित्य वंदन छे.

[7:45 AM, 10/12/2020] Jogidan Gadhvi:

क्रम वाचक तुं कासबा, तुने, वंदन करता वेद
जग्ग जिवाडत जोगडा, भांण रख्या वण भेद

हे भगवान सूरज नारायण आप कर्म ना वाचक छो, आपने वेद पण वंदन करे छे अर्थात ज्ञानपुंज पण तेजपुंज ने नमन करे छे, कारण तेजपुंज मांथी ज्ञानपुंज अने फरी ई ज्ञानपुंज ना मननथी अंतर मां तेज नी निष्पति थाय छे, हे नाथ आप कोई भेद राख्या वगर जगत ने जिवाडो छो, आपने मारां नित्य वंदन छे.--

[5:42 AM, 10/13/2020] Jogidan Gadhvi:

दन तो गणशे देवता, पण, रीपुय भणशे रात
जगत आखुंय जोगडा, भांण छे आवी भात

हे भगवान सूरज नारायण आप ने दिवस तो देवता गणी ने वंदन करशे,अने जिवनदाता केहशे, पण रात नी द्रस्टी ये आप तेने हटावनार दुश्मन समान लागता हशो, हे नाथ आ जगत आवुंज छे, नोखी नोखी भातनुं, सारुं थतुं होय एने देव लागो, अने जेनु जोखमातुं होय एने दुश्मन अर्थात लोको पोत पोताना स्वारथ प्रमांणे मत बांधता होय छे, कोय नो धोखो न धरवो ऐम नित्य सिख देनार नारायण आपने मारां नित्य वंदन छे.--

[7:17 AM, 10/14/2020] Jogidan Gadhvi:

अह भागी द्रश आप को, मित्रा वरुंण मलक्क
जल भू खेचर जोगडा, त्रिभुवण नाथ तलक्क

हे भगवान सूरज नारायण आप ना दर्शन करी ने आखो मलक अहोभागी थाय छे, जेमां जळचर, भुचर अने खेचर त्रणेय आवीग्यां अने हाथमां कळश लई आपने वंदन करता त्रिभुवन ना नाथ पण आविग्या.
कारण के दिवस ना मुख्य देव आप छो अने रात्री ना वरुण (तन्मित्रस्य वरुणस्यामी चक्षे.) एटले तो ऋग्वेदे ज्यारे आपने वंदन कर्या त्यारे मित्रावरुण एम संयुक्त बोली ने नमन कर्या छे, ऐवा हे नारायण मारां आपने नित्य वंदन छे.

[8:39 AM, 10/15/2020] Jogidan Gadhvi:

ध्रम केता आ धरण पे, रमिन वई ग्या रांण
जोयो सौ मां जोगडा, भाव तारा पर भांण

हे भगवान सूरज नारायण आ धरती पर ना जांणे केटलाय धर्मो आवि ने चाल्या गया. केटलीय वखत संस्कृति आसमाने अडी ने लीन थई. पुरातत्वविद तेने हडप्पा कहे के मोहे जो दडो कहे के सिंधुघाट नी संस्कृति कहे एवीतो केटलीय संस्कृति धरती मां धरबाई ने पडी हशे कोंण जांणे ई बधा कियो धर्म पाळता हशे पण सुर्य ना चिन्हो इ सर्व मांथी मळ्यां छे, ऐथी ए नक्की के हे नारायण ऐ सर्वे धर्मो नो आपना परनो भाव तो क्यारेय ओछो नथी थयो, आजे पण कोई आफताब कहे कोई आदित्य पण स्नेह तो आप पर सर्व नो छे, ऐवा हे जगतप्रिय नारायण आपने मारां नित्य वंदन छे.----

[7:34 AM, 10/16/2020] Jogidan Gadhvi:

संपत भाळी सुरज तुं, आपे ना अजवाश
कडवी ए सौ काश, जग ने सोंपी जोगडा

हे भगवान सूरज नारायण आप जगत मां रेहता तवंगर अने एक टंक नुं मांड रळतो होय एवा ने बेय ने सरखुंज अजवाळुं आपो छो, आपने त्यां संपदा वाळा ने सारु मनववुं ने निरधन न गणवा एवो कोई भेदभाव नथी, ई काश तो बधी संसारीयां ने सोपी... कारण जगत ना लोको तो...

संपत होवे तो सगां, ढगलोय थाय धरा
पैसाय वींण परा, जगत करतुं जोगडा

आ जगत मां संपत्ति होय तो तो ढगलो थाय एटलां सगां होय, दुर नो सगोय साव नजीक जेवो नातो देखाडे, अने नांणा न होय तो सगा काका बापा ना होय तोय... ई आमतो अमारे काका थाय एम कही ने मोढा ना भाव एवा करे जांणे एम केहवा मागतो होय के हवे अमारे कांय नातो नई...
पण हे सुरज नारायण आप ए बाबत थी साव परे छो, आप बंन्ने ने समान गणीं अमोने पण समानता सिखवो छो ऐवा हे नारायण मारां आपने नित्य वंदन छे.

[7:16 AM, 10/17/2020] Jogidan Gadhvi:

निर दांणो धर नेहडो, और दियो अवतार
ज्योत थयो नभ जोगडा, केवो ई किरतार

हे भगवान सूरज नारायण आप अमने निर एटले पांणी, दांणो एटले के अनाज आपो छो, अने पोताना अंगमांथी टुकडो कापी दई रेहवा माटे आ धरती रुपी नेहडो आप्यो, आत्मा ना कारक आप छो, एटले आपेज आत्म सर्जन करी अमने अवतारेय आप्यो वळी रोज अमने अजवाळां देवा आभ मां महाज्योत थई नित्य प्रकाशो छो, अने तोय जो कोई जागी ने ~~आपने वंदन न करे तो तो धिक्कार छे, धुळ पडी एना जिवन मां हे नाथ मारां आपने नित्य वंदन छे.~~--------

[9:02 AM, 10/18/2020] Jogidan Gadhvi:

सूरज तुं सुर ताल नो, भांण वडो भगवंत
ज्योत सरुपे जोगडा, मेर नभे मलकंत

हे भगवान सूरज नारायण आप समान संगीत नो ज्ञाता कोई होईज न सके, कारण के संगीत नो वेद शामवेद आपने मुखे थी प्राप्त थयो छे जेने आभारी सर्व संगीत छे, 7 सुर अने 22 सृतीयो एमांथीज मळी छे, नारद शिक्षा प्रमांणे 7 सुर, 3 ग्राम, 21 मूर्छना अने 49 तान आ सर्व जेने आभारी छे ऐवा हे नारायण अमे ज्यारे निचे दोहा रागोडी आपने धरती होईये त्यारे आप ज्योत स्वरुपे मधरा मलकता हशो.. पण छतां अमारी अज्ञानता नो एहसास कराव्या विना आप अमारा दोहा स्विकारो छो एवा हे नाथ मारां आपने नित्य वंदन छे.--

[7:13 AM, 10/19/2020] Jogidan Gadhvi:

नेडो तारा नामनो, लाग्यो काशप लाल
जगदाधारी जोगडा, निरखी थावुं न्याल

हे भगवान सूरज नारायण कश्यप ना लाल तमारा नामनो हेवो नेडो लाग्यो छे आपनो उदय थतो जोई हैयुं हरख पामे छे, आप तो जगत ना आधार छो एवा हे जगदाधार नारायण आपने निरखी ने न्याल थईये छीये आपने मारां नित्य वंदन छे.

[6:21 AM, 10/20/2020] Jogidan Gadhvi:

आलम ने अजवाळतो, सगती होतां सूर
जगदंबा थी जोगडा, नवखंड माथे नुर

हे भगवान सूरज नारायण आप मां शक्ति छे एथी आप आलम ने अंजवाळवा सक्षम छो, पण शक्ति न होय तो? जगतमां अधारुं घोर थईजाय. एम जे पण छे ई शक्ति ने आभारी छे, अने शक्ति एटले जगदंबा एम हे जगदंबा नवेखंड पर ताराज नुर नुं प्रतिनिधित्व करे छे नारायण, एवा हे नारायण आपने मारां नित्य वंदन छे.---------------------------

[6:19 AM, 10/21/2020] Jogidan Gadhvi:

पद ग्रहादिक पामीया, कास्यप संग करे
ज्योत जळे नइ जोगडा, फरताय फेर फरे

हे भगवान सूरज नारायण जे ग्रहो आपनो संग करी आपना सौर मंडल मां स्थान पाम्या छे ई शक्ति अने पद तो पाम्या छे, भले गुरु पद ने पामी गुरु के बुद्ध नाम धर्या,शक्ति पण प्राप्त करी, पण ई आपनी जेम अजवाळां नथी पाथरी सकता,कारण के मात्र फरता फेर फर्ये के हारे रेहवा मात्र थी अंतरमां अजवाळां नथी थतां,एम हे नाथ आप मात्र ईस्ट नी साथे रेहवा नई पण ईस्ट ने पोतानी अंदर सतत स्मरी ने ईयळ जेम सतत चिंतन करी पोते भमरी बने छे एटला अविरत चिंतन नो मार्ग चिंधवा आखुं मंडल उभुं करी अमने राह चिंधो छो एवा हे नारायण मारां आपने नित्य वंदन छे.

[7:19 AM, 10/22/2020] Jogidan Gadhvi:

मामा ने फुइना मळी, शुभ करता सरुवात
जिवतर पाया जोगडा, दोउं वडा दरसात

हे भगवान सूरज नारायण आप बंन्ने मामा फुई ना भाईयो. (सुर्य पिता कस्यप, कस्यप पिता मरिचि ई मरिचि अने दक्ष बंन्ने सगा भाई हता दक्ष पुत्री सती अने कस्यप काका बाप ना भाई बेन ए सती साथे शिव नो विवाह थयेल एटले शिव ऐ कस्यप ने जीजाजी अने सुर्य ना फुवा थाय अने शिव पुत्र गणेश तथा सुर्य बेय मामा फोई ना भाई) ऐक शुभः स्थापन करी जिवननी सरुवात करावे.. एक दिवस उगाडी नीत नवा दीवस नी सरुवात करे एम बंन्ने शरुवात करावनार देव, गणेशे करावेल सरुवात तो कायमी ना मंडाण पण नित नवो दिवस देनार हे नारायण मारां आपने नित्य वंदन छे----------

[10:26 AM, 10/23/2020] Jogidan Gadhvi:

कर दधी धर काश्यपा, देख थीरा जल देत
होय इने पण हेत, जणतल माथे जोगडा

हे भगवान सूरज नारायण आ थीरा नाम धरती हाथ मां जळ ना समुद्रो भरी ने जांणे के आपने अरध दई रही छे, कारण के ऐ आपमांथी छुटी पडी छे एटले ई आपनी दिकरी छे अने एने पोता ना बाप माटे अनन्य हेत होयज ई साव सहज छे, ऐम सर्व जीवोनी जीवादोरी सम धरती पण जेने जळ धरी वंदना करे छे ऐवा हे नारायण मारां आपने नित्य वंदन छे.

[6:47 AM, 10/24/2020] Jogidan Gadhvi:

श्री नारायण समरतां, मलके जेनां मूख
एने
जगमां नडे न जोगडा, देव तणुं को दूख

हे भगवान सूरज नारायण आप नुं अने श्री केहतां जगदंबा नुं जे नित्य प्रिते नाम समरण करे अने ए पण कोई अभिलाषा थी नई पण सहज रीते मरकता मुखे एटले के पीडा के भय थी नई पण निस्पृही आनंद थी जपे एने दुनिया मां कोई देव दुख के संचीत कर्म हनेडतां नथी,सदैव जिवन आनंद मय रहे छे, एवा हे उत्साह थी जीवन भरनार नारायण आप ने मारां नित्य वंदन छे.--

[8:19 AM, 10/25/2020] Jogidan Gadhvi:

थीर उभो ध्रम थांभलो, सत ना टेके सूर
जळहळ थातुं जोगडा, नभ मां एनूं नूर

हे भगवान सूरज नारायण आप धर्म ना थांभला छो अने अन्य कोई नही पण सत्य ना टेके आभ मां थीर थया छो, जे सत्य अने धर्म अथवा सत्य रुप धर्म के धर्म रुप सत्य ना तेज थी आखुं नभ जळहळी रह्युं छे ऐवा हे सतधरम ना बेली नारायण मारां आपने नित्य वंदन छे.

[7:31 AM, 10/26/2020] Jogidan Gadhvi:

वण सादे वण साकर्ये, वण हाके वण होड
जागिन आवे जोगडा, दिनकर दोडा दोड

हे भगवान सुरज नारायण आप ने कोई साद करी ने टहुको नथी पाडवो पडतो के हवे उगो, बोलाववा नथी पडता के हवे आभमां आवो, हाकलो नथी करवो पडतो के क्यां ग्या बाप उगो जट, के आपे कोई सरत पण नथी लगावेल के रोज समये न उगुंतो केहज्यो. तोय हे नाथ नित्य समयसर जागी ने आप जगत कल्याण माटे दोडो छो, आपने मारां नित्य वंदन छे.
[7:27 AM, 10/27/2020] Jogidan Gadhvi:

अश्व खेलावी आवीया, आभ पटे जद आप
बोल्या वण नी बाप, जाय रातडियु जोगडा

हे भगवान सूरज नारायण आप ज्यारे अश्व खेलवता आभ ना पट्टे आवो छो त्यारे जेणें पोतानुं घोर अंधार साम्राज्य जमाव्युं होय छे ई रात बोल्याय वगर संकेलो करी ने हाली निकळे छे,आपे एटली शक्ति एकठी करी छे के एनो उपयोग कर्या वगरज काम थई जाय छे, रात जोतां वेंतज भागी जाय छे, एवा हे नारायण मारां आपने नित्य वंदन छे.
[6:01 AM, 10/28/2020] Jogidan Gadhvi:

पांचय श्रेणी पाळतो, नित प्रितेथी नाथ
हेते सूरज हाथ, तुने, जोडुं कायम जोगडा

हे भगवान सुरज नारायण आप पांचेय श्रेणी ना मनुस्यो (ब्राह्मण क्षत्रिय, वैश्य, शूद्र, अने निषाद) ने पाळो छो, कोई वर्ण भेद आपनी नजरो मां नथी सौने सरखुं तेज दीयो छो एवा हे नाथ मारां आपने नित्य वंदन छे.

[7:19 AM, 10/29/2020] Jogidan Gadhvi:

आम जुवो तो आपडे, कस्यप नंदण कोम
जीवन दे ई जोगडा, भांण उजाळी भोम

हे भगवान सूरज नारायण आ धरती आपमांथी अलग पडी छे अने ऐ धरती नुं धावण धावी ने मानव अने जीव मात्र मोटो थयो छे, एथी दरेक जीव ना मातृ पक्ष ना वीह वाहा तो कस्यप ने खोरडेज खेचाय एम जोतां सौ एक कोम थई, कारण आपज जीवन आपो छो ने आपज जीवाडो छो, ऐम सौ ना अन्नदाता ने जीवन दाता होई पिता तुल्य पण आपज छो ऐथी ~~कोई उंच नीच नथी,एम हे सौ ने सरखा गणनार समद्रस्टा मारां आपने नित्य वंदन छे.~~----------------------

[7:22 AM, 10/30/2020] Jogidan Gadhvi:

आंण तुने मां आवडे, शुं, दोहो कइन दिधेल
जणवो अमने जोगडा, कश्यप कांव किधेल

हे भगवान सुरज नारायण जेदी आपने मां आवडे आंण दीधी ए वखते जगदंबा ये चारण काव्य परंपरा अनुसार दोहो कहीने आंण दीधेल हशे के शुं कहेल हे नाथ अमने जणाववा कृपा करज्यो.

विर कई लिधां वारणां, आवड बोली आंण
भाइ पेलो तु भांण, जळ न लेतो जोगडा

हे चारण तेदी आवडे मने विर कही ने पेहला तो मारा वारणां लिधा पछी मने आंण दीधी के तारो वंशज लक्ष्मण लंका मां मुर्छा आवी पडेल तेदी एना पुजनीय मोटाभाई रामे कहेल के हुं मारा भाई विना पाछो अयोध्या नई जई सकुं मारे अहीं मरवुं पडशे. ई राघव नो तुं बाप छो. अने हे नारायण हुं तुने विर कहुं छुं अने ए नाते मारो विर पण तारो विर थाय. अने ई आज मुर्छामां पड्यो होय अने ऐ उठी ने पांणी मागे ए पेहला आप उगो ने आप ने लोको जळ चडावे एटले के एनी पेला तुं जळ मागे तोतो नातो लाजे नाथ, माटे मारा भाई नी पेला तुं जळ न मागतो बाप. अने ए वेंण सांभळी ने उदय केम थावुं? एथी त्यां थंभ्यो अने ऐ वखते ज्यांथी मारे अस्त थावानुं हतुं ते भुमी कबिलाओ मां वेंहचायेल हती ज्यां युद्ध चालु हतुं. त्यां पण विरो लडी रहेल हता. जेमने एम लाग्युं के सुरज युद्ध जोवा बे घडी रोकाई गया छे. अने ए उक्तियो आजेय युद्ध वर्णन मां कवियो करे छे के नारायण युद्ध जोवा आभमां थीर थया. ई बिजुं कांई नई आवड नी आंण ने कारणे मोडा उगवा त्यां मोडो अस्त थयेल.

हे नारायण अमारी चारण जगदंबा आईयु ना वेंण ने माथे आप पोतानो क्रम फेरवी दई नातो निभावो छो ऐवा हे नाथ आवडा उपकारो ने भुली ने जो अमे चारणो आपने न भजीये तो तो धुड पडी ई जिवन मां, गे नाथ मारां आपने नित्य वंदन छे.---

[7:24 AM, 10/31/2020] Jogidan Gadhvi:

सूर वहावे सूर तुं, निबध अनिबद्ध नाथ
जग लय तालो जोगडा, हरिवर तारे हाथ

हे भगवान सूरज नारायण आप सुर एटले सुरविर छे अने सुर एटले संगीतना सुरो पण रेलावो छो, प्रकृती ना रोम रोम मां आपनुंज संगीत गुंजी रह्युं छे, हजारेक वर्ष पेहला संगीत ने प्रबंध मां वेहचातु जेमां बे प्रकारो होता. निबद्ध अने अनिबद्ध. जेमां निबद्ध पुर्ण ताल नी साथे बंधन मां गवातुं जे सिस्ट गायको गाता, अने अनिबद्ध ए मुक्त रीते गवातुं जे वगडे चारणो गाय छे एम. सुरमां होय. पण लयकारी पण लागे. पण तालवादक एना सुर ना रेलाव ने परफेक्ट मात्रा ना बंधन मां न बांधी सके ते अनिबद्ध एम हे नाथ आ बंन्ने संगीत नी धारा ना दाता आप छो, तमाम स्पंदनो सुर लय ताल लहरीयो बधुं आपनी देन छे ऐवा हे नारायण मारां आपने नित्य वंदन छे

[7:33 AM, 11/1/2020] Jogidan Gadhvi:

चडिया राम चडावता, जेह सुरज ने जल्ल
ई आ नाथ अवल्ल, जग पेलाना जोगडा

हे भगवान सूरज नारायण भगवान राम पण जेने वंदन करी जळ चडावी वंदना करता होय तेवा दुनियाथी पेहला..(पृथ्वी आपमांथी छुटी पडी छे एटले आप पृथ्वी थी पेहला छो ई तो सहज सिद्ध छे) जे विध्यमान छे जेनी नजर सामे समग्र विश्व ना जिवमात्र नी उत्पत्ति थई जेनाथकी सौ पोषण पामे छे सौ नी उत्पत्ति स्थिति अने संहार ने ऐकमात्र द्रस्टा नारायण ने मारां नित्य वंदन छे---

[7:31 AM, 11/2/2020] Jogidan Gadhvi:

खग्ग हशे क्यां खोरडुं, आंगण जेनुं आभ
ज्यां रमवा नो जोगडा, ले सुर चंदर लाभ

हे भगवान सुरज नारायण आ आखुं आभ जेनुं आंगणुं छे ई खोरडुं केवुं हशे ने कोनुं हशे, के जेना आंगणे नित्य सुरज अने चंद्र रमता होय छे, ई अगोचर तत्व ना ज्ञाता नारायण ने मारां नित्य वंदन छे.

[7:46 AM, 11/3/2020] Jogidan Gadhvi:

नेह धीडी कज नाथजी, व्योमे भजवे वेह
जेह दियो तव जोगडा, दांणा जळ शुं देह

हे भगवान सूरज नारायण आप दीकरी धरती ना नेहने कारणे आभ मां नोखा नोखा वेह भजवी रह्या छो, सवार सांच मोढुं लाल रंगी ल्यो छो तो बपोरे पिळुं धमरक करो छो, उनाळे धोम तपी ने नवुं रुप देखाडो छो तो शियाळे पाछा सितळता ना पाठ पढावो छो, केट केटला वेह आप एकज व्योम मंच परथी भजवो छो, अने अमारा आ देह ने आपेज दांणा अने पांणी थी सरज्या छे, ई देहे करीने जो आपने वंदना न करीये तो अमे अविवेकी अने उद्दंडता मां जिवनार गणाईये माटे हे नाथ आपने मारां नित्य वंदन छे.--

[7:39 AM, 11/4/2020] Jogidan Gadhvi:

हजार वरहे ना हले, थीर ज्यों मात थडो
खेह पत ऐम खडो, जो नभ माथे जोगडा

हे भगवान सूरज नारायण जेम चारण जोगमाया नो थडो हजार वरह निकळीजाय तोय दोरावा पण खेहवी न सकाय ए एनुं स्थान न मुके ऐम गे नाथ आप पण केटकेटला वर्षो थी आभमां ई थडानी जेम थीर छो, आपने मारां नित्य वंदन छे

[7:20 AM, 11/5/2020] Jogidan Gadhvi:

मुं कल मत्थो मानवी, आप रिया अविनास
जळ स्विकारो जोगडा, तो, हैडे लाधे हास

हे भगवान सूरज नारायण हुं तो काळा माथा नो मानवी... प्रथमी आपनी 27375 प्रदक्षिणा करे त्यांतो अमारुं जीवन पुरुं थई ग्युं होय, अने आपतो अविनासी नारायण छो, छतां रोज दर्शन देवा आप रुबरुं आवो छो, हे नारायण आप अमारुं चडावेल जळ स्विकारी अमने धन्य करो छो, आपने मारां नित्य वंदन छे---

[7:10 AM, 11/6/2020] Jogidan Gadhvi:

ऐकज दी जो ना उगे, तो, नवखंड फफ्डे नाथ
ई होय त्यारे कां हाथ, जोडे नई सौ जोगडा

हे भगवान सूरज नारायण आ जगत एटलुं अबुध छे के एने ऐनी पासे शुं छे ऐनुं मातम समजातुंज नथी नथी एनी पाछळ दोड्या करे छे, आप जो एकज दीवस न उगो तोतो आ नवेखंड धरती माथे कळाहोळ मची जाय ने सौ फफडाट मां आवीजाय के हवे शुं थशे. पण आप हाजर होव त्यारे सौकोय हाथेय नथी जोडता घणांने तो ध्यानेय नथी होतुं बस कांईक कमाई लेवानी लाय मां दोडवानुं सरु करे छे, अने ई कमायेल छेवटे तो अहींज छोडी ने जवानुं छे, हे नाथ आपनी हाजरीज सौ नुं जीवन छे, एवा हे सकळ जगत ना पोहक नारायण मारां आपने नित्य वंदन छे-------------------------

[7:22 AM, 11/7/2020] Jogidan Gadhvi:

नाठुंय मारा नाथजी, तम आव्या त्यां तम्म
सूरज तारा सम्म, मैं, जोयुं नजरे जोगडा

हे भगवान सूरज नारायण तमे पधार्या त्यांतो तम्म एटले अंधारुं उभी पुंछडीये भाग्युं, मने खबर छे के तमे अंधारुं जोयुं नथी कारण के तमे होव त्यां ई होतुं नथी पण में ई अंधारुंय जोयु छे ने अने आप आव्या एटले एने भागतांय जोयुं तमारा सम खाईने कहुं छुं के मानो ई तमने आवता जांणीने सिधुं भाग्युं... जेंणे जिवनमां अंधकार नथी जोयो तेवा सदैव तेजस्वीता पुर्ण ~~जिवनना जिवनार अने प्रणेता नारायण ने मारां नित्य वंदन छे~~---

[6:43 AM, 11/8/2020] Jogidan Gadhvi:

नवइ हवे तो नाथजी, सुरज हशे ना साव
बाप घणां बदलाव, जोयेल आपे जोगडा

हे भगवान सूरज नारायण अमेतो हजी आजकाल ना छीये तोय जो अमे बळद गाडा थी लई ने बुलेट ट्रेन सुधी ना अने त्रण दीवसे मळती टपाल थी मांडीने तरत विडीयोय मळीजाय एवा वोट्सएप सुधी ना बदलाव जोया छे, तो हे नाथ आपतो अनंत सदीयो नइ पण युगोथी विराजमान छो, आपे केटकेटला बदलाव जोया हशे, हवे तो आपने ई नवाई पण नई रही होय,जेम कृष्ण गीता मां कहे के सुर्य छे ई हुं छुं, अर्थात कृष्ण छे ई आप छो,अने आपे कृष्ण रुपे कदाच एटलेज आ अनुभव थीज कह्युं हशे परिवर्तन संसार नो नियम छे,आपनी तमाम वातो अनुभव सिद्ध छे, हे नारायण मारां आपने नित्य वंदन छे

[10:13 AM, 11/9/2020] Jogidan Gadhvi:

आ आव्यो अलबेलडो, रुमझुम रथडे रांण
भागीय रातु भांण, जग चोखुं थ्युं जोगडा

हे भगवान सूरज नारायण आप नी ज राह हती के हवे आ अंधारा क्यारे हटे ई संभारतां तो आ आवी पुग्या रमझमतो रथडो लई ने अने आपना आवतांवेत काळो अंधकार दुर थई ने जगत चोखुं देखावा मांड्युं, हे जगत ना चक्षुसमा नारायण आपने मारां नित्य वंदन छे---

[7:04 AM, 11/10/2020] Jogidan Gadhvi:

पद वंदन पत पिंगला, अलख आभ थीर आप
जगत प्रकाशक जोगडा, बार कला धर बाप

हे भगवान सूरज नारायण आ देहमां वेहती ईडा अने पिंगला नाडी मां ईडा नो स्वामी चंद्र छे, पण पिंगला ना स्वामी आप छो,वळी लखी न सकाय तेवो जेनो आकार के रंग एवुं एकेय न कही सकाय तेवा आभ मां आप बिराजेल रहो छो, वळी चंद्र ने पुर्ण प्रकाशवा महीने एक दी पुनममो मळे छे,भले तेनी सोळ कळाओ छे पण तेज तो एनेय आप पुरुं पाडो छो, आपनी बार कळाओ छे जे बारेय मास जगत ने पुर्ण प्रकाश आपे छे कोई अमावस्या आपना पथने आडे न आवी सके एवा हे नारायण मारां आपने नित्य वंदन छे--

[5:10 AM, 11/11/2020] Jogidan Gadhvi:

कोटिक अंधारां करे, सूरज सामे छळ
कदीये ऐनी कळ, जो नव फावी जोगडा

हे भगवान सुरज नारायण आप उगमणे उदय पामो त्यां रात नुं अंधारु आथमणेथी संताईने पाछळथी पकडी ने अंधकारमां लई जवा छळ करे छे, पण कोयदी एनी कळ न फावी, कारण के जे स्वयं ना तेजथी जळहळता होय तेने कोई छळ नुं अंधारु ढांकी न सके,

राघव जेवा राम तो, हर त्रेता मां होय
सूरज दादो सोय, जुग्ग पुरांणो जोगडा

दसरथ नंदन राम ने राघव पण कहे छे, अने ई रामा अवतार दरेक त्रेता युग मां थाय छे, आ कलीयुग पत्ये पाछो सतजुग ने फरी त्रेता आव्ये राम तो आवशेज एवा अनेक राम आव्या पण हे नारायण आप तो एना ऐज जुगो पुराणी वातु ना जांणतल हे नाथ मारां आपने नित्य वंदन छे--

[7:12 AM, 11/12/2020] Jogidan Gadhvi:

वाक् देवी ने वंदना, सघळा करीयें सूर
जिहवा माथे जोगडा, नोखुं प्रगटे नूर

हे भगवान सूरज नारायण आजे वाक् बारस एटले के वांणी नी देवी महासरस्वती नी उपासनानो दीवस आ पर्वो मां आजे वाक बारसे महासरस्वती धन तेरसे महालक्ष्मी अने कालीकाचौदशे महाकालीका एम त्रणेय शक्ति ने वंदना करो तो जिवन मां दिवाळी आवे ए द्रढ करवा माटे युगोथी आ क्रम चाले छे जेमां आप पण शामवेद ना ज्ञाता छो एटले आपे पण महासरस्वती ने उपासेल ई निसंदेह बाबत छे,माटे आजने दीवसे आप बंन्ने महाशक्तियो ने नमन सह नारायण ने मारा नीत्य वंदन छे--

[5:28 AM, 11/13/2020] Jogidan Gadhvi:

देव घणां दुनियाव मां, आव्या लै अवतार
सूरज वगर सवार, जोयु न कोये जोगडा

हे भगवान सूरज नारायण आ धरती पर अनेक देवताओ अवतार लई ने आव्या ने गया, पण ज्यां लगी आपनो उदय न थाय त्यां सुधी क्यारेय सवार न थयुं, आपना तेज समुं कोय नुं तेज न जोयुं, एटलेतो ई देवो ना तेज ने वखांणवा घणां अतिसयोक्ति करे के ऐना तेज सामे सुरज पण झांखो लाखे पण ई मुरख ने खबर नथी के जो एवुं तेज होय तो ए धरती पर होय तेम छतां रात केम ढळती ?, जेम के सुरज नारायण हाजर होय त्यां सुधी क्यारेय रात नथी ढळी,.आम जेना तेज थी रात पण हटी जाय छे तेवा एक अने मात्र एक तेजपुंज ना स्वामी भगवान सूरज नारायण ने मारां नित्य वंदन छे

[7:30 AM, 11/14/2020] Jogidan Gadhvi:

केवि दिवाळी ए करे, परमेहरी प्रचंड
आभे दीप अखंड, जो प्रकटावे जोगडा

हे भगवान सूरज नारायण महाशक्ति नुं सामर्थ्य केटलुं प्रचंड हशे, के जेना जिवन मां रोज दिवाळीज छे, ऐटले तो ई आभे नित्य नो अखंड दिवो राखे छे, अने आप ते दिवो बनवानुं सौभाग्य पाम्या,जे दिवाना अजवाळा त्रणेय लोक मां पथराय छे ऐवा आप अने ई दिवो प्रकटावनार जगदंबा ना आशिस होय तो रोज दिवाळी रहे, हे नारायण मारां आपने नित्य वंदन छे

[7:28 AM, 11/15/2020] Jogidan Gadhvi:

कविता मांणहनी कर्ये, दइ दे घोडुं दान
भांण भज्ये भगवान, जांणो शुं दे जोगडा

हे भगवान सूरज नारायण कवियो मनुष्य नी कविता करे तो ई जेनी कविता थई होय ऐ पोते कवि ने कां घोडी दान करे कां लाख पसाव के क्रोड पसाव करे छे, जो ऐक मनुस्य जेवो मनुस्य काव्य नी कदर करी आटलुं दई सकतो होय तो हे कवियो जे काव्य नो महाज्ञाता छे ई नारायण नी कविता कर्ये जांणीलो ई केटलुं दई देतो हशे,ऐवा हे अनंत ना दाता नारायण मारां आपने नित्य वंदन छे---

[4:56 AM, 11/16/2020] Jogidan Gadhvi:

वर्ष नुतन ना व्योमपत, वंदन लाखो वार
जिवन दिधुं तें जोगडा, कृपा करी किरतार

हे भगवान सूरज नारायण आजे नुतन वर्ष ना दिवसे हुं तमने लाखो वार नमन करुं छुं, कारण के आपे कृपा करी ने अमने जिवन आप्युं छे,वळी भरण पोशण पण करो छो,रोज नवो दिवस दई जिवन नो आनंद लई सद कर्म करी रुडां भाथां बांधवा प्रेरनार आप आजना दिवसे नवुं वर्ष आपी कोई उमदा कार्य माटे आजना दिवसे लक्ष्य आपी जिवनने ऐक गती आपो छो, आपने मारां नित्य वंदन छे.--

[7:23 AM, 11/17/2020] Jogidan Gadhvi:

आभ रनांगन आववा, तुं ज्यां थाय तियार
त्यां मुंढ इ मारा मार, जाय अंधारुं जोगडा

हे भगवान सूरज नारायण आभ रुपी रनांगन (रण आंगण, रनां अंगन. रनांदे ना अडधा अंग) आववा तैयार थाव छो, त्यारे जिवन ना आभमां आवतां मुंढता रुपी अंधारुं अने बाह्य आभमां आवता रात नुं अंधारु बेय मारामार भाग्यां जाय छे, अने सर्वत्र दिव्यतेज नो प्रकाश फेलायेलो रहे छे, ऐवा हे तिमिर हर नारायण आप ने मारां नित्य वंदन छे_______

[7:06 AM, 11/18/2020] Jogidan Gadhvi:

सतराखण अदितीसतण, रत खट दैवण रांण
जत लीखीतण जोगडा, नत वंदण नारांण

हे भगवान सूरज नारायण आप सत्य ना पालणहार छो, छयेछ रुतु ना देनार छो ऐटले आखुं वरह देनार आप छो, अने ए बधा वरह नो जनम थी मरण सुधी नो सरवाळो एटले आखुं जीवन ऐवा हे जीवन ना दाता हुं जत लखीतन दोहो करनार चारण आपने नित्य वंदन करुं छुं नाथ नेह थकी आपने मारा नित्य वंदन छे_______________________________

[7:26 AM, 11/19/2020] Jogidan Gadhvi:

आखर लग नित आपनां, दिनकर हजो द्रसन्न
जगत नाथ सुर जोगडा, प्रतिपल रहो प्रसन्न

हे भगवान सूरज नारायण अमारा अंत समय लगी नीत्य आपनां दर्शन थाय अने हे जगत ना नाथ आप प्रतिपल अम पर प्रसन्न रहो,

आलम सूरज ओळखे, निंदा करे न नाथ
जोडे तमने जोगडा, आ, हेत करी दुय हाथ

आ आखी आलम आपने ओळखे छे, बीजा बधा देवो मां गुंण अने दोष बंन्ने जोई दरेक देव ना कोई ना कोई कार्य नी निंदा थती अमे जोई छे पण आपनी निंदा करता अमे कोय ने भाळ्या नथी एवा हे अनिंदनिय नारायण मारां आपने नित्य वंदन छे

[7:54 AM, 11/20/2020] Jogidan Gadhvi:

ईज सुरज नभ आळिये, ऐज फरे ग्रह आठ
जुवो ईनो इ जोगडा, ठार व्रखा धुप ठाठ

हे भगवान सूरज नारायण आ तमे एनोए थीर उभा छो, ऐज रीते आठेय ग्रहो फरता फरे छे, ऐज रीते ठार पडे छे, ठंडी पडे छे, चोमासे वरसाद पडे छे ने उनाळे ऐमज धोम तडको पडे छे,

ऐज दीये जळ आभलुं, धरण हजी दे धान
जुग फर्या नी जोगडा, मन वातुं मत मान

चोमासे ऐज रीते आभ मांथीज पांणी वरहे छे अने हजीये धरतीमांथीज धान एटले के अनाज पाके छे, हे मन जमानो बदलाई ग्यो छे ऐवुं लोको भले कहे पण तुं मानीस नई तुं तारी रीते ऐमज सात्विक रहे

नुम आठम मां नाथजी, फदिया नो नई फेर
जग माथे ई जोगडा, समय तणीं समसेर

जे नवमी तिथीये राम जन्मेल ईज तिथी आजे उजवाय छे, जे आठम ना कृष्ण जनम्या ईज आठम उजवाय छे, भले सवंत ने नाम विक्रम नुं होय पण तिथि वगेरे मां कोई फेर नथी तो जमानो क्यां फर्यो छे? हजी एज समय नी समसेर जगत पर तोळाई रहेल छे.

दुध ई गावडीयुं दीये, खड ई ढोरां खाय
भेद क्यां मारा भाय, जुग नो ऐने जोगडा

गायुं अने भेस्युं वगेरे ढोर ढांखर एज रीते खड खाय छे ने दुध आपे छे पोतानी प्रकृती मां जराय फेर नथी पड्यो तो हवे सतजुग के कळजुग नो भेद ऐने क्यां छे? ऐतो ऐकधार्युंज जीवी रह्या छे,

पी जळ मीठुं प्रेम थी,आ, छे वनरायुं छम्म
कळजुग वाळो क्रम्म, जो नइ ऐमां जोगडा

आ झाडवां ऐज रीते प्रेमथी पांणी पी ने लीलां छम थई ऐमज आभे झकोळा खाई रह्या छे, नथी एणे रंग बदल्यो नथी छांयो के फळ देवानी रीत बदली एने कोई युग नो क्रम लागु नथी पड्यो

चण गोती चकलां चणें, गीत उडी नभ गाय
देख किसे दरहाय,आ ,जुग एनामां जोगडा

आ पक्षीयो पण ऐज रीते चण गोती ने चणे छे, ऐज रीते आभ मां उडीने गीतो गाई आनंद करे छे, ऐमनामां पण क्यांय सतजुग के कळजुग प्रमांणे नोखी नोखी मनो व्रती जेवुं कांय दरहातुं नथी.

ईज जन्म ई स्वासअर, द्रस रतिया फिर दन्न
जुग ना नामे जोगडा,आ, मांणह बदले मन्न

ईज रीते मनुस्य जन्मे छे ने मरे पण छे, ईज रीते स्वास ले छे ने छोडे छे, ऐज रीते अन्न अने जळ आरोगे छे, वळी रात अने दिवस पण एज रीते फरे छे, मनुष्य एज रीते राते सुवे छे ने दिवसे जागे छे, जुग बदलायो कही ने मांणसे मात्र पोतानुं मन्न बदल्युं छे, जुग मां कोई फरक नथी, पण जे पोतानुं मन बदलायुं होवानी वात स्विकारवाने बदले जुग फर्या ना बहाना करतो होय एनो भरोहो कर्या करतां..
भज नारायण भावथी, साचोय ई ज सगो
ई दे नई कोय दगो, जुग ना बाने जोगडा

हे मनवा तुं भाव थी नारायण ने भजीले कारण के ईज साचो सगो छे, आट आटला जुग बदलाया पण ऐ नथी बदलायो, ईज साचो सगो छे, अने ई क्यारेय जुग बदलाई ग्यो छे कही ने दगो नई करे, माटे हे नारायण मारां आपने नित्य वंदन छे

[8:08 AM, 11/21/2020] Jogidan Gadhvi:

कैक रघू कै कानजी, कै मोटां कमठांण
जुग केताये जोगडा, भाळेल आपे भांण

हे भगवान सूरज नारायण सतयुग त्रेतायुग द्वापर ने कळीयुग पछी फरी सतयुग त्रेता द्वापर कळी एम चक्कर फर्याज करे एमां दरेक त्रेता मां राम अने दरेक द्वापर मां कान आवे, जेमां कई वखते कोंण राम बनी अवतरशे ई नक्की शिव ब्रह्मा विष्णु त्रणेय मळीने नक्की करे ऐम दर वखते अलग अलग क्यारेक शिव राम बने तो क्यारेक ब्रह्मा तो क्यारेक विष्णु एम दरेक अलग अलग चतुर्युग चक्रो मां कै केटलाय राम ने कृष्ण आवि ग्या अने ऐ बधीय लीलाओ ने जोनार एकमात्र साक्षी एवा आप छो के जेमणे केटकेटलाय जुग जोई लीधा छे, अने अमे आपने जोई सकी पोताने सदभागी गणींये छीये हे नाथ मारां आपने नित्य वंदन छे

[7:09 AM, 11/22/2020] Jogidan Gadhvi:

शिव प्रोक्तम् सुर्यास्टकम्, कस्यप नमन करंत
जिणके गण हम जोगडा, ध्यान न कमण धरंत

हे भगवान सूरज नारायण भगवान शिव पण सुर्यास्टक रची ने आपनी वंदना करता होय भले सबंध मां आपना फुवा थता होय पण आपनी तेजस्वीता अने सत्वसीलता ने जो शिव पण वंदता होय तो ऐना गण अम चारणो मां कोंण ऐवुं होय के जे आपनुं ध्यान न धरे ?कोई हिंणा तर्क वाळो नगुंणोज आपने नमन न करे बाकी तो सौ आपने वंदना करे, ऐवा हे विश्वपुजीत नारायण मारां आपने नित्य वंदन छे--

[6:58 AM, 11/23/2020] Jogidan Gadhvi:

अहीरो थाता आपनी, पणछ धनुं परमेह
जुग फरे लख जोगडा, दैवत घटे न देह

हे भगवान सुरज नारायण आहीर एटले के नाग आपना धनुष्य नी पणछ थई ने तीर चलावरावी आपने जंग जीताडवा मदद रुप थता (अहीरो धनुष नी पणछ थता तेवो एक बिजो दाखलो रुग्वेद 6 मंडल ना 75 मा सुक्त नी ऋचा 5128 पण जणावे छे) अने बिजीरीते जुवो तो ऐ कद्रु ना अने आप अदीती ना पण बाप तो कस्यप एकज एथी ओरमान भायुं पण भाई तो खरा . ऐवी नागवंशी पण जेने वंदना करे छे ऐवा हे नारायण मारां आपने नित्य वंदन छे.
अने आपना वंश अने अहिर नी एकता ना इतिहासो पण अनेक छे.

बे तरवार बटार ते, जेठवा विंझी जोर
चोरय भाग्या चोर, जंग मुकी ने जोगडा

बटार जेठवा के जेनुं मस्तक समेगा गामे पड्युं ने धड लडतुं लडतुं मरमठ ने पादरे पोग्युं ऐणे बेय हाथ मां तरवार लई ने विंझी ऐमां आडेधड दुश्मनो ने घाव लाग्या अने जे चार डफेर वधेल ऐ जंग छोडी ने भागी निकळ्या

मरमठ कोटड मांडवा, आहिर नुं अरपेल
वरूय साख वघेल, जगमां ऐनी जोगडा

ई गायो नी व्हारे चडेल विर काठी दरबार बटार जेठवा ना त्रणेय दिकरा ने आहीरे पोतानी दीकरी दीधी अने एम वर्या ई वरु साखे आहीर थया जेने दहेज मां आहीरोये मरमठ कोटडा अने मांडवा गाम दीधेल जे गाम हाल जुनागढ जिल्ला ना मांणावदर तालुका मां छे जेमां वरु साख नो वड वध्यो जे मुळ काठी दरबार होई एने सुरज उपास्य ----------

[7:44 AM, 11/24/2020] Jogidan Gadhvi:

विधविध रत्न वसुंधरे, भणे सकल जग भांण
जांण हशे कित जोगडा, रग रग वहता रांण

हे भगवान सूरज नारायण आ धरती पर अनेक रत्नो छे, एटले तो जगत बहु रत्ना बसुंधरा कहे छे, अने ई धरती आपमांथी छुटो पडेल एक नानकडो टुकडो मात्र छे एम विज्ञान पण कहे छे, तो हे नाथ ऐक नानकडा टुकडा मां जो आटआटलुं भर्युं छे के हजारो वर्षो थयां तोय जेने पुरुं कोय जांणी नथी सक्या तो आपनी ऐ विशाळ काया नी रगे रग मां कोण जांणे केटकेटलां अने केवांय अजायब रत्नो हशे ईतो कल्पनामांय न आवी सके ऐवा हे जेने जांणी नथी सकाता मात्र जोई सकाय छे ऐवा नारायण आप ने मारां नित्य वंदन छे---

[8:03 AM, 11/25/2020] Jogidan Gadhvi:

नित्य करे सौ नेहथी, कवी नमन कविराज
ई सूरज छे सरताज, जग आखा नो जोगडा

हे भगवान सूरज नारायण सौ कवियो आपने स्नेहथी नित्य नमन करे छे, कारण आप पण कवि छो एटले काव्य ना ज्ञाता छो अने वळी आखा जगत नुं पालन पोषण करनार सरताज छो, पांच गाममा धणीं ने पण जो चारणो काव्य मां वरणवी लेता होय तो आपतो पोताना अंग नो टुकडो करी आखी धरती जीव मात्र ने जीववा दीधी वळी पोहण पण आप करो छो, तो आपने जे न वंदे ए तो महामुर्खज होई सके अने ई मुरखाव ना शुं धोखा, जे कवियो मां सेज पण दैवत्व छे ऐ सर्वे आपने वंदन करे छे ई सर्व कवियो नी कलमे बिराजेल शारदा सह आपने मारां नित्य वंदन छे.-----------------------

[7:12 AM, 11/26/2020] Jogidan Gadhvi:

ध्यान सुरज नुं जे धरे, के, गुंण प्रभाते गाय
एनी
मुगती आलम माय, जाय न रोकी जोगडा

हे भगवान सूरज नारायण जे आपनुं नित्य ध्यान धरे के जे आपना नित्य प्रभाते गुंणगान गाय के आपने याद करे ऐनी मुक्ति ने जगत मां कोई रोकी सकतुं नथी एवा हे मुक्ति ना दाता नारायण मारां आपने नित्य वंदन छे

[7:25 AM, 11/27/2020] Jogidan Gadhvi:

ध्येय ध्यान अरु धारणा, अहो निशा आदित्य
जपुं शब्द व्रत जोगडा, नाथ नमन कर नित्य

हे भगवान सूरज नारायण जे बाबत नी चाहना होय ऐने ध्येय केहवाय छे, ई ध्येय ने वारंवार याद करवुं ई धारणा छे, अने तमाम वृतीयो ध्येयनी धारणा मां डुबेलुं रहे एटला समय नी स्थिति ने ध्यान कहे छे,पण अमारुं तो ध्येय धारणा अने ध्यान बधुं आप छो, अहोनीश नारायण मां लीन थवानी झंखनानी मनेच्छानी प्रबळताज पर्याप्त छे, आपे श्रीमदभाग्वद पण एज राह चिंधे छे नाथ अने ए अमे शब्दो मां नित्य प्रभाते दोहो लखी प्रकट करी आपने वंदन करीये छीये हे नारायण मारां आपने नित्य वंदन छे---

[6:20 AM, 11/28/2020] Jogidan Gadhvi:

अल्प दिर्ध सब आविया, आलम धर्म अनेक
जपे सकल प्रित जोगडा, ऐ बस सूरज ऐक

हे भगवान सूरज नारायण अत्यारे पृथ्वी पर जे धर्मो फेलायेल छे तेना स्थापको मां कोई ने पंदरसो वर्ष थयां छे तो कोई ने बे हजार वर्ष थयां छे, तो कैक तो सनातन मांथीज नोखा थया छे, एम अनेक धर्म आ धरती पर आव्या तेमां कोई अल्प काळ रह्या अने विलिन थया तो कोई दिर्घ काळ रह्या, सौऐ पोत पोताना ईष्ट देव अलग अलग स्विकार्या, पण ई बधाय धर्मो मां जो कोई नो उल्लेख होय तो ई एकज छे ने ई सुरज नारायण आप छो, जेने विश्व मां अत्यार सुधी आवेला अने हवे आवनार तमाम धर्मोये स्विकारवाज पडे एवा प्रतापी नारायण मारां आपने नित्य वंदन छे---------------------------

[7:15 AM, 11/29/2020] Jogidan Gadhvi:

आभ सरोवर उपरे, हंस परम तुं हंस
जळ पय करे न जोगडा, वेरी हो के वंश

हे भगवान सुरज नारायण आप नुं ऐक नाम हंस छे पण हे नाथ आ आभ रुपी सरोवर मां तेजभर तरी रहेल आप हंस नई पण खरा अर्थमां तो परम हंस छो, कारण के हंस तो जळ एटले पांणी अने पय एटले दुध एम बेय भेळुं करी ने दीधुं होय तोय नोखुं करी मात्र दुध नुं सेवन करे छे,एम दुध अने पांणी वच्चे भेद करे छे, ज्यारे आपतो पोतानो वंश होय,सगो पुत्र कर्ण होय के एनो मारतल अर्जुन होय बधा पर सरखोज प्रकास राखो छो, वेरी अने वंश वच्चे पण भेद नथी राखता एथी हंस नई पण परमहंस छो, हे नाथ मारां आपने नित्य वंदन छे---

[6:55 AM, 11/30/2020] Jogidan Gadhvi:

અસ્ત કદી ના આપનો, થાય ધરમ ના થંભ
દેવ વડો પણ દંભ, જરા ન ભાળ્યો જોગડા

હે ભગવાન સૂરજ નારાયણ આપ તો ધર્મ ના થાંભલા છો આપનો ક્યારેય અસ્ત થતો નથી પૃથ્વી પર જે લોકો ને અસ્ત થતો દેખાય છે ઈ માત્ર એમનો ભ્રમ હોય છે, કારણ કે પૃથ્વી ની એક તરફ દેખાતો અસ્ત તેની બીજી તરફ ઉદય હોય છે,અને પૃથ્વી થી ઉપર ઉઠી ને જોઈયે તો આપ તો સ્થિર હોવ છો એટલે ઉદય અને અસ્ત બેય થી પરે છો,વળી સમગ્ર જીવ સૃસ્ટીનું પાલન કરવા છતાં જેમાં ક્યારેય દંભ નથી દેખાયો એવા હે મહાન દેવ નારાયણ મારાં આપને નિત્ય વંદન છે----------

[7:42 AM, 12/1/2020] Jogidan Gadhvi:

અનહદ મોટા આભમા, બઉ તારલીયા બાપ
અમ કાજે બસ આપ, જગપત સાચા જોગડા

હે ભગવાન સૂરજ નારાયણ આ સુર્ય મંડળ જેમાં ધરતી વગેરે આપની ફરતે ફરતા ગ્રહો, ને ઈ આખું જેમાં સમાઈ જાય તેવી અસંખ્ય તારાઓ ની આકાસ ગંગા અને ગેલેક્ષીયો જેવી અનેક ગેલેક્ષીયો ને આકાસ ગંગાઓ આભ માં હશે જેનો કોઈ આંક આંકી સક્યું નથી, ઐમાં અનેક આપજેના તેજસ્વી તારા હશે, કદાચ એના ગુરુત્વાકર્ષણ બળે એની ફરતાય અનેક ગ્રહો ફરતા હશે ને ત્યાં પણ કદાચ અલગ પ્રકાર ની ત્યાંના વાતાવરણ ને અનુરુપ જીવ સૃસ્ટી હશે પણ હે નાથ અમને જીવાડનાર તો આપ છો, જેમ નગર માં હજારો ઘર હોય દરેક ઘરનું પોષણ કરનાર મોભી અલગ અલગ હોય છે, અને દરેક પોતપોતાના મોભીનેજ મહત્વના ગણેં છે, એમ હે નાથ આ ધરતી રુપી પરિવાર ના મોભી આપ છો, આપ અમારું ભરણ પોશણ કરો છો, એટલે ભલે આકાશ ગંગાઓ કે ગેલેક્ષીયો માં હજારો સુર્ય જેવા તારાઓ હોય અમારે તો બાપ આપ છો, આપને મારાં નિત્ય વંદન છે
[7:22 AM, 12/2/2020] Jogidan Gadhvi:

મુરખા કદી ન માનશે, વંદે સુજન વિચાર
સુરજ હઈન સવાર, જિવન ભાળે જોગડા

હે ભગવાન સૂરજ નારાયણ મુર્ખ લોકો તો પશુ ની જેમ સવાર પડે કે તરત જાગી ને પોતાને કામે વળગશે, એને સવાર કેમ પડી એ હારે કાંય લેવાદેવા નથી હોતી, પણ જે વિદ્વ અને સજ્જન પુરુષ છે ઈ જરુર વિચારે છે કે જિવન માં નિત્ય નવી સવાર જો કોયના હોઈન થતી હોય તો ઈ નારાયણ છે, અને ઈ નારાયણ ને વંદન કરશે, મુર્ખ થી એ અપેક્ષા ન હોય, એમ જેને વેધુ અને સજ્જનો વંદના કરે છે એવા નારાયણ ને મારાં નિત્ય વંદન છે--

[4:01 AM, 12/3/2020] Jogidan Gadhvi:

चार प्रकारे चालती, भाषा सघळी भांण
पंचम तुं परमांण, जांण्यो सुरज जोगडा

हे भगवान सूरज नारायण विश्वनी कोई पण भाषा होय ए चार प्रकारेज चाले छे जेमां (एनो कक्को होय ई कक्का ना अक्षरो नो अर्थ सभर समुह एटले शब्द अने ई शब्दो लयात्मक होय तो काव्य एटले पध्य नहीतर वाक्य के गध्य) 1. कथवाचक,2. प्रश्नार्थ 3. आदेशात्मक 4. विस्मयादिबोधक
जे वाक्य माहीती आपतु होय के 1. आजे तमे आववाना छो(कथवाचक)
2.आजे तमे आववाना छो? (प्रश्नार्थ)
3.आजे तमारे आववानु छे (आदेश, हुकम)
4.आजे. तमे आववाना छो. (भाव साथे विस्मयादिबोधक)
आ सिवाय पांचमो कोई प्रकार विष्व नी कोई पण भाषा पासे नथी पण हे नारायण आप आभे आवो ने जे मौन रही वगर भाषाये आमने सामने जांणे वात थईजाय छे ई मने आपमां पांचमुं परमाण परखांणुं एवा हे मौन ना बोलनार नारायण मारां आपने नित्य वंदन छे

[7:30 AM, 12/4/2020] Jogidan Gadhvi:

तारिय दातारी तणों, परम न आवे पार
कलम घणीं किरतार, जग लखे शुं जोगडा

हे भगवान सुरज नारायण आप तो पोते पण कवि छो,छंद ना दाता छो, सतत काव्यो ऋचाओ अने ऋषीयो नी वच्चे रेहनार छो, वळी जगत भरना जिव मात्र ने जळ दांणो ने जिवन देनार छो,तमारी दातारी लखवा जगत आखुं बेहे तोय थाके पण ए पार न पामी सके, मात्र देखीती रीते देखाता अजवाळा ना किरणो थी आप वृक्षो मां रंग, पोशण वगेरे केम भरोछो ईय खबर न पडे ,थोडादी न मळो तो लिलुं झाड पिळुं पडवा मांडे..आपनो कोई पार न पामी सके हे नाथ मारां आपने नित्य वंदन छे

[7:39 AM, 12/5/2020] Jogidan Gadhvi:

आभे दळ अंधार नुं, तांण्य उभु तरवार
इक तारो अहवार, जोतां भाग्यु जोगडा

हे भगवान सूरज नारायण काळी रात ना अंधारां मात्र पुर्व दीशा नई पण उतर दखण पुरव पच्छम ईशान अग्नी नैरुत वायव उंचे आभ ने हेठे धरती एम दसेय दीसाये घेरी वळी ने हाथमां जांणे तरवारुं लई उभां होय के आजतो सुरज आवे के कोळीयो करी जावो एवा जांणे मनोरथ सेवता हता, पण हजी आपतो उग्या नोता पण आपना उग्या पेहला आपनी आभा रुपी एक अश्व आवी ने उभो त्यांतो आखी फोज मां भंगाण पड्युं ने आपना उदय सुधीमां तो ई दसेय दीशायुं चोखी चांदी जेवी कळावा मांडी ,जेणे पोताना बळ नो प्रयोग नथी करवो पडतो,एनी हाजरीज काफी छे दुश्मनो ने हटाववा माटे एवा हे महाबाहो नारायण मारां आपने नित्य वंदन छे

[9:17 AM, 12/6/2020] Jogidan Gadhvi:

रच्यां धरण जळ रांणते, और पवन जीव आश
ज्योत शरिर धर जोगडा, प्रगट्या रुप प्रकाश

हे भगवान सूरज नारायण आप मांथी आ धरती छुट्टी पडी एटले ई धरती ना रचयता पण आप छो, तथा वातावरण आपने आधीन होई जळ अने वायु वगेरे पण आप कृपाथी आपमांथी छुटी पडेल धरती नी आसपासज छे, कदाच बिजा ग्रहोय आपमांथी छुटा पडी आपनी फरते फरता होय तोय ना नई, हे नाथ जीव ना कारक आप छो एटले जीव सृष्टि पण आपे रची अने ए सौ ने माटेज कदाच ज्योती सरिर मां आपे प्रकाश रुप धारण कर्यु छे एवा हे नारायण मारां आपने नित्य वंदन छे

[7:21 AM, 12/7/2020] Jogidan Gadhvi:

अणबुध जेनो आतमो, इ,थीर अंधारे थाय
सूरज क्यां समजाय, जात घुवड ने जोगडा

हे भगवान सूरज नारायण जेना आत्मा नो हजी उद्धार नथी लखेलो ए अणबुध आतम नुं चीत्त तो जगत नी नस्वर माया ममता रुपी अंधकार मांज थीर थवानुं, जे घुवड प्रजाती छे ऐने तमे सुरज नी के सुरज ना अजवाळा नी लाखो वातो करो तोय ई एने वातुंज मानशे, घुवड ने सुरज नई समजाय,पण तोय कोइ धोखो धर्या सिवाय सौ पर सुनेह राखनार हे नारायण मारां आपने नित्य वंदन छे---

[7:07 AM, 12/8/2020] Jogidan Gadhvi:

विध्या अभ्यासे वळे, अरु, संपत करतां श्रम्म
जिवन मळे नत जोगडा, ई, कश्यप दाता क्रम

हे भगवान सूरज नारायण जो विध्या जाय तो ई अभ्यास करवाथी पाछी मळी सके, संपदा जाय तो ईय मेहनत करी ने पाछी मेळवी सकाय, पण एक वखत उगीने आथमी जाय ईनोई दीवस फरी क्यारेय सांपडतो नथी, एवोने एवो दिवस कदाच आयोजन पुर्वक एकाद बे व्यक्ति पुरतो उभो करी सको, पण ईनो ई दिवस तो न ज मळे,ऐ दिवसे बनेल ब्रह्मांड नी समग्र घटनाओ नुं पुनरावर्तन न थई सके,आम जे एक समय मात्र एकज वखत आपे छे,अने जन्म थी मृत्यु वच्चे नो समय एज आयुष्य छे, एम दिवसो नई पण आयुस्य जई रह्युं छे, ई ज्ञात करावी अमने आप प्रती सुद्रढ करनार आयुष्य ना दाता हे नारायण मारां आपने नित्य वंदन छे---

[7:23 AM, 12/9/2020] Jogidan Gadhvi:

नित आया मां नाथ जी, रात न थाकी रांण
जाय न गांज्यो जोगडा, भगवी देवा भांण

हे भगवान सूरज नारायण आ रात्री पण केवी गजबनी साहशी छे, रोज आप नी सामे हारी ने भागी जावुं पडे छे, तोय मोको मळतांवेंत पाछुं आक्रमण करी पोतानी सत्ता जमावी दे छे, अने आप पण गांज्या जाय एवा नथी, रोजे रोज एने पछडाट आपी भगावी मुको छो, आप पण क्यारेय थाक्या नथी ऐवा हे अंधकार ने हटावी देवा अथाक(थाक्या वगर) प्रयत्न करनार नारायण ने मारां नित्य वंदन छे---

[7:31 AM, 12/10/2020] Jogidan Gadhvi:

आदित व्रद आरोग्य दत, पठवत मत्स पुरांण
जगहित चाहो जोगडा, आभ फिरौतल आंण

हे भगवान सूरज नारायण आप आरोग्य ना दाता छो अने समस्त रोगो ने आप हटावी सकवा सक्षम छो, एवुं मत्स पुरांण आरोग्यं भास्करादिच्छेत् एटले के आरोग्य नी कामना आप थी करवा सुचवे छे, ऐवा हे नारायण जगत आजे महामारी ना भरडा मां भिंसाय छे, त्यारे जगत हित ना चाहक अने जेनी आंण आखा आभ मां वर्ताय छे, एवा नारायण आपना सर्व ~~उपासको अने आपनुं दिवस मां एक वखत पण स्मरण करनार नुं रक्षण करो एवि प्रार्थना सह आपने मारां नित्य~~ वंदन छे.

[7:27 AM, 12/11/2020] Jogidan Gadhvi:

कविवर आवे कोडथी, गावाय तारां गीत
रांण भलेरी रीत, एने, जाळवजे तुं जोगडा

हे भगवान सूरज नारायण कवि तारां गीत गावा कोड करी ने आवे तो ऐने भली रीते आप जाळवी ने खुब सुनेहे राखज्यो नाथ मारां आपने नित्य वंदन छे.

[7:43 AM, 12/12/2020] Jogidan Gadhvi:

पत्थ अपत्थ सपत्थ प्रद, सुर्य रत्थ समरथ्थ
जगत रमत सब जोगडा, होय नाथ तव हथ्थ

हे भगवान सुरज नारायण आप नो रथ समर्थ छे जे पथ होय के न होय पण पोतानी परकम्मा पुरण करवानी सपथ ने क्यारेय वच्चे न छोडे चाहे मेघ होय के मेघरवो,पोताना स्वधर्म ने क्यारेय न छोडनार रथ ना महारथी जगत नी तमाम रमतो जनम जीवन अने मरण ए सर्व जेना हाथ नी वात छे एवा हे नारायण आप ने मारां नित्य वंदन छे

[7:28 AM, 12/13/2020] Jogidan Gadhvi:

उठ भजीले आतमा, नित नारायण नाम
जग नी वातुं जोगडा, कांय न आवे काम

हे भगवान सूरज नारायण आ जगत नी जंजाळ कहो के मायाजाळ कहो के नस्वरता ई बधी बाबतो मात्र अहीं श्वास चाले त्यां सुधी नी छे,सास्वत कंई होय तो ई नारायण मां स्थिर थयेल स्थिति मात्र छे, जे नारायण नाम थी सांपडे छे, माटे हे आतमा जागी ने नारायण नुं नाम भजीले, तथा ई माटे नित्य प्रेरनार आत्मा ना देव एवा हे नारायण मारां आपने नित्य वंदन छे

[9:02 AM, 12/14/2020] Jogidan Gadhvi:

चण नाख्यां चकलांवने, नगरां पुरियां नाथ
जळे चडाव्युं जोगडा, हवे रखो सिर हाथ

हे भगवान सूरज नारायण अमे चकलां ने चण पण नाख्यां छे, किडीयु ना नगरांय पुर्यां ने आप ने जळ पण चडाव्युं छे हे नाथ हवे अमारा माथे आपनो हेत नो हाथ कायम फरतो राखज्यो. आपने मारां नित्य वंदन छे

[11:21 AM, 12/15/2020] Jogidan Gadhvi:

शिव शिवा ने सूरज ने, कबुं न भुलशे कोय
जिभेय कायम जोगडा, एने, हंस वाहिनी होय

हे भगवान सूरज नारायण जे शिव शक्ति अने सुरज नारायण ने कायम समरण करशे अने कदी भुलशे नई ऐनी जिभे कायम ने माटे हंस वाहिनी जगदंबा शारदा बिराजेल रेहशे एवा आशिस ना देनार नारायण ने मारां नित्य वंदन छे

[7:18 AM, 12/16/2020] Jogidan Gadhvi:

आह केवां अदभुत छे, भूवन तारां भांण
जोइ सजावट जोगडा, रातडीयु मां रांण

हे भगवान सूरज नारायण आप ना आभरुपी भुवन नी सोभा तो आहाहा केवि सुंदर छे, आप होव त्यारे आपनी आभा सामे विश्व आखुं फिक्कुं पडी जाय पण आप ज्यारे मांड आघापाछा छो त्यारे आपना आ आभ आलय नी सजावट अमे रात्रे जोई सकीये छीये, जांणे खोबा भरीने मोती छांट्या होय तेम आ तारलाओनी बेरख वगेरे अदभुत सजावट छे आपना महालय नी,सकल सृस्टी नी सजावट ना स्वामी भगवान नारायण आप ने मारां नित्य वंदन छे------------------------

[8:08 AM, 12/17/2020] Jogidan Gadhvi:

नमता काठी नेहथी, अरु, भामण वंदे भांण
जपता चारण जोगडा, रंग हो कशप रांण

हे भगवान सूरज नारायण जे कोय ने न नमे ई काठी आप ने नित्य नमे छे, जे दरेक ने विद्वता नी ऐरणे मापे ई भामण आपने नित्य भजे छे, अने जे जगदंबा ना दिकरा शास्त्र अने शस्त्र ना उपासक छे ऐवा चारणो क्षति होय तो क्षात्र ने पण मोढा मोढ कहे ई आप ने नित्य जपे छे, हे नाथ एनो अर्थ ए के बधाये विरत्व, विद्वता अने वट्ट मां सर्वोपरि तरीके आपने स्विकार्या छे, ऐवा हे नारायण मारां आपने नित्य वंदन छे--

[7:05 AM, 12/18/2020] Jogidan Gadhvi:

नाथ दिये नवखंड ने, अजवाळां अदभूत
आदीत छुत अछूत, जुवे न को दण जोगडा

हे भगवान सूरज नारायण आप नवेखंड धरती ने माथे एक सरखुंज अदभुत अजवाळुं पाथरो छो, पृथ्वी पर आपने क्षत्रिय वंश ना पिता तरीके क्षात्र तरीके जोवाय छे,तो बीजी तरफ ब्रह्मा ना पुत्र मरीचीना पौत्र थता होई ब्राह्मण पण खरा, अने तेम छतां हे आदीत्य आपे क्यारेय ब्राह्मण के क्षत्रिय ने वधु अजवाळुं ने वैस्य ने करवेरा वाळुं के सुद्रने झांखुं अजवाळुं एको कोई भेद आपना तरफथी रखायो नथी, अर्थात आप ऐवी सर्व बाबतोथी परे छो, ऐवा हे ऐकात्म्य भाव नो संचार करनार नारायण मारां आपने नित्य वंदन छे.--

[7:35 AM, 12/19/2020] Jogidan Gadhvi:

पंड बाळि ने पालवे, एने, नमणुं लाखो नाथ
जग्ग जिवाडण जोगडा, हयग्रीव जोडु हाथ

हे भगवान सूरज नारायण जे पोते बळी ने बिजा ने थोडुं अजवाळुं दीये छे ई दिवा ने पण लोको नमन करे छे, ज्यारे आप तो पंड बाळी ने आखा जगत ने अजवाळुं तो आपोज छो हारोहार पोशण आपी ने जीवन आपो छो, हे नारायण आवा मोटा उपकार नो आभार केहवा हुं बिजुं तो शुं करी सकुं बस रोज जागीने पेहला आपनी वंदना करी बे हाथ जोडी वंदना करु छुं, हे करुणा सागर नारायण मारां आपने नित्य वंदन छे---

[7:32 AM, 12/20/2020] Jogidan Gadhvi:

नेहे नाथ नवाजियें, तने, सोनानो कइ सूर
आभ धणीं अम ऊर, जाजर माने जोगडा

हे भगवान सूरज नारायण आप नो उदय थाय एटले सोनानो सुरज उग्यो कही आपने किमती धातु एवा सोना साथे सरखावी बहुमान करवा मां आवे छे, आंम लोक हैयामां जेनु स्थान जाजर मान छे, ऐवा हे लोक नायक नारायण मारां आपने नित्य वंदन छे---

[5:41 AM, 12/21/2020] Jogidan Gadhvi:

आभ भरीने आवता, नित, राते तारा रांण
जोवाय नर्या जोगडा, भडका देखी भांण

हे भगवान सूरज नारायण आप ग्रह नई पण तारो छो एवुं विज्ञान कहे छे, अने रात्रे सीतळता ना समये आखुं आभ भरी ने ई ताराओ नो समुह टमटमी रह्यो होय छे, एटले के ज्यारे सुख नी सितळता होय छे त्यारे आखुं आभ भरीने पोताना होवानो देखाव करता हजारो तारा जोवा मळे छे, पण परोढ थातां ज्यां आपने अंगे भडको भाळे छे त्यां ई ऐकेय तारो आश्वासन देवा पुरताय उभो रही ने झगमगतो नथी, आम हे नारायण सुख मां मळता समुह ने दुख ना साथी न समजवानी नक्कर वास्तविक वातो जगत ने सिखवनार नारायण मारां आपने नित्य वंदन छे----------------------------------

[4:34 AM, 12/22/2020] Jogidan Gadhvi:

नाठी दिठ नारायणा, रांण इ लांबी रात
पाछुं ई परभात, जो आवी ग्युं जोगडा

हे भगवान सूरज नारायण गई काल 21 डीसेम्बर एटले के टुंका मा टुंको दिवस अने वर्ष नी कदाच सौथी लांबी रात गणाती पण आपनो उदय थाय एटले ई गमे ऐटली लांबी रात होय तोय भागी जाय ने पोरह नुं प्रभात थाय, एम रात ना लांबा अंधकार थी डरवुं नई, पाछळ परोड आवेज छे, एम जिवन मा हिम्मत ना पाठ सिखववा काळी रात्युं ने हटावनार हे नारायण मारां आपने नित्य वंदन छे--

[8:39 AM, 12/23/2020] Jogidan Gadhvi:

नित्य नमन नारायणा, नभ्भ नगर ना नाथ
जग बड भागी जोगडा, सुरज देतो साथ

हे भगवान सूरज नारायण,नभ नगर नाथ एवा नारायण आ जगत एटले के धरती पर नी जीव सृष्टि खुब भाग्यशाळी छे के जेने आपनी कृपा प्राप्त थई छे, नहीतर घणांय ग्रहो छे, जे विस्तार नी द्रस्टीये मोटा छे, पण कां हवा नथी कां जळ नथी, एथी उज्जड पड्या छे, ज्यारे आ धरती पर आप कृपाथी करोडो जीव जिवन पाम्या छे, ऐ आपनी दया द्रस्टी छे, अने तेम छतां जे कोई जीवण जांणतो होय के जीवन आपने आधीन छे छतां आपने नमन न करतो होय तो ऐनाथी मोटो नीच कोई न होई सके, हे नाथ मारां आपने नित्य वंदन छे---

[7:26 AM, 12/24/2020]

पिता बनी धर पोषतो, कश्यप आभ कगार
वळी
आपल तें अवतार, जननी थई ने जोगडा

हे भगवान सूरज नारायण आप आभ नी कगार पर रही ने आ धरती नुं पोषण करी बाप तरीके नी फरज निभावो छो,वळी आ धरती आपमांथी छुटी पडेल छे एटले तेने जन्म देनार जनेतानी भुमिका पण आपेज अदा करी छे, आम आ धरती ना बाप पण तमे छो अने ऐनी मां पण तमे छो, ऐवा हे नारायण मारां आपने नित्य वंदन छे-------------------

[7:15 AM, 12/25/2020] Jogidan Gadhvi:

आइ उभारे आभ मां, नीत जगत ना नाथ
होय पुनइ ई हाथ, जोडी सकता जोगडा

हे भगवान सूरज नारायण आप सर्व जगत ना स्वामी छो आपज जीव मात्र नु पोषण करनार नारायण छो, आप कायम आभमां आवी ने उभा रही दर्शन आपो छो,हतभागी पण आपने जोई तो सकेज छे, पण जेनी पुनई छे ईज आपने जांणी ने बे हाथ जोडी वंदन करी सके छे, अन्य ने मात्र द्रस्य देखाय छे, दर्शन नई, हे नारायण मारां आपने नित्य वंदन छे.

[7:37 AM, 12/26/2020] Jogidan Gadhvi:

इक नारायण आभ मां, भेंतर दुजोय भांण
जीवन थ्युं धन जोगडा, रेम तमारी रांण

हे भगवान सूरज नारायण ऐक नारायण आभमां छे अने बिजो नारायण अमारा हैयामां बिराजेल छे, जे सतत अंदर अजवाळां पाथरे छे कोयदी अंधकार भर्यो विचार नथी आववा देता एज आपनी परम कृपा छे, हे नारायण आपनी उपस्थिति थी जिवन धन्य थयुं छे, मारां आपने नित्य वंदन छे---

[7:38 AM, 12/27/2020] Jogidan Gadhvi:

कंठ मयुरां कश्यपा, नित, तुंज करे टहु कार
काक गळे किरतार, जग्ग खिजावे जोगडा

हे भगवान सूरज नारायण आ धरती आपमांथी छुटी पडी छे तेमां थी उत्पन्न तमाम जीवो पण आपने आधीन छे आपनाज अंश छे, हे नाथ आपज मोर ना कंठमां गेहकाट करी ने परोढे सौना मन मोहो छो ने वळी आपज कागडा ना कंठे थी एज जगत ना जीवो ने खिजावी मौज करो छो, हे नारायण मारां आपने नित्य वंदन छे. -------------------------

[7:19 AM, 12/28/2020] Jogidan Gadhvi:

रांण सदा ये राखतो, हैये सौ नुं हीत
जंबू दिप थी जोगडा, नमन करुं हुं नीत

हे भगवान सूरज नारायण आप ना हैया मां सदाय सौ नुं हीतज समायेल होय छे, क्यारेय कोयना माटे नकारात्मकता आवीज नथी, युद्ध ना मेदाने कर्ण जेवा दिकरा ना छेतरंगा मारतलो ने पण आपे ऐटलुंज अजवाळुं आपी पोतानी समद्रस्टा छबी ने अति उज्जवल करी छे हे नाथ जंबुद्विप ना भारतवर्ष मां अमने आपे जन्म आप्यो के जेथी देवो नी वातो थी वाकेफ ~~थई आपने जांणी सकीये अने पोताने जांणवा प्रयत्नसील रहीये तेवुं अद्वितीय हीत करनार नाथ आपने मारां~~ नित्य वंदन छे

[5:36 AM, 12/29/2020] Jogidan Gadhvi:

चतुर दशे चडियाहने, तें, सुरज करेलो सुद्ध
तोय
ऐक त्रिहां अणबुद्ध, जांणी सक्यो ना जोगडा

हे भगवान सूरज नारायण मारी उमर चौद वर्ष नी हती हुं मोसाळ मां रही ने भणतो, ते आठमा धोरणथीज तें साधुओने सतसंग मां तत्वज्ञान थी गुंचववा,आपना सिस्य हनुमान ना एकविस दिवसीय अनुष्ठान करवा,अने झकडीयु चारणी गीत लखाव्युं,दसमा धोरण ना विध्यार्थी नी विदाय नी काव्य लखी ने शाळा मां गाई ऐम चौद वरसे हाथमां कलम आपी काव्य उतरवुं सरुं थयुं दसमा धोरण मां तो परिक्षा आपी रिझल्ट लेवा पेहला मोटा मामा ना साळा साथे संन्यास लेवा मामानुं घर छोडी निकळी गयेल आम आध्यात्मिक मार्गे तें मने चौद वरहनी उमरथी सुद्ध कर्यो ने हुं मुरख हमणां एकत्रीस नी उमरथी एटले के छेल्ला आठेक वरहथीज तने ओळखी ने नित्य नमन ना दोहा लखुं छुं, हे नाथ हुं अणबुद्ध समजवामां बहु मोडो पड्यो मने माफ करश्यो, गई काले मामा आव्या ने जुनी वातोये चड्या त्यारे भुल समजाई जे अंदर डंखती हती अत्यारे जागी ने तरत आपनुं ध्यान करी माफी मागुं छुं तारो सरणागत छुं, मने क्षमा करशो हे नाथ मारां आपने नित्य वंदन छे.
[7:09 AM, 12/30/2020] Jogidan Gadhvi:

रांण अमुंने राखजो, भक्त सनातन भांण
जांण अजांणे जोगडा, गाउ नरायण गांण

हे भगवान सूरज नारायण अमारा आ मात्र खोळीया नुं नई पण आत्मा नुं ज्यां सुधी अस्तित्व छे त्यां सुधी ऐ सनातन आपनो भक्त रहो अने जांणता तो खरोज पण अजांणता पण ई नर काव्य नई पण नारायण काव्यनाज गुंणगान करे ऐवा आशीस देजो हे नाथ मारां आपने नित्य वंदन छे --

[7:20 AM, 12/31/2020] Jogidan Gadhvi:

इष्ट गणींने आतमे, जे, वालप भेर वणांय
भगती ईज भणांय, जणवे सूरज जोगडा

हे भगवान सूरज नारायण गीता मां श्री कृष्ण अर्जुन ने कहे छे के हे अर्जुन आ मे सौ पेहला सुर्य ने संभळावेल, अने आपे पोताना शिस्य हनुमान पण ऐज कहेल, जोके कृष्ण अने हनुमान बंन्ने तो आपना जमाई छे ऐटले ए वात न उकेलतां आपे जे गीता संभळावी ते सुर्य गीता मां आपे कह्युं के जेने आत्मा पोताना ईष्ट गणें अने तेना प्रत्ये हैये अनन्य भाव नी श्रद्धा रहे (राखे एम नई.. रहे) ईज भक्ति छे, तो हे नाथ भगवान शिव, जगदंबा अने नारायण आप एम त्रणेय प्रत्ये अमारे मन ऐज भाव छे जे सदैव राखज्यो मारां आपने नित्य वंदन छे---

.